दैनिक

कीर्तिप्रभा

खबरों के सच का निर्भीक आइना

रीवा भोपाल से एक साथ

वर्ष: 28, अंक: 345 पृष्ठ 12, रीवा

रविवार 06 सितम्बर 2026

मूल्य: 3.00 रुपए

सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में बनी अवैध मस्जिद ध्वस्त

किराए पर चलाए जा रहे थे मस्जिद के कमरे

सहारनपुर, उत्तर प्रदेश के सहारनपुर स्थित कलेक्ट्रेट परिसर में प्रशासन ने एक मस्जिद पर बुलडोजर की कार्रवाई करते हुए उसे ध्वस्त कर दिया। मुस्लिम पक्ष द्वारा दायर अपील को जिला न्यायालय द्वारा खारिज किए जाने के बाद यह एक्शन लिया गया। इस दौरान मौके पर उप-जिलाधिकारी (एसडीएम) और नगर मजिस्ट्रेट के साथ भारी संख्या में पुलिस बल तैनात था, जिसने पूरी कार्रवाई को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाया। कलेक्ट्रेट जैसे अति संवेदनशील और गोपनीय कार्यों वाले परिसर में स्थित इस मस्जिद को हटाने की यह कार्रवाई जिला अदालत के स्पष्ट आदेशों के तहत की गई थी। किसी भी असामाजिक तत्व को अंदर आने से रोकने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियात के तौर पर कलेक्ट्रेट परिसर के सभी गेटों को बंद कर दिया गया था। मस्जिद को ध्वस्त करने के बाद भी, मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पूरे इलाके में सुरक्षा बलों की तैनाती जारी रखी गई है और आसपास के क्षेत्रों में भी कड़ी निगरानी रखी ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

राष्ट्रपति मुर्मू ने 48 शिक्षको को किया सम्मानित

-राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान- नवाचारी विधियों से बच्चों का भविष्य गढ़ रहे गुरु

नई दिल्ली,शिक्षक दिवस के शुभ मौके पर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में देशभर के 48 स्कूल शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया। इन शिक्षकों ने अपनी अनूठी और रचनात्मक शिक्षण पद्धतियों से शिक्षा के क्षेत्र में नई मिसाल स्थापित की है। केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल, आदर्श जनजातीय स्कूल और पीएम श्री स्कूलों से चुने गए इन गुरुओं ने बच्चों की पढ़ाई को केवल आसान ही नहीं, बल्कि बेहद दिलचस्प और प्रेरणादायक भी बनाया है। इन सम्मान पाने वाले शिक्षको में महाराष्ट्र के वैभव वसंतराव कुलकर्णी का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है, जिन्होंने गणित जैसे जटिल विषय को सरल बनाने के लिए 700 से अधिक वीडियो ट्यूटोरियल बनाए। वहीं, राजस्थान के दिव्येंदु सेन ने बच्चों को पर्यावरण से जोड़ने का अनूठा तरीका अपनाया। उन्होंने 500 से अधिक पेड़ों पर क्यूआर कोड लगाकर उनकी जानकारी उपलब्ध कराई और छात्रों के साथ मिलकर 12 नए क्षुद्र ग्रहों की खोज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पंजाब के दिनेश कुमार ने वर्चुअल फिजिक्स लैब और 100 से ज्यादा कम लागत वाले मॉडल तैयार कर भौतिकी को बच्चों के लिए सुगम बनाया। इसी तरह, चंडीगढ़ के रवि जायसवाल ने स्कूल में 3डी गुंबद थिएटर और मौसम केंद्र स्थापित कर छात्रों को अंतरिक्ष और मौसम विज्ञान का अनुभव प्रदान किया। हिमाचल प्रदेश की मंजरी महाजन ने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण, कचरा प्रबंधन और प्लास्टिक मुक्त परिसर के महत्व से अवगत कराया।

शिक्षकों की इन विविध पहलों ने शिक्षा में नवाचार की भावना को बढ़ाया है। राजस्थान की डॉ.वर्तिका गुलाटी ने कोरोना महामारी के दौरान ऑनलाइन कक्षाओं के लिए गूगल मीट और फॉर्म का प्रभावी उपयोग किया, जबकि उत्तर प्रदेश की शालिनी कुशवाहा ने खेल और गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को पढ़ाया, जिससे स्कूल में दाखिलों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

तमिलनाडु के मंदिरों में मोबाइल हुआ बैन, युवाओं की 20फीसदी घटी संख्या

चेन्नई.। तमिलनाडु के कांचीपुरम स्थित देवराजस्वामी अथि वरदराज मंदिर में मोबाइल बैन के बाद सब बदला नजर आ रहा है। जहां पहले युवा सेल्फी लेते दिखते थे, अब ज्यादातर बुजुर्ग श्रद्धालु दिख रहे हैं। मोबाइल जमा करने वाले काउंटर पर पहले दिन लंबी लाइन थी, लेकिन अब वहां भी मिडिल एज और बुजुर्गों की संख्या ज्यादा है। इससे संकेत मिल रहा है कि कई युवा मंदिर आना कम कर रहे हैं। यह स्थिति सिर्फ वरदराज मंदिर की नहीं है। राज्य के कई बड़े मंदिरों में भी ऐसा ही असर दिख रहा है।

पटना यूनिवर्सिटी गेट के पास बम धमाके से मची अफरातफरी

पटना.। पटना यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट के पास शनिवार दोपहर अचानक हुए तेज धमाके से इलाके में अफरातफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक डबल डेकर पुल की ओर से अज्ञात लोगों ने यूनिवर्सिटी गेट की तरफ बम फेंका। धमाके की तेज आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोगो में दहशत फैल गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

दही हांडी- कान्हा की नटखट लीलाओं का जीवंत उत्सव

मुंबई । भाद्रपद मास की अष्टमी को भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव के बाद, अगले ही दिन पूरे देश में दही हांडी का अनूठा उत्सव उमंग और उत्साह से मनाया जाता है। यह पर्व श्री कृष्ण की नटखट बाल लीलाओं, विशेषकर उनकी माखन चोरी की याद में आयोजित होता है। कभी केवल गुजरात और महाराष्ट्र तक सीमित रहा रोमांचक खेल, अब गोवा सहित पूरे भारत में एकता और सामाजिक जुड़ाव का प्रतीक बन चुका है, जहां गोपालों की टोलियां मानव श्रृंखला बनाकर आसमान छूती दही-माखन से भरी मटकी को तोड़ने की चुनौती स्वीकार करती हैं।

बडगाम में छिपे हैं 2 आतंकी, सूचना मिलते ही सुरक्षाबलों ने घेरा इलाका

जम्मू.। बडगाम के यूसमर्ग क्षेत्र में 2 आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। जानकारी के मुताबिक सुरक्षाबलों को आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी जिसके बाद मौके पर पहुंचकर सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान चलाया। इसी दौरान आतंकियों और सुरक्षाबलों में मुठभेड़ शुरू हो गई और दोनों ओर से गोलीबारी हुई। इसके बाद सुरक्षाबलों ने इलाके को पूरी तरह से घेर लिया और सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया।

जानकारी के अनुसार यूसमर्ग क्षेत्र में 2 आतंकियों के छिपे होने की आशंका जताई जा रही है कि दोनों आतंकी पाकिस्तान से संबंधित हैं। फिलहाल सुरक्षाबल मौके पर मौजूद हैं और अलर्ट पर हैं।

आयुष्मान भारत योजना में धांधली और अवैध वसूली पर प्रशासन का एक्शन

-दो अस्पतालों पर एफआईआर, तीन निलंबित, 25 को पैनल से बाहर करने की कार्रवाई

Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana

भोपाल, मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत संबद्ध निजी अस्पतालों में इलाज के नाम पर हो रही धांधली और अवैध वसूली के खिलाफ प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। योजना के नियमों का उल्लंघन करने वाले अस्पतालों के विरुद्ध व्यापक स्तर पर दंडात्मक कार्रवाई की गई है। आयुष्मान भारत योजना के सीईओ ने स्पष्ट किया है कि मरीजों के अधिकारों से खिलवाड़ करने वाले अस्पतालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मरीजों की शिकायतों और औचक निरीक्षण के आधार पर कार्रवाई आयुष्मान भारत के सीईओ ने बताया कि विभाग को लगातार अनियमितताओं की सूचनाएं मिल रही थीं। कई मामलों में मरीजों और उनके परिजनों ने सीधे शिकायत दर्ज कराई कि आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद उनसे अवैध रूप से रुपए वसूले जा रहे हैं या फिर समुचित उपचार उपलब्ध नहीं कराया जा रहा। मरीजों की शिकायतों के अलावा विभाग द्वारा प्राप्त गोपनीय इनपुट और अधिकारियों के औचक निरीक्षण के दौरान कई अस्पतालों में भारी अनियमितताएं और फर्जीवाड़ा पकड़ा गया।सीईओ ने बताया कि जांच में गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर राजधानी के अस्पतालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए गए हैं। अब तक गंभीर गड़बड़ियों में लिप्त पाए गए दो निजी अस्पतालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई है, जबकि तीन अस्पतालों के आयुष्मान पैनल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

सिक्किम में 40 ग्लेशियल झीलें जोखिम पर- बाढ़ की आशंका, निगरानी तेज

नई दिल्ली सिक्किम में ग्लेशियल झीलों से उत्पन्न संभावित खतरे को देखकर राज्य सरकार ने 40 झीलों को हाई-रिस्क श्रेणी में चिन्हित किया है। इसमें से 16 झीलों को सबसे अधिक खतरनाक यानी कैटेगरी-ए में रखा गया है, जिसमें शाको चो झील को सर्वाधिक संवेदनशील माना गया है। इन झीलों के फटने से निचले इलाकों में अचानक और तेज बाढ़ आने का गंभीर खतरा है, जिसके मद्देनजर सैटेलाइट तथा रिमोट सेंसिंग तकनीकों से लगातार निगरानी हो रही है। यह जानकारी 4 सितंबर को ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (जीएलएफओ) के खतरे पर आयोजित कार्यक्रम में साझा की गई। अधिकारियों के अनुसार, चिन्हित 40 झीलों में से 16 को कैटेगरी-ए (सबसे खतरनाक) में रखा गया है। इसके अलावा, दो झीलें कैटेगरी-बी और नौ कैटेगरी-सी में हैं, जहां खतरा मध्यम से कम है। शेष 13 झीलों की श्रेणी अभी तय नहीं की है। राज्य सरकार का मानना है कि हर झील की भौगोलिक स्थिति भिन्न होने के कारण, ल्होनक कॉम्प्लेक्स, शाको चो और गुरुडोंगमार कॉम्प्लेक्स जैसी महत्वपूर्ण झीलों के लिए विशेष जोखिम प्रबंधन योजनाएं तैयार हैं।

ग्लेशियरों के पिघलने से बने विशाल जलभराव को ग्लेशियल झील कहते हैं। जब यह झील किसी कारणवश अचानक टूटती है और भारी मात्रा में पानी तेजी से बाहर निकलता है, तब ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (जीएलएफओ) कहा जाता है।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश जारी, मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

-एयरपोर्ट पर पानी भर जाने से उड़ानों का संचालन प्रभावित, यात्री हुए परेशान

नई दिल्ली,दिल्ली और एनसीआर में शनिवार को लगातार दूसरे दिन मूसलाधार बारिश का हो रही है। इससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ और भारत मौसम विज्ञान विभाग ने पूरे दिल्ली-एनसीआर के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने शनिवार दिन भर गरज के साथ भारी बारिश का अनुमान जताया है। मौसम विभाग का कहना है कि रविवार को मौसम में सुधार होने की संभावना है और 8 सितंबर तक इस इलाके में मौसम सूखा रहेगा।

शुक्रवार को दिल्ली में भारी बारिश हुई, जिससे कई इलाकों में जलभराव हो गया और ट्रैफिक व्यवस्था बाधित हुई। दिल्ली और गुरुग्राम के कई हिस्सों में खासकर कनॉट प्लेस, लुटियंस दिल्ली, साइबर सिटी कमर्शियल हब, शंकर चौक और शीतला माता रोड जैसी प्रमुख जगहों पर ट्रैफिक जाम रहा। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पानी भर जाने से उड़ानों का संचालन प्रभावित हुआ, जिससे कई यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

दिल्ली एयरपोर्ट ने कहा कि भारी बारिश हुई, जिसके कारण अप्रोच रोड और फोरकोर्ट वाले इलाकों में पानी जमा हो गया। जमा पानी को कुछ समय में हटा दिया गया। खराब मौसम का असर उड़ानों के संचालन पर भी पड़ा, जिससे कुछ उड़ानें देरी से चलीं और कुछ को डायवर्ट करना पड़ा। बारिश के बाद दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक में भी सुधार हुआ। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक शुक्रवार को एक्यूआई 71

पेंगिवन इंडिया की आनाकानी और बहानेबाजी के पीछे सत्ता का खौफ

-सोनिया गांधी की किताब के प्रकाशन पर पूर्व सीएम गहलोत ने केंद्र पर साधा निशाना

जयपुर,(ईएमएस)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी के संस्मरण (मेमॉयर) बिलॉन्गिंग- ए जर्नी ऑफ लव के प्रकाशन को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने शुक्रवार को प्रकाशक पेंग्विन इंडिया के पीछे हटने को लेकर सीधे तौर पर केंद्र सरकार और पीएमओ को कठघरे में खड़ा किया। गहलोत ने दो टूक कहा कि प्रकाशक की आनाकानी और बहानेबाजी के पीछे सत्ता का खौफ है, लेकिन दुनिया की कोई भी ताकत इस सच को सामने आने से नहीं रोक सकती है। उन्होंने विश्वास जताया कि तय तारीख यानी 10 नवंबर 2026 को ही यह पुस्तक दुनिया के सामने आएगी। दुनिया में छप सकती है तो भारत में क्यों नहीं? पेंग्विन की खुली पोल अशोक गहलोत ने प्रकाशक की भूमिका और सरकारी हस्तक्षेप पर सवाल उठाते हुए कहा।

गहलोत ने कहा कि पेंग्विन की मूल अंतरराष्ट्रीय संस्था इस किताब को मूल स्वरूप में पूरे विश्व में प्रकाशित करने को तैयार है। जब दुनिया भर के पाठक इसे पढ़ सकते हैं, तो भारत के पाठकों से इसे क्यों छिपाया जा रहा है? इस विरोधाभास ने पेंग्विन इंडिया की पूरी पोल खोलकर रख दी है। पूर्व सीएम ने तर्क दिया कि पीएमओ और सरकार पर लगातार गंभीर आरोप लग रहे हैं कि ये पीएम मोदी, आरएसएस और चीन से जुड़े अंशों को हटाने का दबाव बना रहे थे। इसके बावजूद सरकार की ओर से एक शब्द का भी खंडन न आना यह साबित करता है कि मौन रहकर इन आरोपों को स्वीकार कर लिया गया है।

सोनिया गांधी की राजनीतिक विरासत का उल्लेख करते हुए गहलोत ने कहा कि वे कोई सामान्य हस्ती नहीं हैं। वे देश की नेता प्रतिपक्ष रही हैं और 22 सालों से ज्यादा समय तक कांग्रेस की अध्यक्ष रहकर उन्होंने भारतीय राजनीति को दिशा दी है। उनके लंबे सार्वजनिक जीवन और अनुभवों को सेंसर करने का प्रयास अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा प्रहार है। गहलोत ने खुलासा किया कि जैसे ही यह बात सार्वजनिक हुई कि पेंग्विन इंडिया ने पांडुलिपि छापने से हाथ पीछे खींच लिए हैं, देश-दुनिया के कई प्रतिष्ठित प्रकाशन संस्थानों ने इसे छापने के लिए हाथ आगे बढ़ा दिए हैं। गहलोत ने पूर्ण विश्वास जताया कि

राष्ट्रीय रोजगार रिपोर्ट की पीपल एट वर्क 2026 रिपोर्ट में चौकाने वाले खुलासे

नई दिल्ली नौकरी का समय खत्म होने के बाद भी ईमेल, कॉल, मीटिंग और टारगेट का काम जारी रखना अब कई कर्मचारियों की रोजमर्रा की हकीकत बनता जा रहा है। राष्ट्रीय रोजगार रिपोर्ट (एडीपी) की पीपल एट वर्क 2026 रिपोर्ट भारत में काम के इसी बढ़ते दबाव की तस्वीर सामने रखती है। रिपोर्ट के मुताबिक करीब 24-25 प्रतिशत कर्मचारी हर सप्ताह 16 घंटे या उससे ज्यादा बिना अतिरिक्त वेतन के काम करते हैं, जबकि करीब 40 प्रतिशत कर्मचारी सप्ताह में 6 से 15 घंटे तक बिना भुगतान के अतिरिक्त काम करते हैं। यानी सवाल सिर्फ यह नहीं है कि कर्मचारी कितने घंटे काम कर रहे हैं, बल्कि यह भी है कि काम के बदले भुगतान और काम के वास्तविक घंटों के बीच कितना अंतर बढ़ रहा है। 62 प्रतिशत कर्मचारी हफ्ते में 5 घंटे तक बिना सैलरी के काम करते हैं, 26 प्रतिशत कर्मचारी 6 से 15 घंटे और 12 प्रतिशत कर्मचारी 16 घंटे या उससे ज्यादा बिना सैलरी के काम करते हैं।अतिरिक्त काम हमेशा औपचारिक ओवरटाइम के रूप में दर्ज नहीं होता।

ब्रिक्स चीफ जस्टिस फोरम में आए ईरान के सीजेआई गुलाम हुसैन पहुंचे जामा मस्जिद

-सुन्नी इमाम के पीछे नमाज पढ़ शिया-सुन्नी सद्भाव की मिसाल पेश की, खूब हो रही चर्चा

नई दिल्ली,। दिल्ली में इन दिनों दुनियाभर के 22 देशों के न्यायिक अधिकारी जुटे हैं। मौका है ब्रिक्स चीफ जस्टिस फोरम का, जिसकी मेजबानी भारत का सुप्रीम कोर्ट कर रहा है। इस मंच पर न्याय व्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय विवादों के समाधान, तकनीकी और सामाजिक विकास जैसे मुद्दों पर चर्चा हो रही है, लेकिन इन तमाम बैठकों के बीच शुक्रवार को दिल्ली की ऐतिहासिक जामा मस्जिद में एक ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसकी खूब चर्चा हो रही है।

दरअसल ईरान के चीफ जस्टिस अयातुल्लाह गुलाम हुसैन मोहसिनी-एजेई जुमे की नमाज पढ़ने दिल्ली की ऐतिहासिक जामा मस्जिद पहुंचे। उन्होंने जामा मस्जिद के शाही इमाम मौलाना सैयद शाबान बुखारी से मुलाकात की और नमाज में शामिल हुए। नमाज खत्म होने के बाद जामा मस्जिद में मौजूद नमाजियों की भीड़ ने उन्हें घेर लिया। हर कोई उनका इस्तकबाल कर रहा था और उनकी एक झलक अपने कैमरे में कैद कर रहा था। यह दृश्य इसलिए भी खास रहा, क्योंकि ईरान एक शिया बहुल देश है, जबकि दिल्ली की जामा मस्जिद सुन्नी इस्लामी परंपरा का प्रमुख धार्मिक केंद्र है। ऐसे में ईरान के शीर्ष न्यायिक अधिकारी का जामा मस्जिद पहुंचना, वहां के सुन्नी इमाम के पीछे नमाज पढ़ना शिया-सुन्नी सद्भाव की एक अलग तस्वीर के तौर पर देखा जा रहा है। मोहसिनी-एजेई ने जामा मस्जिद के इमाम मौलाना सैयद शाबान बुखारी से बातचीत में भारत और ईरान के पुराने रिश्तों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध केवल कूटनीति तक सीमित नहीं रहे हैं, बल्कि सदियों से संस्कृति, भाषा, साहित्य और धार्मिक संपर्कों तक फैले हुए हैं।

ईरानी न्यायपालिका के प्रमुख ने भारत में धार्मिक विद्वानों और अलग-अलग धार्मिक समुदायों के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अमेरिका और इजराइल के खिलाफ जंग को लेकर दो टूक कहा कि ईरान ने कभी दबाव और जबरदस्ती के सामने सिर नहीं झुकाया और आगे भी नहीं झुकेगा। उन्होंने इतिहास से सीख लेकर वर्तमान और भविष्य को बेहतर बनाने की जरूरत पर जोर दिया। भारत और ईरान की प्राचीन सभ्यताओं और दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इतिहास के अहम मोड़ आगे होने वाले बदलाव की शुरुआत करते हैं।

सिरोंज जनपद पंचायत के तत्कालीन सीईओ शोभित त्रिपाठी गिरफ्तार

-ईडी ने महामारी में 30 करोड़ के विवाह सहायता घोटाले में की कार्रवाई

भोपाल,। ईडी ने कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान सार्वजनिक गतिविधियों पर प्रतिबंध के बावजूद निर्माण श्रमिकों की बेटियों के विवाह के लिए तय सरकारी धन फर्जी तरीके से वितरित करने के आरोप में मध्यप्रदेश की एक जनपद पंचायत के पूर्व सीईओ को धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया है। ईडी ने कहा कि विदिशा जिले की सिरोंज जनपद पंचायत के तत्कालीन सीईओ शोभित त्रिपाठी को 2 सितंबर को गिरफ्तार किया गया है। ईडी ने बताया कि त्रिपाठी को विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें 9 सितंबर तक ईडी की हिरासत में भेज दिया है।मध्यप्रदेश सरकार की विवाह सहायता योजना के तहत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों की पात्र बेटियों के विवाह के लिए 51,000 रुपए की वित्तीय सहायता दी जाती है। ईडी ने बताया कि त्रिपाठी ने 2019 से 2021 के बीच अपने कार्यकाल के दौरान कुछ अन्य लोगों के साथ मिलीभगत कर विवाह सहायता के संदिग्ध मामलों में 30.18 करोड़ रुपए की सरकारी राशि मंजूर कर वितरित की।

बंगाल में नदी कटाव रोकने को आईआईटी कानपुर की मदद से बनेगी योजना

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि उनकी सरकार नदी किनारे होने वाले बार-बार के कटाव की समस्या का स्थायी समाधान निकालने के लिए काम कर रही है। अधिकारी ने बताया कि अतिरिक्त धनराशि की मांग करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा गया है। भारी बारिश और दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) द्वारा पानी छोड़े जाने के बाद राज्य के कई जिले बाढ़, जलभराव और नदी किनारे कटाव से प्रभावित हुए हैं। अधिकारी ने यहां संवाददाताओं से कहा, ये दो अलग-अलग घटनाएं हैं।

आरबीआई ने ट्रांसयूनियन सिबिल समेत पांच कंपनियों पर लगाया जुर्माना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने नियमों का उल्लंघन किए जाने के मामले में पांच कंपनियों पर मौद्रिक जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने यह जानकारी दी। आरबीआई की अधिसूचना के अनुसार, ट्रांसयूनियन सिबिल पर 26,82,800 रुपये, सीआरआईएफ हाई मार्क क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज पर 6,89,600 रुपये, इक्विफैक्स क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज पर 1,19,400 रुपये, सम्मान फिनसर्व पर 4.20 लाख रुपये और हिंदुजा लेलैंड फाइनेंस पर 6.20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि ट्रांसयूनियन सिबिल, सीआरआईएफ हाई मार्क क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज और इक्विफैक्स क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज निर्धारित अवधि के भीतर कुछ पात्र शिकायतकर्ताओं के बैंक खातों में मुआवजे की राशि जमा करने में विफल रहीं।

अनिल चक्रवर्ती होंगे अडोबी के सीईओ

नई दिल्ली। सॉफ्टवेयर दिग्गज अडोबी ने भारतीय मूल के अनिल चक्रवर्ती को अपना अगला मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। वह 1 दिसंबर से कार्यभार संभालेंगे, जबकि लंबे समय से कंपनी का नेतृत्व कर रहे शांतनु नारायण कार्यकारी चेयरमैन का पद ग्रहण करेंगे। यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब अडोबी आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) और एजेंटिक सॉफ्टवेयर में अपनी पकड़ मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

वायरल देसाई को नाइट फ्रैंक इंडिया की कमान

नई दिल्ली। रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक इंडिया ने घोषणा की है कि अनुभवी वायरल देसाई अगले साल अप्रैल से कंपनी के नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) का पदभार संभालेंगे। देसाई वर्तमान में कंपनी में वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक-लेनदेन के पद पर कार्यरत हैं और उनकी यह पदोन्नति कंपनी के नेतृत्व ढांचे को मजबूत करेगी।

पोर्श कायेन ईवी आ रहा है जल्द.....
कीमत 1.77 करोड़ रुपये से शुरू

नई दिल्ली। लग्जरी इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में सितंबर के अंत में पोर्श कायेन ईवी का सार्वजनिक प्रदर्शन होगा।। पिछले वर्ष नवंबर में पोर्श ने इस मॉडल की कीमतों की घोषणा की थी। सामान्य कायेन ईवी की कीमत 1.77 करोड़ रुपये रखी गई है, जबकि अधिक ताकतवर टर्बो ईवी की कीमत 2.27 करोड़ रुपये है, ये दोनों कीमतें एक्स-शोरूम हैं। कायेन ईवी के दोनों संस्करणों में 113 किलोवाट-घंटे की बैटरी और दो मोटर वाली ऑल-व्हील ड्राइव प्रणाली मानक रूप से दी गई है। टर्बो ईवी इसका सबसे ताकतवर संस्करण है, जो लॉन्च कंट्रोल के साथ 1,156 हॉर्सपावर की ताकत और 1,500 न्यूटन मीटर का अधिकतम टॉर्क पैदा करता है।

यह महज 2.5 सेकंड में शून्य से 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है और इसकी अधिकतम गति इलेक्ट्रॉनिक रूप से 260 किलोमीटर प्रति घंटा तक सीमित है। कंपनी के अनुसार, इसकी डब्ल्यूएलटीपी प्रमाणित रेंज 537 किलोमीटर है। सामान्य कायेन ईवी 442 हॉर्सपावर की ताकत और 835 न्यूटन मीटर का टॉर्क देती है, और यह लॉन्च कंट्रोल के साथ 4.8 सेकंड में शून्य से 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है। इसकी अधिकतम गति 230 किलोमीटर प्रति घंटा तक सीमित है और इसकी डब्ल्यूएलटीपी प्रमाणित रेंज 542 किलोमीटर बताई गई है। डिजाइन के मामले में, कायेन ईवी का मूल आकार इंजन वाले कायेन से मिलता-जुलता है, लेकिन इसे ईवी के अनुरूप कुछ खास बदलाव दिए गए हैं।

आगे की तरफ एक बंद ग्रिल दी गई है, जबकि बंपर के दोनों किनारों पर बैटरी और इलेक्ट्रिक उपकरणों को ठंडा रखने के लिए वायु प्रवेश मार्ग दिए गए हैं। टर्बो संस्करण में ये वेंट और भी बड़े हैं। पीछे की तरफ पूरी चौड़ाई में फैली एलईडी लाइट पट्टी के साथ रोशन पोर्श नाम दिया गया है। केबिन में तीन तीलियों वाला स्टीयरिंग व्हील और डिजिटल चालक सूचना स्क्रीन दी गई है, जिसका डिजाइन इंजन वाले कायेन से मिलता-जुलता है। इसके साथ 14.5 इंच की घुमावदार टचस्क्रीन मनोरंजन प्रणाली दी गई है, जो बीच के कंसोल तक फैली हुई है। ग्राहक अतिरिक्त कीमत देकर 14.9 इंच की यात्री स्क्रीन भी ले सकते हैं।

अन्य प्रमुख सुविधाओं में आठ तरह से बिजली से समायोजित होने वाली आगे की सीटें, चार-क्षेत्र वाला स्वचालित तापमान नियंत्रण, हवादार आगे की सीटें, पैनोरमिक सनरूफ और बिना तार के फोन चार्ज करने की सुविधा शामिल है।

ई-कॉमर्स गिग वर्कर्सः जोखिमों से घिरा जीवन, सुरक्षा कवच नदारद

- जानलेवा गर्मी- 96.57 फीसदी श्रमिकों की कार्यक्षमता प्रभावित, बीमारियां बढ़ीं

नई दिल्ली। भारत में ई-कॉमर्स मंचों से जुड़े लाखों कर्मचारी कार्यस्थल पर गंभीर सुरक्षा जोखिमों का सामना कर रहे हैं, लेकिन उनके पास न तो पर्याप्त बीमा है, न सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण और न ही अपनी चिंताओं को उठाने के लिए उचित व्यवस्था। यह चौंकाने वाला खुलासा श्रम अधिकार संगठन 'जनपहल' और गिग वर्कर्स एसोसिएशन द्वारा जारी एक राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण में हुआ है, जिसमें गिग वर्कर्स की दयनीय कार्य दशाओं को उजागर किया गया है।

सर्वेक्षण के अनुसार, इन कर्मचारियों के समक्ष सबसे बड़ा जोखिम अत्यधिक गर्मी में काम करने की मजबूरी है। सर्वेक्षण में शामिल ऐसे 778 श्रमिकों में से 96.57 प्रतिशत ने स्वीकार किया कि गर्मी के कारण उनकी कार्यक्षमता बुरी तरह प्रभावित हुई है। वहीं 75.5 प्रतिशत ने अपनी उत्पादकता घटने और सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई। लगातार गर्मी में काम करने से उन्हें थकावट, निर्जलीकरण और शरीर का तापमान बढ़ने जैसी स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इन गंभीर जोखिमों के बावजूद, सुरक्षा जाल का अभाव स्पष्ट है। सर्वेक्षण में 62.2 प्रतिशत श्रमिकों ने बताया कि उनके पास स्वास्थ्य बीमा की सुविधा नहीं है, जबकि 44.2 प्रतिशत ने दुर्घटना बीमा न होने की बात कही।

दुर्घटना बीमा प्राप्त करने का प्रयास करने वाले 80 प्रतिशत से अधिक श्रमिकों ने इसकी प्रक्रिया को अत्यंत कठिन बताया। यह रिपोर्ट 10 शहरों के 1,000 प्लेटफॉर्म कर्मचारियों से की गई बातचीत पर आधारित है और बताती है कि व्यावसायिक जोखिमों से निपटने की जिम्मेदारी काफी हद तक कर्मचारियों पर ही है। सुरक्षा प्रशिक्षण के मोर्चे पर भी स्थिति चिंताजनक है। सर्वेक्षण में पाया गया कि 59.3 प्रतिशत श्रमिकों को उनके प्लेटफॉर्म से कोई सुरक्षा प्रशिक्षण या संसाधन प्राप्त नहीं हुआ। इसके अतिरिक्त, 23.4 प्रतिशत ने कहा कि दिया गया प्रशिक्षण अपर्याप्त था, जबकि केवल 7.5 प्रतिशत ने ही व्यापक सुरक्षा प्रशिक्षण मिलने की बात स्वीकार की।

जन्माष्टमी पर बाजारों में 40 हजार करोड़ से ज्यादा के व्यापार का अनुमान

- पिछले साल के मुकाबले 30 फीसदी वृद्धि की संभावना, मिठाई और पर्यटन क्षेत्र की रहेगी प्रमुख हिस्सेदारी

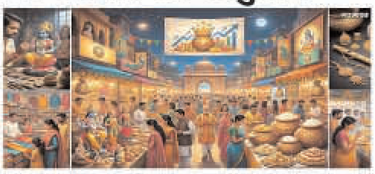

नई दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने इस वर्ष श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर देश भर में 40,000 करोड़ से अधिक के व्यापार का अनुमान लगाया है। यह आंकड़ा विभिन्न व्यापारिक क्षेत्रों, धार्मिक व घरेलू खरीदारी, मंदिरों पर होने वाले व्यय, देशभर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों और धार्मिक पर्यटन से जुड़े खर्चों के आधार पर जारी किया गया है।

कैट के अनुसार, यह आंकड़ा पिछले वर्ष (30,000 करोड़) की तुलना में लगभग 30 प्रतिशत अधिक है, जबकि वर्ष 2024 में यह व्यापार ?25,000 करोड़ रहा था। उपभोक्ता मांग में वृद्धि, त्योहारों के बढ़ते सामाजिक दायरे, धार्मिक पर्यटन में बढ़ोतरी और डिजिटल खरीदारी के विस्तार को इस उछाल का मुख्य कारण माना जा रहा है।

इस व्यापार में मिठाई, माखन-मिश्री व डेयरी उत्पादों की 20% और धार्मिक पर्यटन व संबंधित सेवाओं की 15 फीसदी हिस्सेदारी सबसे अधिक रहेगी। इसके अलावा, फूल, मालाएं, सजावट सामग्री, पूजा सामग्री, पारंपरिक वस्त्र, फल और लड्डू गोपाल की मूर्तियां भी व्यापार में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। महाराष्ट्र में जन्माष्टमी का उत्सव विशेष धूमधाम से मनाया जाता है, जहां इस वर्ष 4,800 करोड़ के व्यापार की संभावना है, जिसमें मुंबई एमएमआर क्षेत्र से 3,500 करोड़ रुपए का योगदान होगा।

कैट ने इस बात पर जोर दिया है कि भारत की धार्मिक अर्थव्यवस्था अब केवल आध्यात्मिक नहीं, बल्कि रोजगार, पर्यटन और स्थानीय कारोबार के एक बड़े आर्थिक तंत्र के रूप में देखी जानी चाहिए।

भारत के साथ अंतरिक्ष सहयोग बढ़ाएगा ऑस्ट्रेलिया, निजी क्षेत्र पर विशेष जोर

- बेंगलुरु स्पेस एक्सपो में कई एमओयू की उम्मीद; गगनयान में भी सहयोग

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया भारत के तेजी से बढ़ते अंतरिक्ष क्षेत्र में वाणिज्यिक सहयोग बढ़ाने का इच्छुक है, जिसका उद्देश्य पृथ्वी अवलोकन, छोटे उपग्रह निर्माण और जैव-प्रौद्योगिकी जैसे विविध क्षेत्रों में भागीदारी करना है। ऑस्ट्रेड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अगले सप्ताह बेंगलुरु स्पेस एक्सपो में भारतीय कंपनियों के साथ तीन से पांच समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। ऑस्ट्रेड के व्यापार एवं निवेश आयुक्त नाथन डेविस ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया पृथ्वी अवलोकन, छोटे उपग्रहों के निर्माण व प्रक्षेपण सेवाओं, ट्रैकिंग और जैव-प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भारत के निजी अंतरिक्ष उद्योग के साथ मिलकर काम करना चाहता है। विशेष रूप से फार्मास्यूटिकल्स में माइक्रोग्रैविटी अनुसंधान भी एक संभावित क्षेत्र है। अगले सप्ताह बेंगलुरु स्पेस एक्सपो में ऑस्ट्रेलिया प्रौद्योगिकी देश भागीदार के रूप में भाग लेगा, जिसमें नौ कंपनियों और तीन विश्वविद्यालयों सहित 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल शामिल होगा। सिडनी स्थित स्पेस मशीन्स और सैटकनेक्ट 60 जैसी कंपनियां पहले ही भारतीय स्टार्टअप के साथ साझेदारी कर चुकी हैं, जबकि रिसर्चसैट जैसी कंपनियां भारत में भागीदार तलाश रही हैं। ऑस्ट्रेलिया का अंतरिक्ष क्षेत्र वर्तमान में 4.6 अरब का वार्षिक टर्नओवर और 17,000 रोजगार प्रदान करता है, जिसका लक्ष्य इसे कुछ वर्षों में 12-13 अरब तक बढ़ाना है। दोनों देश भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन के लिए पहले से ही सहयोग कर रहे हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलिया टेलीमेट्री ट्रैकिंग और क्रू-मॉड्यूल रिकवरी क्षमताओं में योगदान दे रहा है। भारतीय कंपनियां ऑस्ट्रेलिया की प्रक्षेपण सुविधाओं का उपयोग कर सकती हैं, जबकि ऑस्ट्रेलियाई कंपनियां भारत के बढ़ते प्रक्षेपण पारिस्थितिकी तंत्र का लाभ उठा सकती हैं।

शुरुआती तीन दिन भारी बिकवाली, जन्माष्टमी पर मिली बढ़त

- भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखा गया

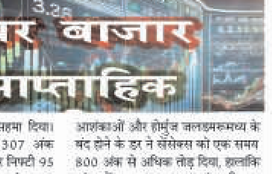

मुंबई। बीते सप्ताह (अगस्त के अंत और सितंबर की शुरुआत में) भारतीय शेयर बाजार ने भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखा। शुरुआती दिनों में निवेशकों की धारणा पर वैश्विक नकारात्मक संकेतों और पश्चिम एशिया में नए सिरे से उपजे संघर्ष का भारी असर पड़ा, जिससे प्रमुख सूचकांकों में तेज गिरावट दर्ज की गई।

हालांकि, सप्ताह के अंत तक बाजार में कुछ सुधार देखा गया, जिससे गिरावट का सिलसिला थमा। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट के साथ हुई। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने वैश्विक बाजारों के साथ-साथ भारतीय निवेशकों को भी सहमा दिया। 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 307 अंक गिरकर 76,957.27 पर और निफ्टी 95 अंक टूटकर 24,080.40 पर बंद हुआ। मंगलवार को भी यह दबाव जारी रहा, हालांकि गिरावट मामूली थी, सेंसेक्स 12.99 अंक और निफ्टी 24.61 अंक फिसले।

बुधवार को बाजार में सबसे बड़ी बिकवाली देखने को मिली, जहां घरेलू जीडीपी के शानदार आंकड़ों की खुशी भू-राजनीतिक तनाव के साये में फीकी पड़ गई। अमेरिकी-ईरान संघर्ष की आशंकाओं और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के डर ने सेंसेक्स को एक समय 800 अंक से अधिक तोड़ दिया, हालांकि अंत में यह 373.93 अंक गिरकर 76,570.35 पर और निफ्टी 141.35 अंक टूटकर 23,914.45 पर बंद हुआ। लगातार तीन दिनों की गिरावट के बाद, गुरुवार (4 सितंबर 2026, जन्माष्टमी) को भारतीय बाजार में एक बार फिर मजबूत शुरुआत देखने को मिली। सेंसेक्स में शुरुआती कारोबार में 550 अंक से अधिक का उछाल आया, जो निवेशकों में उम्मीद की किरण जगाई।

मित्सुबिशी मोटर्स ने पजेरो को किया नए जेनरेशन अवतार में पेश

नई दिल्ली। अपनी विश्व-प्रसिद्ध ऑफ-रोड एसयूवी पजेरोको मित्सुबिशी मोटर्स ने नए जेनरेशन अवतार में उतारकर एक धमाकेदार वापसी की है। नई पजेरो पहले थाई मार्केट में लॉन्च की जाएगी, जिसके बाद फिस्कल 2026 में यह जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे बाजारों में पहुंचेगी, और फिर 2027 से अन्य वैश्विक देशों में उपलब्ध होगी। यह वापसी ऑफ-रोड उत्साही लोगों के लिए बेहद रोमांचक खबर है। 1982 में लॉन्च हुए इस मॉडल की यह पांचवीं जनरेशन है, जिसे कंपनी का नया फ्लैगशिप क्रॉस-कंट्री एसयूवी बनाया गया है। नई पजेरो एक मजबूत लैडर फ्रेम चेसिस, एक अत्यधिक एडवांस 4डब्ल्यूडी सिस्टम और एक प्रीमियम इंटीरियर के साथ आती है, जो इसे किसी भी सड़क की स्थिति में एक भरोसेमंद और आरामदायक सफर का वादा करती है। इसके पावरट्रेन की बात करें तो, इसमें एक 2.4-लीटर क्लीन डीजल इंजन है जो 150 किलोवाट की शक्ति और 480 न्यूटन-मीटर का प्रभावशाली टॉर्क पैदा करता है, और इसे एक नए 8-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा गया है। ऑफ-रोड क्षमताओं को और बढ़ाने के लिए, इसमें सुपर सिलेक्ट 4डब्ल्यूडी-II और एस-एडब्ल्यूसी सिस्टम के साथ-साथ सात अलग-अलग ड्राइव मोड भी दिए गए हैं, जिनमें इको, नॉर्मल, ग्रेवल, स्नो, मड, सैंड और रॉक शामिल हैं, जो विभिन्न इलाकों के लिए इष्टतम प्रदर्शन सुनिश्चित करते हैं। एक्सटीरियर डिजाइन में पहली जनरेशन से प्रेरित बोल्ड प्रोपोर्शन और आधुनिक टी-शेप्ड हेडलाइट्स हैं। केबिन के अंदर, एक डुअल 14.3-इंच स्क्रीन वाला मोनोलिथिक डिस्प्ले और 7-सीटर लेआउट मिलता है। सुरक्षा के लिए इसमें आठ एयरबैग और एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम दिए गए हैं, जो इसे एक बेहतरीन और सुरक्षित पैकेज बनाते हैं। डबल-विशबोन फ्रंट और फाइव-लिंक रिजिड रियर सस्पेंशन बेहतरीन ऑफ-रोड क्षमता के साथ-साथ आरामदायक राइड भी प्रदान करते हैं,।

केन्या में सभी नियामकीय नियमों का कर रहे पालनः टाटा केमिकल्स

- कंपनी ने नियामकीय अनुपालन का दावा किया, सभी दस्तावेज जमा किए

नई दिल्ली। केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो ने भारतीय दिग्गज टाटा केमिकल्स को झटका देते हुए सदी पुराने मैगाडी सोडा ऐश संयंत्र से बाहर निकलने का आदेश दिया है। इसके बाद टाटा केमिकल्स ने स्पष्ट किया है कि उसकी स्थानीय अनुषंगी टाटा केमिकल्स मगाडी लिमिटेड (टीसीएमएल) सभी नियामकीय आवश्यकताओं का पालन कर रही है और सरकार को सभी जरूरी सूचनाएं व दस्तावेज जमा करा चुकी है। टीसीएमएल को केन्या के खनन, समुद्री अर्थव्यवस्था और समुद्री मामलों के मंत्रालय का 28 जुलाई को परिचालन निलंबित करने को लेकर पत्र मिला था। इसके बाद कंपनी ने 11 अगस्त को मांगी गई सभी सूचनाएं, रिपोर्ट और दस्तावेज जमा करा दिए थे। अब टाटा केमिकल्स मंत्रालय द्वारा इन दस्तावेजों की समीक्षा और आगे के निर्देशों का इंतजार कर रही है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वह केन्या सरकार के अधिकार का सम्मान करती है और लंबित मुद्दों को उचित कानूनी एवं नियामकीय माध्यमों से सुलझाने के लिए रचनात्मक बातचीत जारी रखने को प्रतिबद्ध है। कंपनी ने 2005 में मगाडी संयंत्र का अधिग्रहण किया था। राष्ट्रपति रूटो ने टाटा पर आरोप लगाया कि कंपनी के पास 100 साल से खनन अधिकार है, लेकिन उसने काजियाडो में कुछ नहीं बनाया और संसाधन भारत तथा अन्य स्थानों पर ले जाती रही है। उन्होंने कहा कि सरकार टाटा की जगह दो नई कंपनियों को लाएगी, जिनमें से एक कांच का कारखाना और दूसरी रसायनों का उत्पादन करेगी। राष्ट्रपति की यह टिप्पणी खनन मंत्रालय द्वारा टीसीएमएल को बकाया खनन शुल्क और अन्य नियामकीय कमियों का हवाला देते हुए परिचालन निलंबित करने के निर्देश के लगभग पांच सप्ताह बाद आई थी।

आरबीआई अक्टूबर में बढ़ा सकता है ब्याज दरें

बैंकिंग सिस्टम में 10.3 लाख करोड़ रुपए की रिकॉर्ड लिक्विडिटी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंकअपनी अगली मौद्रिक नीति समीक्षा (5-7 अक्टूबर) के दौरान ब्याज दरें बढ़ाने पर विचार कर सकता है। यह संभावना बैंकिंग तंत्र में रिकॉर्ड अधिशेष तरलता और केंद्रीय बैंक द्वारा घोषित 7 लाख करोड़ रुपये की 30-दिवसीय वेरिएबल रेट रिवर्स रेपो (वीआरआरआर) नीलामी के बाद पुख्ता हुई है, जिसमें पहली बार बैंकों को समय से पहले जमा राशि निकालने की अनुमति दी गई है। गुरुवार को बैंकिंग प्रणाली में तरलता 10.3 लाख करोड़ रुपये के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। इस बढ़ती तरलता को नियंत्रित करने के उद्देश्य से आरबीआई सोमवार को 7 लाख करोड़ रुपये की वीआरआरआर नीलामी करेगा। बाजार के जानकारों का मानना है कि नीलामी में समय से पहले निकासी का विकल्प, बैंकों को महीने के अंत में कर भुगतान जैसी जरूरतों के बावजूद लंबी अवधि के लिए धन जमा करने में सहज महसूस कराएगा। डीलरों के अनुसार, आरबीआई के इस अभूतपूर्व कदम से बॉन्ड बाजार को राहत मिली है, क्योंकि इससे संकेत मिलता है कि अक्टूबर की मौद्रिक नीति समिति की बैठक से पहले तरलता से जुड़े और कोई बड़े उपाय नहीं किए जाएंगे। रुपये पर लगातार दबाव, ऊंची बॉन्ड यील्ड और तरलता में असंतुलन को देखते हुए, विशेषज्ञों का मानना है कि आरबीआई के लिए ब्याज दरें बढ़ाना ही वर्तमान परिस्थितियों में सबसे उपयुक्त कदम होगा।

प्रीमियम उत्पादों की धूमः एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में जबरदस्त उछाल

- शेयर एक महीने में 12 फीसदी उछला; वित्त वर्ष 27 पहली तिमाही में राजस्व 15 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी सूचीबद्ध कंज्यूमर ड्यूरेबल्स कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के शेयरों ने हाल ही में जबरदस्त उछाल देखा है, पिछले एक महीने में यह लगभग 12 फीसदी चढ़ गया। वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में कंपनी ने 15 फीसदी राजस्व वृद्धि और 12.5 प्रतिशत का मार्जिन दर्ज किया, जो मजबूत परिचालन प्रदर्शन और प्रमुख श्रेणियों में शानदार वृद्धि का परिणाम है। कंपनी का प्रदर्शन उम्मीदों से बेहतर रहा, कुल परिचालन मुनाफा मार्जिन 110 आधार अंक बढ़कर 12.5 प्रतिशत हो गया। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स वित्त वर्ष 2027 में मिड-टीन (13-17 फीसदी) राजस्व वृद्धि और दो अंक के मार्जिन का लक्ष्य लेकर चल रही है। ब्रोकरेज फर्मों ने आय अनुमान बढ़ाए हैं, हालांकि शेयर के मौजूदा उच्च मूल्यांकन ?वित्त वर्ष 28 आय के 44-45 गुना) को देखते हुए, कुछ ने भविष्य के रिटर्न को लेकर सतर्कता बरती है। राजस्व में यह वृद्धि होम एंटरटेनमेंट बिजनेस में 22 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ सभी सेगमेंट में मजबूत प्रदर्शन के कारण आई। उपभोक्ताओं द्वारा बड़ी स्क्रीन वाले टेलीविजन (टीवी) में अपग्रेड करने से टीवी की बिक्री और वैल्यू दोनों में वृद्धि हुई, खासकर 55 इंच से बड़े टीवी में 53 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो अब कुल टीवी सेगमेंट का 50 प्रतिशत है। कंपनी की टीवी बाजार हिस्सेदारी 26 प्रतिशत और ओएलईडी बाजार हिस्सेदारी 59 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है। प्रीमियम उत्पादों की ओर रुझान, बेहतर प्रोडक्ट मिक्स और परिचालन दक्षता के चलते होम एंटरटेनमेंट सेगमेंट का मार्जिन 340 आधार अंक बढ़कर 19.1 प्रतिशत हो गया। सूचना प्रदर्शन खंड में भी सरकारी और कॉर्पोरेट ऑर्डरों की मदद से एलजी 36 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ अग्रणी है।

राज्य सेवा मुख्य परीक्षा के परीक्षार्थियों के लिए विशेष सूचना जारी

सतना सतना जिले में हाल ही में हुई अतिवृष्टि एवं बाढ़ तथा आगामी दिनों में वर्षा और जलभराव की संभावना को देखते हुए राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2026 के परीक्षार्थियों के लिए कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने विशेष सूचना एवं निर्देश जारी किए हैं। लोक सेवा आयोग इंदौर द्वारा राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2026 का आयोजन 7 सितंबर से 12 सितंबर 2026 तक प्रतिदिन एक सत्र में प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक किया जाएगा। सतना जिला मुख्यालय पर परीक्षा केन्द्र क्रमांक 7/1 शासकीय गर्ल्स महारानी लक्ष्मीबाई हायर सेकेंडरी स्कूल, स्टेशन रोड, सतना निर्धारित है।

बैंकर्स की डीएलसीसी की बैठक 8 सितम्बर को

सतना बैंकर्स की जिला स्तरीय परामर्श दात्री एवं समीक्षा समिति की बैठक 8 सितम्बर को प्रातः 11 बजे से कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई है। एलडीएम गौतम शर्मा ने सभी संबंधित विभाग के अधिकारी एवं जिला स्तरीय बैंकों के नोडल अधिकारियों को बैठक में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

महर्षि विद्या मंदिर मैहर के छात्रों ने किया शिक्षकों का सम्मान

मैहर। महर्षि विद्या मंदिर मैहर में डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस पर शिक्षक दिवस समारोह विद्यार्थियों द्वारा गरिमामय पूर्वक मनाया गया। विद्यालय के प्राचार्य मनोज कुमार सिंह परिहार द्वारा माता शारदा एवं सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम कि शुरुआत की। विद्यालय के छात्र समिति के अध्यक्ष प्रबल नामदेव ने प्राचार्य का माल्यार्पण एवं उपहार दे आशीर्वाद लिया। इसके पश्चात छात्र समिति के उपाध्यक्ष शौर्य शर्मा एवं सह सचिव भव्या गंगवानी एवं अन्य विद्यार्थियों द्वारा सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का रोली टीका एवं पुष्पगुच्छ और उपहार देकर सम्मान किया।

मैहर कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने मुकुंदपुर चौकी का किया निरीक्षण

मैहर। कलेक्टर श्रीमती विदिशा मुखर्जी एवं पुलिस अधीक्षक श्री अवधेश प्रताप सिंह ने जिले के अमरपाटन थाना अंतर्गत मुकुंदपुर चौकी का निरीक्षण दोपहर में किया। इस दौरान उन्होंने चौकी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा.निर्देश दिए।

शासकीय मॉडल स्कूल मझौली में हर्षोल्लास से मनाया गया शिक्षक दिवस

सीधी शासकीय मॉडल स्कूल मझौली में शिक्षक दिवस के अवसर पर गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक कुंवर सिंह टेकाम, कलेक्टर विकास मिश्रा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सौम्या आनंद तथा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मझौली आकाश अग्रवाल की उपस्थिति रही। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों को शिक्षा, अनुशासन और निरंतर मेहनत के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

विकासखंड स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में 151 शिक्षक सम्मानित

सीधी शिक्षक दिवस के अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भदौरा में विकासखंड स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह में विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 151 शिक्षकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर शिक्षकों के योगदान को रेखांकित करते हुए उन्हें विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और समाज निर्माण का आधार बताया गया।

राहत से पुनर्बहाली की ओर चित्रकूट.....

प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने संभाली जिम्मेदारी

घाटों, सड़कों और धार्मिक स्थलों की सफाई के साथ प्रभावित परिवारों तक पहुंचाई जा रही राहत सामग्री

सतना चित्रकूट में आई बाढ़ के बाद जनजीवन को तेजी से सामान्य स्थिति में लाने के लिए जिला प्रशासन सतना द्वारा राहत, पुनर्वास और पुनर्बहाली के कार्य लगातार जारी हैं। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस के निर्देशन एवं आयुक्त रीवा संभाग के मार्गदर्शन में प्रशासनिक अधिकारी, जिला पंचायत का अमला, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा विभिन्न विभागों की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में सक्रिय हैं। बाढ़ का पानी उतरने के बाद सबसे बड़ी चुनौती सड़कों, घाटों, धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर जमा मिट्टी, सिल्ट, बालू और कचरे को हटाने की है। इसके लिए जेसीबी एवं अन्य संसाधनों की मदद से युद्धस्तर पर सफाई अभियान चलाया जा रहा है। भरत घाट मार्ग पर जेसीबी से मिट्टी हटाने का कार्य किया जा रहा है, वहीं भरत घाट में सफाई एवं धुलाई का कार्य भी प्रारंभ हो चुका है। घाट को श्रद्धालुओं के स्नान योग्य बनाने के लिए जमा सिल्ट और बालू हटाई जा रही है। जनप्रतिनिधियों और प्रशासन ने मिलकर की भरत घाट की सफाई भरत घाट की सफाई में जनप्रतिनिधियों और प्रशासन ने मिलकर श्रमदान का संदेश दिया। जिला पंचायत सदस्य बरौंधा संजय सिंह और उनकी टीम ने घाट की सफाई का मोर्चा संभाला। टीम का उत्साह बढ़ाने के लिए अपर कलेक्टर विकास सिंह एवं सीईओ जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह ने भी प्रतीकात्मक श्रमदान किया। जिला पंचायत सदस्य संजय सिंह ने फावड़ा उठाकर सिल्ट और बालू हटाने में सहभागिता की, वहीं सीईओ जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह ने तगाड़ी उठाकर सफाई कार्य में श्रमदान किया। प्रशासन की ओर से बताया गया कि आने वाले दिनों में जिले से अन्य अधिकारी भी चित्रकूट पहुंचकर प्रभावित क्षेत्रों में सेवा कार्य एवं श्रमदान करेंगे। रविवार को जिले के शासकीय अधिकारी-कर्मचारी चित्रकूट पहुंचकर सेवा कार्य और साफ-सफाई के श्रमदान में शामिल होंगे। सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह ने सभी अधिकारी-कर्मचारी को रविवार को प्रातः 9.30 बजे चित्रकूट में उपस्थित होकर स्वच्छता कार्य में श्रमदान करने की अपील की है।

बाढ़ के बाद धार्मिक और पर्यटन स्थलों को भी व्यवस्थित किया जा रहा है। आरोग्यधाम के आसपास जमा मिट्टी को समतल किया जा रहा है तथा वैदेही वाटिका में साफ-सफाई का कार्य चल रहा है। आरोग्यधाम मार्ग की भी सफाई की जा रही है। प्रमोद वन में सामुदायिक भवन के पास जमा कचरे को हटाकर भराव कराया जा रहा है। वहीं रामायणी कुटी मुख्य मार्ग से भी कचरा हटाने का कार्य जारी है। गोदावरी गुफा के अंदर बाढ़ से जमा हुई मिट्टी को भी हटाया जा रहा है।

संत रविदास समरसता यात्रा का ग्रामीण क्षेत्रों में हुआ भव्य स्वागत

समता सामाजिक सद्भाव और मानवता का संदेश लेकर विभिन्न ग्राम पंचायतों से रवाना हुआ रथ

मैहर । संत शिरोमणि श्री रविदास जी की 650वीं जन्मजयंती के अवसर पर उनके जीवन.दर्शनए समताए भक्तिए सेवाए सामाजिक न्याय एवं मानवता के संदेश को जन.जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रदेश में श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के तहत प्रदेशए जिला एवं ग्राम स्तर पर विभिन्न सामाजिकए सांस्कृतिक एवं जनसंपर्क गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

इसी क्रम में शनिवार को मैहर जिले के रामनगर क्षेत्र में संत रविदास समरसता यात्रा का शुरू की गई।

यात्रा के विभिन्न पड़ावों पर स्थानीय नागरिकों एवं संत रविदास महाराज के अनुयायियों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ रथ का स्वागत किया तथा समरसता यात्रा के दौरान अमझरए कांदवारीए झिन्नाए उचेहराए भमरहाए देवदहाए छीरहाईए जिगन सहित विभिन्न ग्रामों में नागरिकों एवं श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर भव्य भजन संध्या, भक्तिरस में डूबा गोपालदास मंदिर

विधायक रीती पाठक ने दी जन्माष्टमी की शुभकामनाएं, कलेक्टर सहित गणमान्यजन रहे उपस्थित

सीधी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा गोपालदास मंदिर आश्रम स्थित राम मंदिर में भव्य भजन संध्या एवं श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक सीधी रीती पाठक एवं कलेक्टर विकास मिश्रा की उपस्थिति रही। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं संगीतप्रेमियों ने भजन संध्या में सहभागिता कर देर रात तक भक्ति संगीत का आनंद लिया।

इस अवसर पर विधायक ने जिलेवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें धर्म, सत्य, कर्तव्य और लोककल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। श्रीकृष्ण की शिक्षाएं आज भी जीवन में सकारात्मकता, सद्भाव और कर्म के प्रति समर्पण का संदेश देती हैं। उन्होंने कामना की कि जन्माष्टमी का यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और नई ऊर्जा लेकर आए। भजन संध्या में गायक आदर्श मिश्र एवं गायिका मनीषा दुबे ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति से वातावरण को कृष्णमय बना दिया। श्रीकृष्ण के भजनों एवं भक्तिगीतों पर श्रद्धालु भक्तिभाव में झूमते नजर आए।तबला वादक हिमांशु उर्मलिया, परकुशन पर विकास पाण्डेय तथा कीबोर्ड पर सुमित मौर्य ने शानदार संगीत संगत प्रदान की।

कलाकारों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रोताओं को देर रात तक बांधे रखा।

कार्यक्रम का मंच संचालन रोशनी प्रसाद मिश्र ने किया, जबकि कार्यक्रम संयोजक विभु आदर्श मिश्र रहे। मंच संचालन के दौरान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व तथा भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं उनके संदेशों पर प्रकाश डाला गया।

पुष्पेंद्र कुमार द्विवेदी को मिली संगीत विषय में पीएचडी की उपाधि

बघेलखंड के लोक संगीत में नव प्रयोगात्मक शैलियों पर किया शोध

रीवा। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा द्वारा संगीत विषय में शोधार्थी पुष्पेंद्र कुमार द्विवेदी को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। उन्होंने श्वघेलखंड के लोक संगीत में नव प्रयोगात्मक शैलियों का विश्लेषणात्मक अध्ययनश् विषय पर अपना शोध कार्य पूर्ण किया है। पुष्पेंद्र कुमार द्विवेदी ने अपना शोध कार्य डॉ. देवाशीष बनर्जी विभागाध्यक्ष संगीत विभाग शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय रीवा के मार्गदर्शन में पूर्ण किया। शोध के दौरान उन्होंने बघेलखंड के लोक संगीत के मूर्धन्य गायकों एवं नवगीतकारों की रचनाओं को शामिल करते हुए उनके सांगीतिक योगदान का विश्लेषण किया। अपनी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का श्रेय पुष्पेंद्र कुमार द्विवेदी ने अपने पिता श्री हरिश्चंद्र द्विवेदी एवं माता श्रीमती उर्मिला द्विवेदी के आशीर्वाद को दिया है। शोध कार्य में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती निहारिका गौतम एवं पुत्र स्वरांगन द्विवेदी का विशेष सहयोग एवं प्रोत्साहन रहा। इसके अलावा शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा की प्राचार्य डॉ.अर्पिता अवस्थी एवं डॉ. नागेश कुमार त्रिपाठी का भी उन्हें निरंतर प्रेरणात्मक सहयोग प्राप्त हुआ।

पुष्पेंद्र कुमार द्विवेदी की इस उपलब्धि पर डॉ.झुमा बनर्जी डॉ. अमोल चटर्जी डॉ. राजकुमार शर्मा डॉ. राजकिशोर मिश्र लक्ष्मी तिवारी बृजेश तिवारी एवं उपेन्द्र द्विवेदी सहित अनेक शुभचिंतकों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

कृष्ण भक्ति में सराबोर रहा विवेकानंद महा.विद्या. भजन एवं नृत्य की प्रस्तुतियों ने बांधा समां

मैहर। शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय मैहर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर भक्तिमय एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के अवसर पर पूरा महाविद्यालय परिसर कृष्ण भक्ति और उल्लास से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेश सिंह के साथ डॉ. डीके सिंह, डॉ. पीएल वर्मा, डॉ. एसके पांडेय, डॉ. अरुण कुमार गौतम एवं डॉ. सतीश गर्ग एवं डॉ. एके सिन्हा सहित प्राध्यापक, अतिथि विद्वान एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण के पूजन एवं वंदन से हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति मूल्य और श्रीमद् भागवत गीता के निष्काम कर्म योग के संदेश से जोड़ना था। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. मंजूलता श्रृंगी द्वारा स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया गया। प्राचार्य डॉक्टर राजेश सिंह ने अध्यक्षीय भाषण में सभी को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दी उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन हमें हर परिस्थिति में धैर्य, साहस और कर्तव्य पथ पर डटे रहने की प्रेरणा देता है। गीता का ज्ञान आज के युवाओं के लिए प्रबंधन और जीवन संतुलन का सर्वश्रेष्ठ सूत्र है। छात्राओं द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति से ओतप्रोत मनमोहक भजनों की प्रस्तुतियां दी गईं। भजनों से महाविद्यालय परिसर भक्तिमय हो उठा। वहीं कुमारी श्रद्धा बर्मन एवं कुमारी दीपिका नामदेव द्वारा प्रस्तुत आकर्षक नृत्य ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जितेंद्र कुमार गुप्ता एवं आभार प्रदर्शन डॉ. रीनू मिश्रा द्वारा किया गया।

शिक्षक दिवस पर जायंट्स ग्रुप ऑफद्वारा शिक्षकों का सम्मान

मैहर। माँ शारदा की पावन नगरी एवं पद्मभूषण बाबा उस्ताद अलाउद्दीन खाँ साहब की साधना स्थली मैहर में शिक्षक दिवस के अवसर पर जायंट्स ग्रुप ऑफ मैहर द्वारा गुरुनानक स्कूल में गरिमामय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत के महान शिक्षाविद्, दार्शनिक एवं द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को नमन करते हुए की गई। डॉ. राधाकृष्णन का जन्म 5 सितंबर 1888 को हुआ था और वे स्वयं एक महान शिक्षक थे। समारोह में गुरुनानक स्कूल के पाँच कर्मठ, समर्पित एवं अनुकरणीय शिक्षकों का सम्मान किया गया। सम्मानित होने वाले शिक्षकों में डीके सिंह, रंजना गांगुली, डीपी पांडेय, जीपी भट्ट एवं पूनम गुप्ता शामिल रहे। सभी शिक्षकों को सम्मानपत्र, साल, श्रीफल, स्मृति चित्र एवं पुष्पहार से सम्मानित कर उनके शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। कार्यक्रम में गुरुनानक विद्यालय के सचिव सरदार सतविंदर सिंह सरना द्वारा विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में संस्था के संरक्षक सतविंदर सिंह सरना, अध्यक्ष नीरज गर्ग, सचिव अजय मिश्रा, उपाध्यक्ष जयंत जैन एवं नेत्रदान प्रभारी जितेश जैन सहित गुरुनानक विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन उपाध्यक्ष जयंत जैन द्वारा किया गया।

नीट-जेईई अभ्यर्थियों से जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने किया संवाद

मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास को सफलता की कुंजी बताते हुए विद्यार्थियों का बढ़ाया उत्साह

सीधी शिक्षक दिवस के अवसर पर शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक उत्कृष्ट विद्यालय, मझौली में नीट एवं जेईई की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के साथ जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने संवाद किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने अपनी पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और भविष्य के लक्ष्यों से जुड़े विषयों पर चर्चा की। इसी अवसर पर विद्यालय के नवीन भवन के 16 कक्षों को पठन-पाठन के लिए उपलब्ध कराया गया। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत, अनुशासन, समय प्रबंधन और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

शिक्षक दिवस के अवसर पर शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मझौली के नवीन भवन के 16 कक्षों में अनौपचारिक रूप से प्रवेश कराया गया। नवीन कक्षों के उपलब्ध होने से विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए अतिरिक्त एवं बेहतर शैक्षणिक सुविधा प्राप्त होगी। इस अवसर पर सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक कुंवर सिंह टेकाम, कलेक्टर विकास मिश्रा, पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सौम्या आनंद, एसडीएम मझौली आकाश अग्रवाल, जनपद पंचायत सीईओ सुरभि श्रीवास्तव सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि बड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयास आवश्यक हैं।

जन-विश्वास अभियान के तहत जिलास्तरीय शिविर मझौली में

सांसद-विधायक ने क्षेत्रीय समस्याओं पर अधिकारियों को दिए निर्देश

तीन समूहों को 18 लाख के स्वीकृति आदेश के साथ स्वास्थ्य शिविर, पौधरोपण और साइकिल वितरण

सीधी मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत मझौली में आयोजित शिविर में ग्रामीणों की स्थानीय समस्याओं पर सीधी सुनवाई हुई। बिजली, सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और विस्थापन से जुड़े मुद्दे सामने आए। अधिकारियों ने कई प्रकरणों का मौके पर निराकरण किया, जबकि शेष मामलों के लिए संबंधित विभागों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इस दौरान तीन स्व-सहायता समूहों को 18 लाख रुपये के स्वीकृति आदेश, लाड़ली लक्ष्मी, संबल एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को स्वीकृति आदेश प्रदान किए गए। स्वास्थ्य शिविर में ग्रामीणों की जांच एवं परामर्श किया गया, जबकि आईटीआई परिसर में पौधरोपण और बच्चों को साइकिल वितरण भी हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार सीधी जिले में 7 अगस्त 2026 से 8 जनवरी 2027 तक मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत सेवाओं का समय-सीमा में प्रदाय सुनिश्चित करने के साथ शासन की योजनाओं को पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने पर जोर है।

सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने क्षेत्र में बिजली की समस्या को देखते हुए विद्युत विभाग को ट्रांसफार्मर लगाने का कार्य शीघ्र पूरा करने को कहा। उन्होंने जल जीवन मिशन के कार्यों में गति लाने तथा पाइपलाइन का काम पूरा होने के बाद क्षतिग्रस्त सड़कों को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। विस्थापन के संबंध में उन्होंने कहा कि प्रक्रिया पूरी होने तक प्रभावित ग्रामीणों को स्कूल, स्वास्थ्य, सड़क और अन्य मूलभूत सुविधाएं मिलती रहनी चाहिए। उन्होंने विस्थापन की राशि का सावधानीपूर्वक उपयोग करने और ठगी से बचने की सलाह दी।

सांसद ने मझौली क्षेत्र के स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया। उन्होंने महुआ के लड्डू-बिस्कुट और कटहल चिप्स जैसे उत्पादों की बेहतर मार्केटिंग तथा महिलाओं को आजीविका गतिविधियों से जोड़ने की बात कही।

विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने कहा कि अभियान का उद्देश्य शासन और नागरिकों के बीच सीधे संवाद के जरिए समस्याओं का समाधान करना है। उन्होंने आधार कार्ड में नाम एवं अन्य विवरण की अशुद्धियों के सुधार के लिए अभियान चलाने की आवश्यकता बताई, ताकि हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी न हो।

कलेक्टर ने सक्षम सीडब्ल्यूएसएन छात्रावास मधुरी में दिव्यांग बच्चों के साथ मनाई जन्माष्टमी

बच्चों की श्रीकृष्ण झांकी, बघेली सोहर और बधाई गीतों ने बांधा समां

सीधी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर कलेक्टर विकास मिश्रा ने सक्षम सीडब्ल्यूएसएन छात्रावास, मधुरी में दिव्यांग बच्चों के साथ जन्माष्टमी का पर्व आत्मीयता एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस दौरान जिला परियोजना समन्वयक विनय मिश्रा भी उपस्थित रहे।दिव्यांग बच्चों ने छात्रावास में भगवान श्रीकृष्ण की आकर्षक झांकी सजाकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ आयोजन में सहभागिता की। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों द्वारा बघेली सोहर एवं बघेली बधाई गीतों का मनमोहक प्रस्तुतिकरण किया गया। लोक संस्कृति से जुड़ी इन प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को विशेष और भावपूर्ण बना दिया। इस अवसर पर कलेक्टर ने बच्चों के साथ आत्मीय संवाद किया तथा उनकी पढ़ाई, दिनचर्या और छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चे को समान अवसर, सम्मान और स्नेह मिलना चाहिए। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की प्रतिभा और क्षमताओं को प्रोत्साहित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए। कार्यक्रम के पश्चात सभी बच्चे एवं उपस्थित अभिभावक एक साथ बैठकर भोजन में शामिल हुए। इस दौरान कलेक्टर विकास मिश्रा ने स्वयं अपने हाथों से दिव्यांग बच्चों को भोजन परोसा और उन्हें भोजन कराया। कलेक्टर की इस आत्मीय पहल से बच्चों और उनके अभिभावकों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

प्राण देकर भी मित्र के प्राण की रक्षा करनी चाहिए।

- बाणभट्ट

शिक्षा और कर्म का संदेश देता शिक्षक दिवस और जन्माष्टमी

युग कोई भी हो गुरु का ज्ञान और श्रीकृष्ण का कर्मयोग युवा पीढ़ी के लिए जीवन की सही दिशा तय करने का आधार बन सकते हैं। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में पर्व केवल उत्सव मनाने के अवसर नहीं हैं, बल्कि ये मनुष्य को जीवन जीने की सही दिशा प्रदान करने वाले भी होते हैं। शिक्षक दिवस और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी ऐसे ही दो महत्वपूर्ण अवसर हैं, जो अलग-अलग रूपों में हमें ज्ञान, अनुशासन, कर्तव्य, साहस और मानवीय मूल्यों की सीख दे रहे हैं। आज के आधुनिकतम युग में जब युवा पीढ़ी तेज तकनीकी बदलाव, सोशल मीडिया के दबाव, प्रतिस्पर्धा और करियर की अनिश्चितताओं के बीच अपना रास्ता तलाश रही है, तब इन दोनों अवसरों का महत्व और बढ़ गया है। शिक्षक दिवस हमें यह याद दिलाता है कि किसी भी समाज का भविष्य केवल उसके आर्थिक संसाधनों या तकनीकी विकास से तय नहीं होता, बल्कि उसकी शिक्षा और संस्कार भी उतने ही महत्वपूर्ण होते हैं। शिक्षक केवल किताबों का ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं है। वह विद्यार्थी को सही और गलत में अंतर करना, असफलता से सीखना, प्रश्न पूछना और परिस्थितियों का सामना करना सिखाता है। एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थी को केवल परीक्षा के लिए तैयार नहीं करता, बल्कि जीवन के लिए तैयार करता है।

वर्तमान में शिक्षा के क्षेत्र में तकनीक ने अभूतपूर्व संभावनाएं पैदा की हैं। मोबाइल फोन, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने ज्ञान तक पहुंच आसान कर दी है। ऐसे में जरुरी हो जाता है कि सूचना और ज्ञान के अंतर को समझा जाए। यह समझना भी उचित होगा कि इंटरनेट हमें हजारों उत्तर दे सकता है, पर कौन-सा उत्तर सही है और उसका उपयोग किस तरह करना है, यह विवेक हमें शिक्षा और संस्कार से ही मिलता है। इसलिए युवा पीढ़ी को तकनीक का गुलाम बनने के बजाय उसका विवेकपूर्ण उपयोग करना सीखना ही होगा। युवाओं के सामने आज सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक लगातार बढ़ता स्क्रीन टाइम भी है। सोशल मीडिया पर दूसरों की सफलता देखकर स्वयं को कमतर समझना, लाइक्स और फॉलोअर्स को उपलब्धि का पैमाना मान लेना तथा आभासी दुनिया में अत्याधिक समय बिताना मानसिक और सामाजिक जीवन को प्रभावित कर सकता है। ऐसे समय में शिक्षक की भूमिका और महत्वपूर्ण हो जाती है। शिक्षक युवाओं को यह समझा सकते हैं कि वास्तविक सफलता केवल दिखावे में नहीं, बल्कि ज्ञान, चरित्र, मेहनत और समाज के प्रति जिम्मेदारी में है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी हमें इसी जीवन-दर्शन का एक और महत्वपूर्ण पक्ष समझाती है। श्रीकृष्ण का कारागार में जन्म और जीवन संघर्षों के बीच विवेक, साहस और कर्म का संदेश देता है। उन्होंने परिस्थितियों के सामने हार मानने के बजाय उनका सामना करना सिखाया। महाभारत के युद्धक्षेत्र में अर्जुन के सामने जब मोह और दुविधा की स्थिति उत्पन्न हुई, तब श्रीकृष्ण ने उन्हें धर्म और कर्तव्य का बोध कराया। उनका कर्मयोग का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, मनुष्य को अपने कर्तव्य पर ध्यान देना चाहिए और परिणाम की चिंता से अपने प्रयास को कमजोर नहीं होने देना चाहिए। यह सही है कि आज की युवा पीढ़ी सफलता जल्दी हासिल करना चाहती है, ऐसा होना स्वाभाविक भी है, लेकिन तत्काल सफलता की चाह कई बार अधीरता पैदा करती है। प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार, कारोबार और निजी जीवन में असफलता मिलने पर कई युवा निराश हो जाते हैं। ऐसे समय में श्रीकृष्ण का कर्मयोग हमें सिखाता है कि जीवन में परिणाम से अधिक महत्वपूर्ण ईमानदारी से किया गया प्रयास और सही दिशा है। असफलता अंत नहीं, बल्कि आगे बढ़ने का अनुभव हो सकती है।

श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व यह भी सिखाता है कि जीवन में केवल शक्ति पर्याप्त नहीं है, शक्ति के साथ बुद्धि, रणनीति और संवेदनशीलता भी आवश्यक है। उन्होंने अलग-अलग परिस्थितियों में अलग-अलग भूमिकाएं निभाईं। यही बात आज के युवाओं पर भी लागू होती है। उन्हें केवल डिग्री हासिल करने के बजाय समस्या समाधान, संवाद, नेतृत्व, संवेदनशीलता और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करनी होगी। शिक्षक दिवस और जन्माष्टमी का संदेश इसलिए एक-दूसरे से जुड़ जाता है। गुरु ज्ञान देता है और ज्ञान व्यक्ति को अपने कर्म का सही मार्ग चुनने की क्षमता देता है। शिक्षक हमें सोचने की शक्ति देता है और श्रीकृष्ण का दर्शन उस सोच को कर्म में बदलने की प्रेरणा देता है। आज की युवा पीढ़ी को इन पर्वों से यही संदेश लेना चाहिए कि आधुनिक बनना अपनी जड़ों को छोड़ना नहीं है। विज्ञान और तकनीक को अपनाएं, लेकिन मानवीय मूल्यों को साथ रखें। प्रतियोगिता करें, लेकिन नैतिकता न छोड़ें। सफलता की इच्छा रखें, लेकिन असफलता से टूटें नहीं। प्रश्न पूछें, लेकिन विवेक के साथ स्वयं भी उत्तर तलाशें। स्वतंत्रता का आनंद लें, लेकिन जिम्मेदारी को भी समझें। यदि युवा पीढ़ी गुरु के ज्ञान को स्वीकार कर श्रीकृष्ण के कर्मयोग की भावना को अपने जीवन में उतार सके, तो वह न केवल अपने भविष्य को बेहतर बना सकती है, बल्कि एक अधिक संवेदनशील, शिक्षित और जिम्मेदार समाज के निर्माण में भी योगदान दे सकती है। यही शिक्षक दिवस और जन्माष्टमी जैसे पर्वों की वास्तविक सार्थकता है।

आठ दशक बाद भी अधूरा है गांधी का भारत

देश आजादी के अस्सीवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। अंतरिक्ष में पहुंचते भारत की तस्वीरें आत्मविश्वास जगाती हैं। डिजिटल अर्थव्यवस्था, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, तेज रफ्तार सड़कें, चमकते शहर और बदलती जीवनशैली विकास की कहानी कहते हैं। लेकिन इस चमक के पीछे एक ऐसा अंधेरा भी है, जिसे हम जितना छिपाते हैं, वह उतना ही गहरा दिखाई देता है। देश के कुछ हिस्सों में आज भी लोग, विशेषकर महिलाएं, दूसरों का मैला अपने हाथों से साफ करने को विवश हैं। कहीं-कहीं सूखे शौचालय मौजूद हैं और उनके साथ वह सामाजिक मानसिकता भी, जिसने जन्म के आधार पर कुछ लोगों के हिस्से में अपमान और कुछ के हिस्से में सुविधा लिख दी है।

यह केवल सफाई का सवाल नहीं है। यह मनुष्य की गरिमा का सवाल है। यह संविधान की उस प्रतिज्ञा का सवाल है जिसमें समानता, स्वतंत्रता और सम्मान का वादा किया गया है। और सबसे बढ़कर यह गांधी के उस भारत का सवाल है, जिसकी कल्पना में अस्पृश्यता के लिए कोई जगह नहीं थी।

गांधी को याद करने का सबसे सार्थक अवसर शायद यही है। गांधी केवल चरखा, सत्याग्रह और स्वतंत्रता आंदोलन का नाम नहीं है। उनके विचार की असली परीक्षा उस मनुष्य के जीवन में होती है, जो समाज की सीढ़ी के सबसे नीचे खड़ा है। गांधी ने अस्पृश्यता को सामाजिक पाप माना था। उन्होंने स्वयं शौचालय साफ किए और समाज के सामने एक असुविधाजनक प्रश्न रखा—जिस काम को हम गंदा कहते हैं, उसे करने वाला मनुष्य गंदा क्यों हो जाता है?

आठ दशक की राजनीतिक आजादी के बाद भी यह प्रश्न हमारा पीछा कर रहा है।

हाल में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार और जम्मू-कश्मीर से आई महिलाओं और युवाओं ने दिल्ली में इसी विरोधाभास को सामने रखा। सफाई कर्मचारी आंदोलन ने चौंकिया ड्ड 80ज् अभियान शुरू करते हुए दावा किया कि सरकारी घोषणाओं के बावजूद हाथ से मैला साफ करने की प्रथा पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। आंदोलन के अनुसार, इन राज्यों के कम से कम 46 जिलों में ऐसी स्थितियों के प्रमाण और प्रत्यक्ष अनुभव सामने आए हैं।

सरकारी सर्वेक्षणों के दावों और जमीन पर मौजूद अनुभवों के बीच का यह अंतर केवल आंकड़ों का विवाद नहीं है। यह उस भारत की दो तस्वीरें हैं, जिसे कागज और जमीन अलग-अलग ढंग से देखते हैं।

उत्तर प्रदेश के सीतापुर से आई सत्तर वर्षीय मुन्नी देवी ने बताया कि उन्होंने जीवन का बड़ा हिस्सा दूसरों का मैला साफ करते हुए बिताया। उनकी इच्छा है कि उनके मरने से पहले यह काम खत्म हो जाए। मध्य प्रदेश की अंगूरी बाई ने बताया कि कम उम्र में विवाह के बाद ससुराल में उन्हें सूखे शौचालय साफ करने के काम में लगा दिया गया। बिहार की चांजेतिया देवी पंद्रह वर्ष की उम्र से यह काम करती रही हैं। उनकी सबसे बड़ी चिंता है कि अगली पीढ़ी को यह काम न करना पड़े। जम्मू-कश्मीर से आए मुजफ्फर अहमद शेख का कहना है कि वहां भी ऐसी प्रथा मौजूद है, लेकिन सामाजिक दबाव के कारण लोग खुलकर बोल नहीं पाते।

इन आवाजों को सुनते हुए पहला सवाल यही उठता है कि किसी बुराई के खत्म होने की घोषणा और उसके वास्तव में खत्म हो जाने के बीच कितना अंतर होता है?

अगर सरकारी सूची में कोई व्यक्ति दिखाई नहीं देता तो क्या उसकी पीड़ा भी समाप्त हो जाती है? अगर किसी सर्वेक्षण में संख्या शून्य हो जाए तो क्या सूखे शौचालय अपने आप खत्म हो जाते हैं?

आंकड़े जरूरी हैं, लेकिन आंकड़ों से बाहर छूट गया मनुष्य उससे कहीं अधिक जरूरी है। यही गांधी की राजनीति और नैतिकता का केंद्रीय आग्रह था। गांधी के लिए किसी व्यवस्था की सफलता का पैमाना यह नहीं था कि वह कितनी बड़ी दिखती है, बल्कि यह था कि उससे सबसे कमजोर व्यक्ति के जीवन में क्या बदलता है। उनका च्अंत्योदयज् इसी कसौटी पर समाज और सत्ता को परखता है इसलिए मैला ढोने की प्रथा का अंत गांधी की दृष्टि से केवल स्वच्छता का कार्यक्रम नहीं, बल्कि मनुष्य की मुक्ति का प्रश्न है। सर्वोच्च न्यायालय ने 2014 के सफाई कर्मचारी आंदोलन मामले में सूखे शौचालयों और हाथ से मैला साफ करने की अमानवीय प्रथा को समाप्त करना आवश्यक बताया और इसे संविधान के अनुच्छेद 14, 17, 21 और 47 की भावना से जोड़ा। अदालत ने पुनर्वास और सम्मानजनक आजीविका की आवश्यकता पर भी जोर दिया। 2013 का कानून भी मैला ढोने की प्रथा पर रोक तथा प्रभावित लोगों के पुनर्वास का प्रावधान करता है। फिर सवाल वही है—कानून की किताब और समाज की जमीन के बीच इतनी दूरी क्यों है? कानून किसी प्रथा को अपराध घोषित कर सकता है, लेकिन वह अकेले सामाजिक पूर्वाग्रह को समाप्त नहीं कर सकता। उसके लिए समाज को अपनी आंखों में जमी सदियों पुरानी धूल साफ करनी होगी।

मैला ढोने की प्रथा केवल गरीबी से पैदा नहीं होती। इसके पीछे जाति, अस्पृश्यता, पितृसत्ता और श्रम के प्रति घृणा की वह मानसिकता है, जो कुछ कामों को कुछ जातियों की नियति मान लेती है।

यहीं गांधी की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। गांधी ने श्रम की गरिमा को सामाजिक बराबरी से जोड़ा था। उनके लिए सफाई का काम नीचा नहीं था; नीचा वह दृष्टिकोण था, जो किसी मनुष्य को उसके पेशे और जन्म के आधार पर नीचा समझता है। लेकिन गांधी की विरासत को केवल उद्धरणों में सुरक्षित रख देना पर्याप्त नहीं है। यदि हम गांधी की तस्वीर पर फूल चढ़ाते हैं और उसी समाज में किसी महिला को मैला ढोने के लिए मजबूर करते हैं, तो यह गांधी का सम्मान नहीं, उनके विचार का निषेध है। गांधी की कसौटी पर स्वच्छता का अर्थ यह नहीं कि गंदगी हमारी आंखों से ओझल हो जाए। असली स्वच्छता तब होगी, जब गंदगी किसी मनुष्य की नियति न बने। शौचालय साफ होना जरूरी है, लेकिन उससे भी जरूरी है कि उसे साफ करने वाला मनुष्य सम्मान के साथ जिए। स्वच्छ भारत तभी सार्थक होगा, जब स्वच्छता का भार किसी विशेष जाति या समुदाय की पीठ पर न डाला जाए। सफाई कर्मचारी आंदोलन की नारायणम्मा कभी सैकड़ों सीटों वाले सूखे शौचालय साफ करती थीं। मुक्ति के बाद उन्होंने अपना जीवन इसी प्रथा को समाप्त करने के संघर्ष में लगा दिया। ऐसी कहानियां बताती हैं कि परिवर्तन संभव है। लेकिन परिवर्तन तभी स्थायी होगा, जब मुक्ति के साथ सम्मान, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा भी मिले।

कहीं बाढ़ का प्रलय, कहीं बूंद-बूंद पानी को तरसती धरती

प्रकृति का संतुलन बिगड़ा तो इंसान की सारी तैयारियां पड़ जाती हैं छोटी

मानसून भारत के लिए केवल बारिश का मौसम नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, खेती और अर्थव्यवस्था से जुड़ा हुआ प्राकृतिक चक्र है। यही बारिश कहीं जीवनदायिनी बनकर खेतों को हरा-भरा करती है तो कहीं उसका विकराल रूप बाढ़ बनकर बस्तियों, सड़कों और घरों को अपनी चपेट में ले लेता है। इस समय देश के कई हिस्सों में मौसम का यही विरोधाभासी चेहरा दिखाई दे रहा है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा और यमुना के जलस्तर में वृद्धि से निचले इलाकों में बाढ़ का पानी पहुंच रहा है। कछारी क्षेत्र में अनेक मकानों के डूबने से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की जरूरत पड़ रही है। दूसरी ओर बिहार में कई प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं और प्रशासन को राहत एवं बचाव की तैयारियां तेज करनी पड़ी हैं। लेकिन देश के ही कुछ दूसरे हिस्से ऐसे हैं जहां पर्याप्त बारिश नहीं होने से खेतों में खड़ी फसलें सूखने लगी हैं और किसान आसमान की ओर उम्मीद लगाए बैठे हैं।

यह स्थिति हमें प्रकृति की उस शक्ति का एहसास कराती है जिसके सामने मनुष्य की तकनीकी उपलब्धियां भी सीमित दिखाई देती हैं। मनुष्य ने बांध बनाए, तटबंध खड़े किए, नदियों का रास्ता नियंत्रित करने की कोशिश की, मौसम की भविष्यवाणी करने वाली आधुनिक प्रणालियां विकसित कीं और आपदा प्रबंधन के लिए विशेष बल तैयार किए। इसके बावजूद जब नदियां अपने उफान पर आती हैं तो प्रकृति के सामने हमारी सारी व्यवस्थाओं की परीक्षा शुरू हो जाती है। यही कारण है कि बाढ़ को केवल एक प्राकृतिक घटना मानकर उससे निपटना पर्याप्त नहीं है। इसके पीछे नदी क्षेत्र में बढ़ता अतिक्रमण, जल निकासी की कमजोर व्यवस्था, अनियोजित निर्माण, वनों की कमी और बदलता मौसम चक्र भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रयागराज की स्थिति इस समय विशेष चिंता का विषय है। गंगा और यमुना के जलस्तर बढ़ने से नदी के आसपास बसे निचले क्षेत्रों में पानी पहुंचना शुरू हो गया है। कछारी इलाकों में रहने वाले परिवारों के लिए बाढ़ का पानी केवल घरों में घुसने की समस्या नहीं है, बल्कि रोजमर्रा के जीवन को पूरी तरह प्रभावित करने वाला संकट है। घरों में पानी भरने के साथ बिजली, पेयजल, आवागमन और भोजन जैसी बुनियादी जरूरतें भी चुनौती बन जाती हैं। ऐसे समय में राहत शिविरों की व्यवस्था लोगों के लिए बड़ी सहायता साबित होती है। प्रशासन द्वारा राहत शिविर सक्रिय करना और प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना जरूरी कदम है। मगर इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है कि पानी बढ़ने से पहले ही संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए। उत्तर प्रदेश के ही चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का बढ़ा हुआ जलस्तर यह संकेत देता है कि लगातार बारिश का असर छोटी नदियों और जलधाराओं पर भी तेजी से पड़ता है। नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर जाने पर आसपास के गांवों और आबादी को सतर्क करना प्रशासन की पहली जिम्मेदारी हो जाती है। घोषणा, निगरानी और स्थानीय प्रशासन की सक्रियता ऐसी परिस्थितियों में जान-माल के नुकसान को कम कर सकती है। प्रतापगढ़ में बारिश के दौरान कच्ची दीवार गिरने से मासूम की मौत जैसी घटनाएं बताती हैं कि आपदा का खतरा केवल बाढ़ तक सीमित नहीं है। लगातार बारिश कमजोर मकानों, पुरानी दीवारों और जलभराव वाले क्षेत्रों के लिए भी खतरा पैदा करती है। इसलिए बरसात के मौसम में कमजोर निर्माणों की पहचान और लोगों को पहले से सावधान करना आवश्यक है। बिहार में स्थिति और व्यापक है। गंगा, गंडक, बागमती, कोसी, बूढ़ी गंडक और पुनपुन जैसी नदियों का जलस्तर बढ़ना राज्य के लिए हर वर्ष बड़ी चुनौती बनता है। बिहार का विशाल भूभाग नदियों और उनकी सहायक धाराओं से प्रभावित होता है। नदियों का उफान केवल एक जिले की समस्या नहीं रहता, बल्कि कई जिलों के गांवों, खेतों और सड़कों पर इसका असर पड़ता है। यही वजह है कि प्रशासन को राहत और बचाव की तैयारियां पहले से रखनी पड़ती हैं।

पशुवध निंदनीय-दंडनीय कर्म

सतोगुण में किये गये पुण्यकर्मों का फल शुद्ध होता है, अतएव वे मुनिगण, जो समस्त मोह से मुक्त हैं सुखी रहते हैं। लेकिन रजोगुण में किये गये कर्म दुख का कारण बनते हैं। भौतिक सुख के लिए जो भी कार्य किया जाता है, उसका विफल होना निश्चित है। उदाहरणार्थ, यदि कोई गगनचुम्बी प्रसाद बनवाना चाहता है तो उसके पूर्व अत्यधिक कष्ट उठाना पड़ता है। मालिक को धन-संग्रह के लिए कष्ट उठाना पड़ता है और प्रसाद बनाने वाले श्रमिकों को श्रम करना होता है। अतएव भगवद्गीता का कथन है कि रजोगुण के अधीन होकर जो भी कर्म किया जाता है, उसमें निश्चित रूप से महान कष्ट भोगने होते हैं।

इससे यह मानसिक तृप्ति हो सकती है कि मैंने यह मकान बनवाया या इतना धन कमाया, लेकिन यह वास्तविक सुख नहीं है। जहां तक तमोगुण का सम्बन्ध है, कर्ता को कुछ ज्ञान नहीं रहता, अतएव उसके समस्त कार्य उस समय दुखदायक होते हैं और बाद में उसे पशु जीवन में जाना होता है। पशु जीवन सदैव दुखमय है यद्यपि माया के वशीभूत होकर वे इसे समझ नहीं पाते। पशुओं का वध भी तमोगुण के कारण है। पशु-वधिक यह नहीं जानते कि भविष्य में इस पशु को ऐसा शरीर प्राप्त होगा, जिससे वह उनका वध करेगा। यही प्रकृति का नियम है। मानव समाज में यदि कोई किसी मनुष्य का वध कर दे तो उसे प्राणदंड मिलता है।

यह राज्य का नियम है। अज्ञानवश लोग अनुभव नहीं करते कि संसार परमेश्वर द्वारा नियंत्रित एक पूरा राज्य है। प्रत्येक जीवित प्राणी परमेश्वर की संतान है और उन्हें एक चींटी तक का मारा जाना सह्य नहीं है। इसके लिए मनुष्य को दंड भोगना पड़ता है। अतएव स्वाद के लिए पशु-वध में रत रहना घोर अज्ञान है। मनुष्य को पशुओं के वध की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि ईश्वर ने अनेक अच्छी वस्तुएं प्रदान की हैं। यदि कोई किसी कारण मांसाहार करता है तो यह समझना चाहिए कि वह अज्ञानवश ऐसा कर रहा है और अपने भविष्य को अंधकारमय बना रहा है।

आज का राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, भाद्रपद कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय, पूर्वे शुक्रोदय, पश्चिमी तिथि, दसवीं, रविवार, आद्रा नक्षत्रे, सिद्ध योगे, वल करणे, वृष की चंद्रमा, भद्रा 3/58, धान्य छेदन मुर्हूत, रात्रि 3/55 पूर्वा फाल्गुनी रवि 26/26 तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी/

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी तथा उत्तमवृति वाला, योगी-भोगी, संत-महात्मा, त्यागी, वक्ता-अधिवक्ता, उत्तमवृति वाला धनीमानी होगा।

मेष राशि :- योजनायें फलीभूत हों, सामाजिक कार्यों में प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा धन का लाभ होगा।

वृष राशि :- तत्परता एवं परिश्रम से धन का लाभ, कार्य पूर्ण सफलता व सहयोग से बिगड़े कार्य बनेंगे।

मिथुन राशि :- कार्य क्षमता के साधन बने, कार्ययोजना फलीभूत हो, विशेष कार्य समय पर निपटा लें।

कर्क राशि :- कार्ययोजना फलीभूत होगी, परिश्रम एवं प्रयत्न पूर्णत- से सफल एवं संतुष्ट होंगे।

सिंह राशि :- दूसरों के कार्य में व्यर्थ भ्रमण करना होगा, धन का व्यय तथा मानसिक बेचैनी बढ़ेगी।

कन्या राशि :- अशुद्ध गोचर होने से मानसिक बेचैनी बढ़ेगी, विशेष कार्य स्थगित रखें, हानि होगी।

तुला राशि :- बिगड़े कार्य बने, कार्य सफलता से संतोष होगा तथा धन का विशेष लाभ होगा।

वृश्चिक राशि :- धन का व्यय होगा, थकावट तथा बेचैनी बनी रहेगी, कार्यवृति में सुधार होगा।

धनु राशि :- योजनायें फलीभूत होंगी, स्त्री-वर्ग से उल्लास होगा तथा भ्रम से बचकर चलें, समय का ध्यान रखें।

मकर राशि :- सोचे कार्य परिश्रम से पूर्ण होंगे, कार्यवृति में निश्चय ही सुधार होगा, समय का ध्यान रखें।

कुंभ राशि :- कार्य एवं समय बेकार जायेगा किन्तु मेहनत से समय पर कार्य पूर्ण होगा।

मीन राशि :- प्रतिष्ठा बाल-बाल बचे, विशेष कार्य से हानि हो सकती है ध्यान रखें।

दो टूक- कानून कठोर लेकिन बेटियां अब भी असुरक्षित क्यों?

- कागजों में नहीं, सड़कों पर दिखनी चाहिए बेटियों की सुरक्षा

दिल्ली-एनसीआर में एक स्लीपर बस के भीतर 16 वर्षीय छात्रा के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटना हमारी सुरक्षा-व्यवस्था, सार्वजनिक परिवहन की निगरानी, पुलिसिंग और सामाजिक चेतना, चारों की एक साथ विफलता का आईना है। 4 अगस्त की रात ग्रेटर नोएडा के परी चौक से एक नाबालिग छात्रा को कथित तौर पर गलत जानकारी देकर स्लीपर बस में बैठाया गया और कश्मीरी गेट तक चालक तथा परिचालक पर उसके साथ यौन हिंसा करने का आरोप है। लगभग 47 किलोमीटर के इस सफर के बाद उसे कश्मीरी गेट के निकट रिंग रोड पर छोड़ दिया गया। इस घटना की सबसे भयावह बात केवल अपराध की क्रूरता नहीं बल्कि वह पूरा सुरक्षा-शून्य है, जिसमें यह अपराध संभव हुआ। एक नाबालिग लड़की रात में एक अनजान बस में बैठती है, बस लंबी दूरी तय करती है, उसके भीतर अपराध होता है और रास्ते में किसी स्तर पर ऐसी प्रभावी निगरानी नहीं हो पाती, जो इस अपराध को रोक सके। रिपोर्टों के अनुसार बस में पर्दे लगे थे और सीसीटीवी की उपलब्धता को लेकर भी गंभीर सवाल सामने आए हैं। यदि सार्वजनिक परिवहन के किसी वाहन का अंदरूनी हिस्सा इस तरह बाहरी निगरानी से लगभग कट जाए कि उसमें बैठे यात्रियों की सुरक्षा ही संदिग्ध हो जाए तो ऐसे वाहनों को सड़कों पर चलने की अनुमति देने वाली व्यवस्था से जवाब मांगना स्वाभाविक है।

यहां एक और असहज सवाल है कि घटना 4 अगस्त की बताई जा रही है लेकिन पुलिस ने इसकी जानकारी 31 अगस्त को सार्वजनिक की। इतने लंबे अंतराल में क्या हुआ? क्या जांच की गोपनीयता इसका कारण थी? क्या पीड़िता की निजता और सुरक्षा के कारण जानकारी सीमित रखी गई? या फिर किसी प्रशासनिक स्तर पर सूचना प्रबंधन में चूक हुई? इन प्रश्नों का स्पष्ट और विश्वसनीय उत्तर सार्वजनिक होना चाहिए क्योंकि अपराध की गंभीरता के साथ-साथ पुलिस की जवाबदेही भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा है। यह जरूर उल्लेखनीय है कि शिकायत मिलने के बाद कश्मीरी गेट पुलिस ने कार्रवाई की, सीसीटीवी के जरिए बस की पहचान की और आरोपित चालक-परिचालक को गिरफ्तार किया, बस भी बरामद कर ली गई यानी अपराध के बाद पुलिस की जांच क्षमता पर सवाल उठाने से पहले यह भी स्वीकार करना होगा कि अपराधियों तक पहुंचने में तकनीकी निगरानी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन असली कसौटी गिरफ्तारी के बाद शुरू होती है। पुलिस का काम केवल अपराध होने के बाद अपराधी पकड़ना नहीं है, आधुनिक पुलिसिंग का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य अपराध होने से पहले उसे रोकना है। यदि सीसीटीवी अपराध के बाद बस का पता लगा सकता है तो सवाल यह है कि वही तकनीक संदिग्ध गतिविधि को पहले क्यों नहीं पकड़ सकी?

निर्भया कांड के बाद देश ने यही माना था कि अब व्यवस्था बदलेगी। दिसंबर 2012 में 23 वर्षीय युवती के साथ चलती बस में हुई बर्बरता ने पूरे देश को आंदोलित किया। कानून कठोर हुए, यौन अपराधों की कानूनी परिभाषाएं विस्तृत हुईं, नाबालिगों के खिलाफ यौन अपराधों के लिए अलग कानूनी ढांचा मजबूत हुआ और सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा के सवाल को राष्ट्रीय बहस का हिस्सा बनाया गया। निर्भया मामले के चार दोषियों को 2020 में फांसी दी गई लेकिन 13 वर्ष बाद यदि एक नाबालिग लड़की फिर चलती बस में ऐसी ही दरिंदगी का शिकार होती है तो यह सवाल पूछना जरूरी है कि हमने कानून तो बदल दिए लेकिन व्यवस्था कितनी बदली? कानून की कठोरता जरूरी है लेकिन कानून का डर केवल सजा की कठोरता से पैदा नहीं होता। अपराधी के मन में सबसे बड़ा भय पकड़े जाने की निश्चितता का होता है। यदि उसे लगता है कि वह रात के अंधेरे में, सुनसान रास्ते पर, निगरानी से बाहर किसी वाहन में अपराध कर सकता है और उसे रोकने वाला कोई नहीं होगा तो कानून की किताब में लिखी कठोरतम सजा भी तत्काल निवारक शक्ति नहीं बन पाती। इसलिए चुनौती केवल कठोर कानून की नहीं, निश्चित निगरानी, त्वरित गिरफ्तारी और समयबद्ध न्याय की है।

दिल्ली और नोएडा पुलिस के बीच घटना को लेकर सामने आए कथित विरोधाभास भी चिंता बढ़ाते हैं। दिल्ली-एनसीआर आज एक ऐसा महानगरीय क्षेत्र है, जहां शहरों की सीमाएं आम नागरिक के लिए लगभग अदृश्य हैं लेकिन अपराध होने पर वही सीमाएं पुलिस के अधिकार क्षेत्र का प्रश्न बन जाती हैं। यदि कोई लड़की नोएडा में बस में चढ़ती है, दिल्ली की ओर आती है और दिल्ली में उतारी जाती है तो पुलिस की विभिन्न इकाइयों के बीच वास्तविक समय में समन्वय क्यों नहीं हो सकता? इस घटना का एक और पहलू सार्वजनिक परिवहन की जवाबदेही से जुड़ा है। स्लीपर बसों में पर्दों का इस्तेमाल, वाहन के भीतर निगरानी, यात्रियों की पहचान, ड्राइवर-परिचालक का सत्यापन, निर्धारित मार्ग से विचलन, रात में अकेले या नाबालिग यात्रियों की सुरक्षा, इन सभी बिंदुओं पर नियम होने भर से काम नहीं चलेगा। नियमों का वास्तविक अनुपालन सुनिश्चित करना होगा। परिवहन विभाग, पुलिस और बस संचालकों की संयुक्त जवाबदेही तय करनी होगी। ऐसी बसों का नियमित सुरक्षा ऑडिट हो, सीसीटीवी और आपातकालीन अलर्ट प्रणाली अनिवार्य रूप से काम करे, चालक-परिचालक का सत्यापन हो और उल्लंघन पर केवल जुर्माना नहीं, परमिट और संचालन अधिकार पर भी कठोर कार्रवाई हो।

हालांकि हम इस घटना को केवल पुलिस की विफलता कहकर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। एक ओर 16 वर्ष की बच्ची रात में अकेले यात्रा करते हुए अपराधियों के निशाने पर आ जाती है और दूसरी ओर उम्रदराज महिलाएं अपने ही परिवारों द्वारा छोड़ दी जाती हैं। प्रश्न केवल कानून का नहीं है, प्रश्न उस सामाजिक मानस का है, जिसमें कमजोर व्यक्ति सबसे आसान लक्ष्य बन जाता है। जब परिवार में संवेदना कमजोर होती है, जब शक्ति को सम्मान और अपराधी प्रवृत्ति को प्रभाव समझा जाने लगता है, जब धन और बाहुबल सामाजिक प्रतिष्ठा का आधार बनने लगते हैं, तब कानून अकेला समाज को नहीं बचा सकता। हमारी सबसे बड़ी विडंबना यह है कि अपराध के बाद राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो जाती है। विपक्ष सरकार को घेरता है, सत्ता पक्ष गिरफ्तारी को अपनी उपलब्धि बताता है और बहस कुछ दिनों बाद किसी दूसरे मुद्दे में दब जाती है लेकिन पीड़िता का भय, उसका भविष्य और उसके मन पर पड़ा आघात किसी राजनीतिक बयान से समाप्त नहीं होता। महिला सुरक्षा चुनावी नारा नहीं, शासन की बुनियादी कसौटी होनी चाहिए।

च्महिलाएं रात में कितनी सुरक्षित हैंज् जैसे सवालों का उत्तर विज्ञापनों या राजनीतिक दावों से नहीं दिया जा सकता। उत्तर सड़कों पर दिखना चाहिए, बसों में दिखना चाहिए, पुलिस की प्रतिक्रिया में दिखना चाहिए और उन व्यवस्थाओं में दिखना चाहिए, जो किसी अकेली लड़की को संकट में पड़ने से पहले सुरक्षा उपलब्ध कराएं।

फिल्म वर्ग पहेली- 7316

ऊपर से नीचे:-

१. 'बचपन की मोहब्बत को' गीत वाली भारतभूषण, मीना की फिल्म-२,३
२. सुनील दत्त, मीना की फिल्म-३
३. 'ए जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली कमल हासन, श्रीदेवी की फिल्म-३
४. लकी अली, मीरा की 'जाना है जाना है चलते ही' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मेरे सपनों की रानी कब' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१०. नसीरुद्दीनशाह, शबाना की 'सोली हवा छू गई' गीत वाली फिल्म-३
११. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा मालिनी की फिल्म-२
१२. सनी, अमृता की 'ये मेरी जिंदगी बेजान लाश थी' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'उड़ने दो सादी सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा कोइराला की फिल्म-४
१५. 'एक लड़की भा गई' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'भोर आई गया अंधियारा' गीत वाली राजेश खन्ना, जया की फिल्म-३
१९. कमल सदाना, काजोल की 'जब ना माना दिल दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आवारा खिले दिल को' गीत वाली मनीषा, बेग्स, बेला की फिल्म-४
२३. अनिलकपूर, फराह की 'पूछ रहे हैं लड़की हैदराबादी' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
२९. संजयदत्त, अभिषेक, जायेदखान, ईशा देओल, राइमासेन, शिल्पा की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'सारे शहर में आप सा कोई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली की फिल्म-३
६. मिथुन, मधु, रेखा की 'तुम्हें हम बहुत प्यार करने लगे' गीत वाली फिल्म-३
७. 'तेरी प्यारी प्यारी' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बी. सरोजादेवी की फिल्म-४
८. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
१४. 'सरकाय लेओ खटिया' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
१७. फिल्म 'शहीद' में नायिका ?-३
१८. 'अई पहार खिलते हैं दिल' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
२०. शशिकपूर, रेखा की 'जाने कैसे बोलेंगी ये बरसातें' अभिनीत फिल्म-३
२२. 'मच गया शोर सारी' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
२४. ऋषि, टीना की 'एक हसीना थी एक दीवाना था' गीतवाली फिल्म-२
२५. धर्मेंद्र, मनोजकुमार, सायराबानो की फिल्म-२
२६. रणधीरकपूर, रेखा की 'हो देख तुझको दिल ने कहा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२८. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'दीवाने हैं दीवानों से तू' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'आइये आ जाइये, आ ही जाइये' गीत वाली अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, मनीषा, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
३१. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला की 'नौ मैं यार मनाना' गीत वाली फिल्म-२
३२. अमिताभ, जीनत की फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली- 7315

Jagrutidas.com, Bangalore

थाईलैंड में अमेरिकी नौसैनिकों ने नशे में धुत होकर किया हंगामा

पटाया। अमेरिका का अब्राहम लिंकन एयरक्राफ्ट कैरियर, जो 286 दिनों तक लगातार समुद्र में रहने के बाद थाईलैंड पहुंचा था, अब थाईलैंड के लिए एक नई चिंता का विषय बन गया है। बुधवार को थाईलैंड के पटाया शहर में यूएसएस अब्राहम लिंकन के पहुंचने के साथ, करीब 5,000 अमेरिकी सैनिकों और नौसैनिकों के लिए यह लंबे समय बाद जमीन पर उतरने और आराम करने का एक दुर्लभ अवसर था। हालांकि, जहाज के तट पर पहुंचने के कुछ ही घंटों के भीतर, उसके कुछ नाविकों के बीच झड़प हो गई, जिसके परिणामस्वरूप नशे में धुत दो नाविकों को वापस जहाज पर भेजना पड़ा।

रूस से तेल खरीद पर भारत को मिल सकती है राहत

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रूस पर नए प्रतिबंध लगाने वाला बिल नवंबर से पहले प्रतिनिधि सभा यानी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में पास कराने में मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। यदि ऐसा होता है, तो रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर भारत पर 100 प्रतिशत तक अतिरिक्त टैरिफ लगाने का खतरा फिलहाल टल सकता है। जानकारी के अनुसार, अमेरिकी सीनेट से भारी बहुमत से मंजूर हो चुका यह बिल अब प्रतिनिधि सभा में कड़े विरोध का सामना कर रहा है और नवंबर के चुनावों तक अटक सकता है। इस बिल को लेकर दोनों पार्टियों के सांसदों में भी चिंता बढ़ रही है।

ट्रंप को झटका? कांग्रेस का कार्यकाल दो हफ्ते घटाया

वॉशिंगटन। अमेरिका की राजनीतिक गलियारों में इन दिनों उथल-पुथल जारी है, जहां मध्यावधि चुनावों की बढ़ती चिंताओं के कारण रिपब्लिकन पार्टी नेतृत्व ने प्रतिनिधि सभा (अमेरिकी कांग्रेस) के आखिरी दो हफ्तों के कार्यकाल को रद्द कर दिया है। इस फैसले के परिणामस्वरूप, सितंबर के लिए तय विधायी कैलेंडर काफी छोटा हो गया है, जिससे सांसदों को अपने-अपने गृह क्षेत्रों में लौटकर आगामी मध्यावधि चुनावों के लिए मतदाताओं से जुड़ने का अधिक समय मिल सके। यह निर्णय रिपब्लिकन सांसदों के उस दबाव के बाद आया है, जिसमें वे अपने चुनावी अभियानों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए वॉशिंगटन छोड़ने की मांग कर रहे थे।

यमन में हूती हमला- बाब अल-मंदेब के लिए भीषण युद्ध, 129 की मौत

तेहरान। यमन में हूती विद्रोहियों और सरकारी बलों के बीच भीषण लड़ाई में 129 से अधिक लोग मारे गए हैं। यह हाल के वर्षों में देश की सबसे घातक झड़पों में से एक है। विद्रोही लाल सागर के महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार बाब अल-मंदेब स्ट्रेट के पास अपनी रणनीतिक स्थिति मजबूत करने की कोशिश में हैं। पास जमीनी हमला करने के साथ-साथ रॉकेट और ड्रोन का इस्तेमाल किया।

बोलीविया में सैन्य ठिकाने पर धमाका
10 से ज्यादा मौत, 58 घायल

वियाचा। बोलीविया के पश्चिमी शहर वियाचा में शुक्रवार दोपहर एक सैन्य अड्डा अचानक एक तेज और भयावह धमाके से दहल उठा। सैन्य परिसर में रखे आतिशबाजी वाले इलाके में दोपहर करीब 2:30 बजे यह भीषण धमाका हुआ, जिसके बाद पूरे शहर में अफरा-तफरी मच गई और लोग दहशत में आ गए। अधिकारियों के मुताबिक इस दुखद हादसे में 10 से 15 लोगों की मौत हुई है, जबकि कम से कम 58 लोग घायल हुए हैं। घायलों में ज्यादातर आम नागरिक शामिल हैं, जो उस समय सैन्य अड्डे के आसपास मौजूद थे। बोलीविया के रक्षा मंत्री अर्नेस्टो जस्टिनियानो ने बताया कि धमाका उस हिस्से में हुआ जहां बड़ी मात्रा में आतिशबाजी से जुड़ा सामान रखा गया था। उनके मुताबिक, 58 घायलों में से 52 नागरिक हैं, जबकि बाकी 6 सैन्यकर्मी हैं, जिनकी हालत भी गंभीर बताई जा रही है।

शुरुआती जानकारी में मौतों की सही संख्या साफ नहीं थी, लेकिन वियाचा की स्वास्थ्य निदेशक रीटा नेब्रास्का ने मृतकों की संख्या 10 से 15 के बीच होने का अनुमान जताया, जो अभी भी बढ़ सकती है। धमाका इतना जोरदार था कि सैन्य अड्डे से काले धुएं का एक घना और विशाल गुबार आसमान में कई किलोमीटर ऊपर तक उठता दिखाई दिया, जिसने पूरे इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में सैन्य परिसर के ऊपर उठता काला धुआं दूर से ही स्पष्ट रूप से देखा जा सकता था, जो इस घटना की भयावहता को दर्शाता है।

यह सैन्य अड्डा वियाचा शहर के बीचोंबीच स्थित है, जिससे आसपास रहने वाले लोगों में भी जबरदस्त दहशत फैल गई। धमाके की खबर मिलते ही एंबुलेंस, मेडिकल टीमें और बड़ी संख्या में पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचे। राहत और बचाव दल ने सैन्य परिसर में पहुंचकर नुकसान का जायजा लिया और मलबे में फंसे लोगों को निकालने का काम शुरू किया। गंभीर रूप से घायल लोगों को तत्काल आसपास के स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों में पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। अधिकारियों के मुताबिक, बचाव दल घायलों के परिवारों की भी मदद कर रहे हैं और उन्हें हरसंभव सहायता प्रदान कर रहे हैं।

हादसे के बाद भी इलाके में खतरा अभी पूरी तरह टला नहीं है। स्वास्थ्य निदेशक रीटा नेब्रास्का ने बताया कि दमकलकर्मियों ने घटनास्थल पर अभी भी कई बार धमाका होने की चेतावनी दी है, क्योंकि आतिशबाजी का कुछ सामान अभी भी वहां पड़ा हुआ है। इससे दोबारा धमाका होने का गंभीर खतरा बना हुआ है, जिसके कारण बचाव कार्य में भी सावधानी बरती जा रही है। इसी वजह से स्थानीय लोगों और मीडियाकर्मियों से घटनास्थल से कम से कम 150 मीटर दूर रहने की अपील की गई है ताकि वे सुरक्षित रह सकें।

अमेरिकी सेना की गोपनीय जानकारी लीक करने वाले की तलाश

50 जनरलों का हुआ पॉलीग्राफ टेस्ट

वॉशिंगटन। अमेरिकी सेना के भीतर ही क्या कोई ऐसा शख्स मौजूद है जो लगातार खुफिया जानकारी बाहर पहुंचा रहा है? ईरान युद्ध के बीच हथियारों की कमी से जुड़ी संवेदनशील खबरें सामने आने के बाद अब अमेरिकी प्रशासन ने अपनी ही सेना में 'घर के भेदी' की तलाश तेज कर दी है। अमेरिकी सरकार के जांचकर्ताओं ने पेंटागन के जॉइंट स्टाफ से जुड़े करीब 50 सैन्य अधिकारियों और कर्मचारियों का पॉलीग्राफ टेस्ट कराया है।

यह टेस्ट उनसे यह पता लगाने की कोशिश करने के लिए किया गया है कि कहीं उन्होंने गोपनीय जानकारी पत्रकारों तक तो नहीं पहुंचाई।जानकारी के मुताबिक, जांच के घेरे में आए लोगों से खास तौर पर यह पूछा गया कि क्या उन्होंने मीडिया को क्लासीफाइड जानकारी दी थी। उनसे यह भी सवाल किया गया कि क्या उन्होंने अमेरिका के घटते हथियार भंडार से जुड़ी कोई भी जानकारी किसी पत्रकार के साथ साझा की है। जांचकर्ताओं की नजर खास तौर पर उन खबरों पर है, जिनमें ईरान युद्ध के बाद अमेरिका के लंबी दूरी की मिसाइलों और पैट्रियट इंटरसेप्टर जैसे अहम हथियारों के भंडार में कमी की बात सामने आई थी।

यह जानकारी देश की सैन्य क्षमताओं और रणनीतिक तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े करती है, जिससे संभावित विरोधियों को अमेरिकी रक्षा प्रणाली की कमजोरियों का अंदाजा हो सकता है। अधिकारियों के अनुसार, करीब 50 लोगों के पॉलीग्राफ टेस्ट अगस्त महीने में किए गए। यह असाधारण कदम उस समय उठाया गया जब अमेरिकी हथियारों के घटते भंडार को लेकर लगातार कई रिपोर्टें सामने आ रही थीं। इन रिपोर्टों में खास तौर पर लंबी दूरी की मिसाइलों और पैट्रियट इंटरसेप्टर जैसे महत्वपूर्ण हथियारों की उपलब्धता पर गंभीर सवाल उठाए गए थे।

जांच का मकसद सिर्फ यह पता लगाना नहीं था कि जानकारी बाहर किसने पहुंचाई। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के मुताबिक, इस कठोर कार्रवाई से दूसरे अधिकारियों और कर्मचारियों को भी यह स्पष्ट संदेश देने की कोशिश हुई कि गोपनीय सैन्य जानकारी बाहर पहुंचाने के बेहद गंभीर नतीजे हो सकते हैं और प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से ले रहा है।

इमिग्रेशन बिल्डिंग से 31 शव बरामद, 531 लोग अब भी लापता

-चीन ने नेपाल सीमा पर हुए भूस्खलन हादसे में हुई मौत के आंकड़े किए सार्वजनिक

काठमांडू। चीन ने नेपाल सीमा पर हुए भूस्खलन हादसे को लेकर पहली बार मौत के आंकड़े सार्वजनिक किए हैं। चीनी अधिकारियों के मुताबिक गिरोंग इलाके में इमिग्रेशन और कस्टम बिल्डिंग से अब तक 31 शव बरामद हो चुके हैं, जबकि 531 लोग अब भी लापता हैं। यह जानकारी शुक्रवार की स्थिति के आधार पर दी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक यह पूरा मामला नेपाल चीन सीमा पर स्थित गिरोंग क्षेत्र का है। यहां भूस्खलन के बाद नदी उफान पर आ गई और इसका पानी सीमा पर बने इमिग्रेशन व कस्टम बिल्डिंग में घुस गया। इसी भवन में मौजूद रहे 531 लोगों का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। बचाव दल लगातार मलबे और आसपास के इलाके में तलाशी अभियान चला रहे हैं। अब तक बचावकर्मियों को घटनास्थल से 987 व्यक्तिगत सामान मिला है, जिनकी मदद से लापता लोगों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

हादसे के बाद बचाव कार्य में सबसे बड़ी अड़चन जी-216 राजमार्ग को लेकर आई है। यह हाईवे गिरोंग बंदरगाह तक जाता है और बाढ़ में इसका एक हिस्सा टूट गया है, जिससे बचाव दलों को मौके तक पहुंचने में दिक्कत हो रही है। चीनी अधिकारियों ने बुधवार तक इस रास्ते का निरीक्षण किया, जिसमें 58 ऐसी जगहें मिलीं जहां आगे भी भूस्खलन जैसा खतरा हो सकता है। इसके अलावा बाढ़ ने कई इमारतों को भी नुकसान पहुंचाया और बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई, जिससे बचाव कार्य और मुश्किल हो गया है।

वहीं चीनी प्रशासन का कहना है कि उन्होंने सीमा क्षेत्र के सभी जोखिम वाले इलाकों की जांच पूरी कर ली है और खतरे का आकलन भी कर लिया है, साथ ही प्रभावित लोगों को अस्थायी रूप से ठहराने के लिए दो जगहों को आपातकालीन आश्रयस्थल के तौर पर चुना गया है, ताकि बेघर हुए लोगों को तुरंत सहारा मिल सके।

ईरान से तब तक बातचीत नहीं जब तक वह जहाजों पर हमले बंद नहीं करता

-वेंस बोले- अमेरिका के अपने अभियानों को खत्म करने की कोई तय समयसीमा नहीं

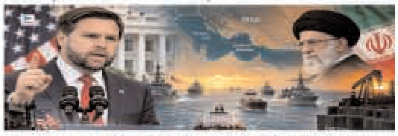

वॉशिंगटन। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि जब तक ईरान वाणिज्यिक जहाजों पर हमले बंद नहीं करता, तब तक अमेरिका उससे बातचीत नहीं करेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा और ईरान को अपने परमाणु कार्यक्रम को फिर से खड़ा करने से रोकने के लिए वॉशिंगटन आर्थिक, सैन्य, कूटनीतिक और गुप्त दबाव के उपायों का इस्तेमाल कर सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस में वेंस ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ कहा है कि हम उनसे बात नहीं कर रहे हैं और तब तक बात नहीं करेंगे, जब तक वे वाणिज्यिक जहाजों पर गोलीबारी बंद नहीं करते। उन्होंने कहा कि अमेरिका अपने अभियानों को खत्म करने के लिए कोई तय समयसीमा नहीं रखेगा, क्योंकि यह इस बात पर निर्भर करेगा कि ईरान होर्मुज में कैसा व्यवहार करता है। वेंस ने कहा कि हम कोई समयसीमा तय नहीं करेंगे। जब तक ईरान तेल और गैस ले जाने वाले जहाजों को धमकाता रहेगा, तब तक किसी समयसीमा का खुलासा करना गैर-जिम्मेदाराना होगा। रिपोर्ट के मुताबिक वेंस ने इस स्थिति को जारी युद्ध बताने वाली बातों को भी खारिज किया। उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने की सैन्य कार्रवाई अब नहीं हो रही है और फिलहाल अमेरिका का मुख्य उद्देश्य होर्मुज के जरिए ऊर्जा आपूर्ति को सुचारू बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि ईरान चाहता है कि होर्मुज से एक भी बैरल तेल बाहर न जाए, लेकिन कल रात 1.5 करोड़ बैरल तेल वहां से निकला। यह अमेरिका की वजह से संभव हुआ।

अमेरिका में भीषण गर्मी से पिघला लोहे का पुल, हवा में लटका

वॉशिंगटन। अमेरिका में इस समय भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है, जिसका असर अब केवल लोगों के स्वास्थ्य और दैनिक जीवन पर ही नहीं, बल्कि शहरों के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। हाल ही में शिकागो शहर में गर्मी के कारण एक ऐतिहासिक ड्रॉब्रिज (उठाया जाने वाला पुल) हवा में ही अटक गया। यह घटना उस समय हुई जब एक जहाज को नदी से गुजरने की अनुमति देने के लिए पुल को ऊपर उठाया गया था, लेकिन तापमान में अत्यधिक वृद्धि के कारण उसके तंत्र (मैकेनिज्म) में खराबी आ गई और वह अपनी मूल स्थिति में वापस नीचे नहीं आ सका। पुल के घंटों तक ऊपर उठे रहने से शहर के एक प्रमुख मार्ग पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। सेंट्रल शिकागो में स्थित यह पुल सामान्य परिस्थितियों में नदी से बड़े जहाजों के गुजरने के लिए ऊपर उठाया जाता है। जहाज के निकल जाने के बाद, पुल को वापस नीचे कर दिया जाता है ताकि सड़क पर वाहनों की आवाजाही सामान्य हो सके। लेकिन इस विशेष दिन, पुल उठाने के बाद उसका यांत्रिक तंत्र दोबारा काम नहीं कर पाया। परिवहन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इस तकनीकी समस्या का मुख्य कारण अत्यधिक गर्मी थी। दरअसल, तापमान बढ़ने पर लोहे और अन्य धातुओं में 'थर्मल एक्सपेंशन' (ऊष्मीय प्रसार) होता है, जिसके कारण वे फैलते हैं। पुल के भारी धातु वाले हिस्से भीषण गर्मी में फैल गए, जिससे उसके जोड़ और यांत्रिक पुर्जे आपस में फंस गए। इस स्थिति के कारण पुल को नीचे लाना अत्यंत मुश्किल हो गया। इंजीनियरों की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और कई घंटों तक इस समस्या को ठीक करने का प्रयास किया। पुल के अत्यधिक गर्म हिस्सों को ठंडा करने के लिए पानी की बौछार की गई, जिसके बाद उसके तंत्र को सामान्य स्थिति में लाकर पुल को सफलतापूर्वक नीचे लाया जा सका।

नेपाल के दार्चुला में हुआ लैंडस्लाइड के बाद निचले इलाकों में अलर्ट

-चौलानी नदी का प्रवाह प्रभावित, त्रिशूली से 5 साल के बच्चे समेत 3 भारतीयों का किया रेस्क्यू

-बाढ़-भूस्खलन में मृतकों का आंकड़ा पहुंचा 1375 के पार, 5300 से अधिक लापता

काठमांडू। नेपाल में 26 अगस्त को आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन के बाद राहत एवं बचाव अभियान लगातार जारी है। इस बीच शुक्रवार को दार्चुला जिले में भारी भूस्खलन के कारण चौलानी नदी का रास्ता बाधित हो गया। नदी का प्रवाह प्रभावित होने के बाद निचले इलाकों में अलर्ट जारी किया गया है।

प्रशासन ने आसपास के क्षेत्रों के लोगों को सतर्क रहने को कहा है। उधर, त्रिशूली बाजार इलाके में राहत-बचाव दल ने पांच साल के बच्चे समेत तीन भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के अनुसार, नेपाल में अब तक 169 भारतीयों को सुरक्षित निकाला जा चुका है, जबकि 275 भारतीय अभी लापता हैं।

नेपाल पुलिस के मुताबिक बाढ़ और भूस्खलन से अब तक 1344 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 5300 से अधिक लोग अभी लापता हैं। राहत और बचाव दलों ने करीब 12 हजार लोगों को सुरक्षित निकाला है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक आपदा से 32,933 लोग प्रभावित हुए हैं।बाढ़ से शिक्षा व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं को भी भारी नुकसान पहुंचा है। स्कूल-कॉलेज और अन्य शैक्षणिक संस्थानों को नुकसान होने से 6500 से अधिक छात्र प्रभावित हुए हैं। चार स्वास्थ्य केंद्र पूरी तरह और तीन आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। नेपाल में लगातार बदल रहे हालात के बीच दार्चुला में चौलानी नदी का रास्ता बंद होने की घटना ने निचले इलाकों में एक और खतरा पैदा कर दिया है। प्रशासन नदी के जलप्रवाह और संभावित जोखिम वाले क्षेत्रों पर नजर बनाए हुए है।

55 किमी सड़कें टूटीं, 105 पुल क्षतिग्रस्त

आपदा में करीब 55 किलोमीटर सड़कें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं। इसके अलावा 37 मोटरेबल ब्रिज और 68 झूला पुल भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। सरकार का कहना है कि आपदा से हुए नुकसान का विस्तृत आकलन अभी जारी है। नेपाल के अलावा तिब्बत में भी आपदा से 31 लोगों की मौत की जानकारी सामने आई है।

रूड ऑयल की चोरी करने की कोशिश कर रहे 37 लोगों की मौत

पाइपलाइन से तेल निकालने का प्रयास पड़ा महंगा

अबुजा। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच काले सोने यानी क्रूड ऑयल की बढ़ती कीमतें वैश्विक चिंता का विषय बनी हुई हैं। इसी पृष्ठभूमि में, दक्षिणी नाइजीरिया के एक समृद्ध तेल क्षेत्र में क्रूड ऑयल चोरी का एक दुखद मामला सामने आया है, जहां तेल पाइपलाइन से अवैध रूप से तेल निकालने की चोरी की कोशिश में कम से कम 37 लोगों ने अपनी जान गंवा दी। स्थानीय मानवाधिकार संगठनों ने इन मौतों की पुष्टि की है, हालांकि स्थानीय अधिकारियों ने अभी तक आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं किया है।

यह घटना नाइजीरिया के ओकिरिका क्षेत्र में देर रात हुई। बताया जा रहा है कि स्थानीय युवाओं का एक समूह एक तेल पाइपलाइन से कच्चे तेल को अपनी नावों में लोड करने की फिराक में था। यह पाइपलाइन इंडोरामा एलेमे पेट्रोकेमिकल से हार्कोर्ट रिफाइनरी होते हुए जहाजों तक निर्यात के लिए क्रूड ऑयल पहुंचाती है। चोरों ने इस पाइपलाइन में सेंध लगाई और तेल को अपनी दिशा में मोड़ने का प्रयास किया। इसी दौरान एक गैस के रिसाव के कारण यह भयावह दुर्घटना हुई, जिसमें कई लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कुछ लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। क्षेत्रीय पुलिस अधिकारियों ने इस घटना की गंभीरता को स्वीकार करते हुए जांच शुरू कर दी है। वे यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि इतने संवेदनशील इलाके में पाइपलाइन में सेंधमारी कैसे की गई और इसके पीछे कौन लोग थे। अधिकारियों ने हालांकि अभी तक मौतों के आंकड़े पर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी है, लेकिन वे मामले की तह तक जाने का आश्वासन दे रहे हैं। नाइजर डेल्टा क्षेत्र, जो कि नाइजीरिया के कच्चे तेल के बड़े भंडार का केंद्र है, ऐसी चोरी की घटनाओं के लिए बदनाम रहा है। यहां गरीबी और आजीविका के अवसरों की कमी के कारण स्थानीय लोग अक्सर तेल पाइपलाइनों में अवैध रूप से सेंधमारी करने की कोशिश करते हैं।

पाकिस्तान में 100 साल पुराना मंदिर कर दिया ध्वस्त

बवाल हुआ तो सरकार ने कहा- बारिश की वजह से गिरा

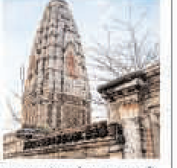

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित करीब 100 से 125 साल पुराने एक ऐतिहासिक हिंदू मंदिर के ध्वस्त होने को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच कूटनीतिक विवाद गहरा गया है। मंदिर के गिराए जाने की खबर सामने आने के बाद भारत ने इस घटना पर कड़ी चिंता व्यक्त की है और इसे अल्पसंख्यक समुदाय के धार्मिक स्थल के खिलाफ एक निंदनीय कार्रवाई बताया है।

हालांकि, पाकिस्तान ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे झूठा और राजनीतिक रूप से प्रेरित करार दिया है। स्थानीय लोगों और अल्पसंख्यक अधिकार संगठनों का दावा है कि नरोवाल के सियाज गांव में स्थित इस मंदिर को धार्मिक कट्टरपंथियों के एक समूह ने जानबूझकर गिराया। आरोप है कि मंदिर की जमीन पर कब्जा कर पास स्थित एक मदरसे का विस्तार करने की कोशिश की गई थी।

दूसरी ओर, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सज्जाद हैदर खान ने इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि मंदिर को किसी समूह ने जानबूझकर नष्ट नहीं किया, बल्कि 21 जुलाई को हुई मूसलाधार बारिश के कारण इमारत क्षतिग्रस्त हो गई थी। पाकिस्तान का कहना है कि स्थानीय अधिकारियों ने बारिश से हुए नुकसान का सर्वेक्षण किया है और मंदिर की बहाली के लिए आवश्यक कदम शुरू कर दिए गए हैं।

ट्रंप के दूत, पुतिन और जेलेंस्की से करेंगे मुलाकात, युद्धविराम की उमीद

वॉशिंगटन। रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की अमेरिकी कोशिशें एक बार फिर से तेज हो गई हैं, जो साढ़े चार साल से जारी इस संघर्ष को विराम देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दो बेहद खास दूतों, स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर को इस महत्वपूर्ण मिशन पर रूस और यूक्रेन भेजने का फैसला किया है। ये दोनों विशेष प्रतिनिधि शनिवार को मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेंगे, जिसके बाद वे रविवार को कीव पहुंचकर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से विस्तृत बातचीत करेंगे। अमेरिका अब इस लंबे और विनाशकारी युद्ध को रोकने के लिए दोनों युद्धरत पक्षों के साथ सीधे राजनयिक बातचीत को आगे बढ़ा रहा है, जो वैश्विक शांति के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

जानकारी के अनुसार, स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर शनिवार को मॉस्को पहुंचेंगे, जहां उनकी पुतिन के साथ उच्च स्तरीय बातचीत होगी। इसके तुरंत बाद, वे कीव के लिए उड़ान भरेंगे। पिछले कुछ महीनों से, ये दोनों अमेरिकी दूत ट्रंप की ओर से रूस और यूक्रेन के बीच समझौता कराने की कोशिश में लगातार सक्रिय रहे हैं।

उन्होंने कई बार रूस की यात्रा की है, हालांकि यूक्रेन का उनका यह पहला दौरा होगा, जिससे वहां के राष्ट्रपति से सीधा संपर्क स्थापित होगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भी गुरुवार को अमेरिकी प्रतिनिधियों के दौरे की शुरुआती तारीखें तय होने की पुष्टि की और कहा कि वे आने वाले दिनों में कीव पहुंचेंगे। रूसी अधिकारियों ने भी इस दौरे की पुष्टि की है और बताया है कि दोनों अमेरिकी दूत 5 और 6 सितंबर को मॉस्को और फिर कीव पहुंच सकते हैं, जो इस राजनयिक पहल की गंभीरता को दर्शाता है।

यूक्रेन की ओर से भी बातचीत को लेकर बेहद सकारात्मक संकेत मिले हैं। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूस से अस्थायी तौर पर हवाई हमले रोकने की अपील की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बातचीत के दौरान यूक्रेन की तरफ से कोई हवाई हमला नहीं होगा और उन्होंने रूस से भी ऐसा ही करने का आग्रह किया है।

रंगसंसार

कल्पना अय्यर का छलका दर्द

अनुभवी अभिनेत्री कल्पना अय्यर ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के लोगों से दिली अपील की है कि यदि कोई उन्हें काम के लिए संपर्क करता है और बात नहीं बन पाती है, तो उन्हें कम से कम सूचित करने की तमीज तो दिखानी चाहिए। 70 वर्ष की आयु में, च्रंभा होज् एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस मुद्दे पर खुलकर बात की। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह किसी खास बर्ताव या च्दीवाज् जैसा ट्रीटमेंट नहीं चाहतीं, बल्कि उनका मानना है कि बुनियादी सम्मान और बातचीत की उम्मीद करना कोई बड़ी बात नहीं है। कल्पना अय्यर ने लिखा, अगर आप काम के लिए मुझसे संपर्क करते हैं और बात नहीं बनती है, तो ठीक है, लेकिन कम से कम मुझे बताने की तमीज तो रखें। उन्होंने आगे कहा कि जीवन के इस पड़ाव पर उन्हें इस बात का पूरा अनुभव है कि चीजें कैसे काम करती हैं, लेकिन निष्पक्षता, तमीज और दयालुता की उम्मीद करना अनुचित नहीं है। हालांकि, उन्होंने जोर दिया कि वह एक इंसान हैं और ईमानदारी से काम चाहती हैं। अगर काम नहीं हो रहा है, तो उन्हें बताया जाए ताकि वह समझने और शायद विकल्प देने की कोशिश कर सकें।

च्समुकज् की शूटिंग शुरु

अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित फिल्म च्समुकज् की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है। यह बड़े पैमाने पर तैयार की जा रही एक सर्वाइवल-एक्शन थ्रिलर है, जिसका निर्देशन कनिष्क वर्मा कर रहे हैं, जबकि विपुल अमृतलाल शाह इसके प्रोड्यूसर हैं। मेकर्स इस प्रोजेक्ट को पैन-इंडियन थिएट्रिकल रिलीज के लिए तैयार कर रहे हैं। च्समुकज् को लेकर पिछले दो साल से ज्यादा समय से काम चल रहा है, और फिल्म में मिलिट्री रियलिज्म, सर्वाइवल हॉरर और एलियन मिथोलॉजी का अनोखा मेल देखने को मिलेगा। इस अलग और महत्वाकांक्षी दुनिया को बड़े पर्दे पर विश्वसनीय तरीके से पेश करने के लिए मेकर्स ने इंटरनेशनल लेवल के टैलेंट को भी टीम में शामिल किया है। फिल्म के सेंट्रल मॉन्स्टर को डिजाइन करने की जिम्मेदारी एकेडमी अवॉर्ड नॉमिनेटेड क्रिएचर डिजाइनर एलेक गिलिस को दी गई है, जो च्एलियनज् और च्प्रिडेटरज् जैसी चर्चित फिल्मों पर काम कर चुके हैं। वहीं, ब्रिटिश एक्शन डायरेक्टर ल्यूक टम्बर फिल्म के हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस तैयार करेंगे।

असीम और विशाल के बीच तीखी जुबानी जंग

अभिनेता विशाल आदित्य सिंह ने सोशल मीडिया पर असीम रियाज़ के सीधे हमले का जवाब दिया है, जिससे दोनों के बीच तीखी जुबानी जंग शुरू हो गई है। बिना लाग-लपेट के, विशाल ने च्बिग बॉसज् के पूर्व कंटेस्टेंट असीम से शांत रहने और च्जय श्री रामज् कहने को कहा। विशाल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कई पोस्ट साझा किए जो जाहिर तौर पर असीम पर निशाना साधते हुए थे। उनमें से एक में उन्होंने लिखा, एक्स बिग बॉस कंटेस्टेंट, बस यही आपकी पहचान है और आप यहीं तक सीमित रह जाएंगे। तो असीम भाई, प्लीज़ शांत रहो और बोलो जय श्री राम। एक और पोस्ट में, विशाल ने असीम की मानसिक स्थिति पर तंज कसते हुए लिखा, साइकियाट्रिस्ट का नंबर जरूर भेज देना। मैं तुम्हें सुरेश वाडकर म्यूजकि स्कूल का नंबर और उसके साथ एक जिम का कूपन भी भेजता हूं। विशाल के ये पोस्ट तब आए जब असीम ने सोशल मीडिया पर उन पर सीधे तौर पर निशाना साधा। असीम ने लिखा था, विशाल, नेशनल टीवी पर अपनी एक्स गर्लफ्रेंड से पैन से पिटने की वजह से तुम्हें कुछ पक्का नुकसान पहुंचा है।

गुजराती संगीतकार गौरंग व्यास निधन

गुजरात के जाने-माने संगीतकार और गायक गौरंग व्यास का 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया है, जिससे गुजराती संगीत जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। बताया जा रहा है कि उन्होंने अहमदाबाद में कल देर रात अंतिम सांस ली। गौरंग व्यास मशहूर गुजराती संगीतकार और कंपोजर अविनाश व्यास के बेटे थे। अविनाश व्यास ने गुजराती फिल्मों और संगीत की दुनिया में अपनी खास पहचान बनाई थी। पिता की संगीत विरासत से प्रेरणा लेते हुए गौरंग व्यास ने भी इसी क्षेत्र में कदम रखा और अपनी प्रतिभा के दम पर गुजराती संगीत इंडस्ट्री में अलग मुकाम हासिल किया। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी गौरंग व्यास के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनके जाने से गुजराती जगत को बड़ी क्षति हुई है। उन्होंने बताया कि गौरंग व्यास ने अपने पिता और प्रसिद्ध संगीतकार अविनाश व्यास की संगीत विरासत को आगे बढ़ाते हुए गुजराती संगीत के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके निधन से गुजरात ने एक प्रतिभाशाली कलाकार और रचनाकार खो दिया है।

अमिताभ जेन-जी से संवाद कायम करने सीख रहे उनकी भाषा

मुंबई । आजकल जेन-जी पीढ़ी सोशल मीडिया और इंटरनेट से जुड़े नए शब्दों और छोटे-छोटे वाक्यों का इस्तेमाल करती है। पीढ़ियों के साथ भाषा और बातचीत का अंदाज भी बदलता रहता है। बदलती परिस्थिति में ढलते हुए सदी के महानायक अमिताभ बच्चन भी जेन-जी की इस नई भाषा को समझने और सीखने की कोशिश करते नजर आए। रियलिटी शो च्कौन बनेगा करोड़पतिज् के एक एपिसोड में अमिताभ बच्चन ने बदलती भाषा को लेकर मजेदार अंदाज में अपनी उलझन साझा की। उन्होंने च्यू आर रॉकिंगज् और च्किलिंग इटज् जैसे लोकप्रिय जेन-जी शब्दों का शाब्दिक अर्थ निकालते हुए कहा कि जब कोई उन्हें च्यू आर रॉकिंगज् कहता है तो वह सोचते हैं कि उन्होंने तो कोई पत्थर उठाया ही नहीं। इसी तरह च्सर, यू आर किलिंग इटज् सुनकर उन्हें लगता है कि सामने वाला उनसे मौत की बात कर रहा है।

अमिताभ बच्चन पहले भी जेन-जी की शब्दावली को लेकर अपनी हैरानी जाहिर कर चुके हैं। हाल ही में उन्होंने च्बीबी पगलूज् जैसे नए शब्द का अर्थ भी जाना था। इसका मतलब समझने के बाद उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा था कि पत्नी बॉस होती है और हर पति को यह बात माननी चाहिए। उनके मुताबिक ऐसा करने से वैवाहिक जीवन आसानी से चल सकता है।

अमिताभ बच्चन का जेन-जी भाषा को लेकर यह मजाकिया अंदाज सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बन रहा है। जेन-जी की भाषा मुख्य रूप से इंटरनेट, सोशल मीडिया और लोकप्रिय संस्कृति से विकसित हुई है। 1997 से 2012 के बीच जन्मे युवाओं के बीच इस तरह की भाषा का इस्तेमाल अधिक देखने को मिलता है। इसमें लंबे वाक्यों की जगह छोटे शब्दों, संक्षिप्त अभिव्यक्तियों, मीम और विशेष बोलचाल के शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है। इस भाषा में शब्दों के सीधे अर्थ से ज्यादा भाव, व्यंग्य और संदर्भ महत्वपूर्ण होता है। अंग्रेजी और हिंदी के मिले-जुले शब्दों यानी हिंग्लिश का इस्तेमाल भी सोशल मीडिया के कारण तेजी से बढ़ा है। इंस्टाग्राम और टिकटॉक जैसे मंचों ने इन शब्दों को युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाने में बड़ी भूमिका निभाई है।

मतदाता सूची में मतदाताओं की संख्या में कमी?

जब से ज्ञानेश कुमार जी मुख्य चुनाव आयुक्त बने हैं। उसके बाद से भारत में मतदाताओं की संख्या प्रत्येक राज्य में बड़ी तेजी के साथ कम होती जा रही है। यह चमत्कार ज्ञानेश कुमार ने करके दिखा दिया है। 1952 के बाद से हर चुनाव में मतदाताओं की संख्या बढ़ती थी। ज्ञानेश कुमार के आने के बाद से प्रत्येक राज्य में लाखों और करोड़ों की संख्या में मतदाता कम हो रहे हैं। यह किसी चमत्कार से कम नहीं है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट भी इस चमत्कार को नहीं समझ पा रहे हैं। चुनाव आयोग सर्वशक्तिमान है। वह जनता से भी बड़ा है। मानव अधिकार और नागरिक अधिकार अब, चुनाव आयोग की कृपा पर हैं ऐसा कहा जा सकता है। वैसे ज्ञानेश कुमार को जनसंख्या नियंत्रण की जिम्मेदारी दी जाएगी तो वह जनसंख्या आसानी से नियंत्रित कर पाएंगे। सरकार उनकी सक्षमता को पहचान नहीं पा रही है।

आशा भोसले को ट्रिब्यूट देंगे बॉलीवुड बदशाह शाहरुख, सलमान और आमिर खान

-आशा फॉरएवर में बॉलीवुड की बड़ी हस्तियां होंगी शामिल, 8 को होगा रिलीज

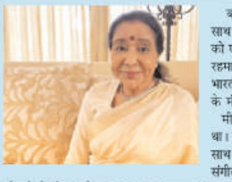

बॉलीवुड में कुछ ही ऐसे मौके आते हैं, जब आमिर खान, शाहरुख खान और सलमान खान तीनों एक साथ नजर आते हैं। अब प्रशंसकों को एक बार फिर ऐसा ही मौका मिलने वाला है। इस बार तीनों खान को एक मंच पर लाने की वजह दिग्गज गायिका आशा भोसले की संगीत विरासत है। संगीतकार ए आर रहमान के नेतृत्व में तैयार किए जा रहे विशेष ट्रिब्यूट म्यूजिक वीडियो च्आशा फॉरएवरज् में बॉलीवुड और भारतीय सिनेमा की कई बड़ी हस्तियां शामिल होंगी। यह वीडियो 8 सितंबर को आशा भोसले के जन्मदिन के मौके पर रिलीज किया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आशा भोसले ने अपने निधन से पहले अपना आखिरी गीत रिकॉर्ड किया था। उस समय शायद उन्हें भी अंदाजा नहीं था कि यह उनकी अंतिम रिकॉर्डिंग होगी। इस गीत में उनके साथ ए आर रहमान भी जुड़े हैं। बताया गया है कि इसे लंदन के ट्रिनिटी लाबन म्यूजिक कॉलेज के संगीतकारों के साथ मिलकर तैयार किया गया है। बता दें 12 अप्रैल 2026 को 92 साल की उम्र में आशा भोसले के निधन के बाद ए आर रहमान अब च्आशा फॉरएवरज् के जरिए उनकी लंबी और यादगार संगीत यात्रा को श्रद्धांजलि देने की तैयारी कर रहे हैं रिपोर्ट के मुताबिक ए आर रहमान इस खास प्रोजेक्ट में शामिल होने वाली हस्तियों के नाम धीरे-धीरे साझा कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के इस जश्न का हिस्सा बनने की जानकारी दी। इससे पहले वह सलमान खान, शाहरुख खान और आमिर खान के अलावा अनिल कपूर, रजनीकांत, करण जौहर और कमल हासन के शामिल होने की जानकारी भी दे चुके हैं। आशा भोसले के सम्मान में तैयार किया जा रहा यह वीडियो इसलिए भी खास माना जा रहा है, क्योंकि तीनों खान का किसी एक प्रोजेक्ट या कार्यक्रम में साथ आना बहुत दुर्लभ है। हालांकि आशा भोसले जैसी महान गायिका की संगीत विरासत को सम्मान देने के लिए तीनों सुपरस्टार ने ए आर रहमान के इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। 8 सितंबर को रिलीज होने वाला च्आशा फॉरएवरज् संगीत और सिनेमा की कई पीढ़ियों को एक साथ जोड़ने वाला ट्रिब्यूट साबित हो सकता है।

दैनिक पंचांग

6 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

रविवार 2026 वर्ष का 249 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण)
पक्ष कृष्ण
तिथि दशमी 19.30 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आर्द्रा 19.53 बजे को समाप्त।
योग सिद्धि (असुक) 09.45 बजे को समाप्त।
करण वणिज 08.42 बजे तदनन्तर विष्टि 19.30 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.3 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 06° 31'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872824
जूलियन दिन 2461289.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उलावल तारीख 23

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय
सूर्य	सिंह में	कन्या 06.34 बजे से
चंद्र	मिथुन में	तुला 08.45 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक 11.00 ब.से
बुध	सिंह में	धनु 13.16 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर 15.21 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ 17.07 बजे से
शनि	मीन में	मीन 18.40 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष 20.11 बजे से
केतु	सिंह में	वृष 21.51 बजे से
राहुकाल	4.30 से 6.00 बजे तक	मिथुन 23.49 बजे से
		कर्क 02.02 बजे से
		सिंह 04.18 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

महज एक रुपए से शुरू किया फिल्मी सफर

मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान अभिनेत्री प्रीति जिंटा।

हिंदी सिनेमा में 60 और 70 के दशक बड़ा खूबसूरत दशक कहा जाता है। ये वो दौर था जब हिंदी सिनेमा में नई कहानियां लिखी जा रही थीं। इसी दौर में एक ऐसी अभिनेत्री आई, जिसने अपने स्टाइल से सबको दीवाना बना दिया है। उसका नाम था साधना। साधना को बचपन से ही अभिनय से लगाव था। साधना को पहली फिल्म मिलने का किस्सा भी दिलचस्प है। साधना को पहली फिल्म महज 14 साल की उम्र में मिल गई थी। ये फिल्म राज कपूर की श्री 420 थी। इस फिल्म में साधना ने महज एक छोटा सा किरदार निभाया। इसके बाद भी साधना को लंबे वक्त कोई काम नहीं मिला। घर की स्थिति भी इस बीच खराब होती चली गई। ऐसे में उन्हें नौकरी भी करनी पड़ी। आखिरकार साधना को फिर उनकी पहली फिल्म मिली। इस फिल्म के लिए उन्हें एक रुपए की फीस दी गई। ये भारत की पहली सिंधी फिल्म अबाना थी, जिसे 1958 में प्रदर्शित किया गया।

अब भले ही साधना पहली फिल्म कर चुकी थीं लेकिन उन्हें वो पहचान नहीं मिली थी। एक दिन साधना की एक तस्वीर को शशधर मुखर्जी ने देखा। उन्हें साधना काफी अच्छी लगीं तो उन्होंने साधना का पता लगवाया और फिर बेटे जाय मुखर्जी से कहा कि साधना के साथ वो काम करें। आखिरकार साधना को फिल्म लव इन शिमला से बॉलीवुड में लॉन्च कर दिया गया। इस फिल्म के आर के नय्यर ने निर्देशित किया था, जिनसे साधना ने शादी भी की। इसके बाद साधना की किस्मत बॉलीवुड में चल पड़ी। दरअसल, फिल्म लव इन शिमला में साधना का हेयरस्टाइल पहले से ऐसा नहीं था। मेकर्स को लग रहा था कि साधना का माथा चौड़ा है और अगर उनके माथे पर बाल आ जाएं तो खूबसूरती बढ़ जाएगी। फिल्म निर्माता आर के नय्यर हॉलीवुड अभिनेत्री आड्री हेपबर्न को काफी पसंद करते थे। उन्होंने आड्री हेपबर्न के लुक से ही प्रभावित होकर साधना को लुक दिया। उन्हें क्या पता था कि साधना का यह हेयर स्टाइल आगे जाकर इतना हिट हो जाएगा। साधना की ये फिल्म तो ब्लाकबस्टर हुई ही, साथ ही उनका हेयर स्टाइल भी हर तरफ छा गया और इस हेयर स्टाइल का नाम साधना कट पड़ गया। आलम ये था कि हर कोई साधना कट हेयर स्टाइल करने लगा। ये प्रचलन बॉलीवुड से लेकर आम लोगों के बीच सालों तक रहा। यहां तक कि आज भी लोग इसकी बात करते हैं। वैसे सिर्फ हेयर स्टाइल ही नहीं बल्कि चूड़ीदार सलवार सूट के ट्रेंड का क्रेडिट भी साधना को ही जाता है।

साधना जब अपनी पहली फिल्म की शूटिंग कर रही थीं तब वो महज 19 साल की ही थीं। इसी फिल्म के सेट पर उन्हें फिल्म के निर्देशक आर के नय्यर से प्यार हो गया और फिर उन्होंने उनसे शादी कर ली। हालांकि इस शादी से दोनों के परिवार वाले खुश नहीं थे, पर फिर भी दोनों ने इस रिश्ते को आगे बढ़ाया। शादी के बाद आमतौर पर हीरोइनें फिल्मों से दूरी बनाती हैं, लेकिन साधना ने इसके बाद भी काम किया। वो कई बड़ी और ब्लाकबस्टर फिल्मों में दिखीं। उधर, साधना और नय्यर अपनी जिंदगी में खुश थे लेकिन दोनों की कोई संतान नहीं थी। साल 1995 में साधना के पति का निधन हो गया। इसके बाद साधना अकेली पड़ गईं। साधना के पति के जाने के बाद उनकी जिंदगी में मुश्किलों का तूफान आया। दरअसल वो अपने पति के साथ जिस घर में रहती थीं। उस पर कुछ लोगों ने मुकदमा कर दिया। जिसके चलते साधना को कोर्ट के चक्कर काटने पड़ते थे। ये सिलसिला सालों साल चलता रहा। इस बुरे दौर में साधना की किसी ने भी मदद नहीं की और ना ही कोई साधना के पास आया। इधर साधना बढ़ती उम्र के साथ बीमार भी रहने लगीं थीं। 1978 तक साधना ने महफिल फिल्म के बाद फिल्मों में काम करना बंद ही कर दिया था। इसके बाद बीमारियों ने उन्हें घेर लिया। आखिरकार साल 2015 में साधना का निधन हो गया। पति की मौत के 20 साल बाद तक साधना अकेली ही रहीं। ना कोई परिवार वाला और ना ही कोई रिश्तेदार और फिर ऐसे ही साधना ने सभी को अलविदा कह दिया। अपने करियर में साधना ने करीब 30 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। हालांकि उन्हें कोई बड़ा सम्मान नहीं मिला। इसके बाद साधना को साल 2002 में आईफा में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

- प्रस्तुति : मनीष राय

अमाल मलिक ने संगीत से दूरी बनाने की घोषणा की

संगीतकार और गायक अमाल मलिक ने संगीत से कुछ समय के लिए दूरी बनाने की घोषणा की है और श्रोताओं से उन्हें परेशान न करने की अपील की है। मलिक ने अपने 'एक्स' हैंडल पर यह नोट साझा किया और कहा कि उन्हें अपने स्वास्थ्य और सेहत को प्राथमिकता देने की जरूरत है। उन्होंने पोस्ट के साथ लिखे संदेश में कहा, मैं बिल्कुल ठीक हूं और इस बार अपने लिए जो सबसे बेहतर है, उसे करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। मैं वही करूंगा जो मेरे दिल और स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। मुझे अपने मन, शरीर और आत्मा को आराम देने तथा पूरी तरह शारीरिक रूप से स्वस्थ होने के लिए कुछ समय का विराम चाहिए। उन्होंने कहा, अगले साल तक मेरा कोई नया फिल्मी संगीत नहीं आएगा। पहले से तैयार और अब तक जारी नहीं हुए मेरे फिल्मी गीत जल्द ही रिलीज हो सकते है, अगर वे फिल्में प्रदर्शित हो पाती है। ये कम बजट की फिल्में हैं, जिनका उद्देश्य अच्छा है, लेकिन ऐसी फिल्मों को सिनेमाघरों में आसानी से जगह नहीं मिलती। इसलिए इन परियोजनाओं के भविष्य के बारे में कुछ कह नहीं सकता। कृपया अब मुझे और परेशान न करें। जैसे-जैसे मुझे जानकारी मिलेगी, मैं आपको बताता रहूंगा। मैं वापस आऊंगा। फिलहाल विदा लेता हूं। उन्होंने हाल ही में फिल्म आवारापन-2 का संगीत तैयार किया है।

स्वरा भास्कर ने कहा, मेरे शब्दों का गलत अनुवाद किया गया

अभिनेत्री स्वरा भास्कर का कहना है कि संजय लीला भंसाली की 2018 की फिल्म पद्मावत में जौहर वाले दृश्य की आलोचना करने वाली उनकी बातों का सोशल मीडिया पर पूरी तरह से गलत अनुवाद किया गया था और उन्होंने कभी भी रानी पद्मावती या जौहर करने वाली दूसरी महिलाओं को कायर नहीं कहा था। एक कार्यक्रम के दौरान की गई टिप्पणियों की वजह से अभिनेत्री को सोशल मीडिया पर आलोचना का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा था कि फिल्म जौहर को महिमामंडित करती है। जौहर कुछ राजपूत समुदायों में प्रचलित एक प्रथा थी, जिसमें युद्ध में हार निश्चित लगने पर महिलाएं पकड़े जाने, गुलाम बनाए जाने या यौन हिंसा से बचने के लिए सामूहिक रूप से आत्मदाह कर लेती थीं। अभिनेत्री ने एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में अपनी टिप्पणियों के संदर्भ के बारे में बताया। उन्होंने कहा, आज सुबह सोशल मीडिया पर मेरा एक क्लिप व्यापक रूप से प्रसारित हो रहा है। यह कल के एक कार्यक्रम का है, जहां मुझसे पूछा गया कि पद्मावत देखने के बाद मैंने संजय लीला भंसाली को खुला पत्र क्यों लिखा था। मैंने जो कहा था, उसका अब पूरी तरह से गलत अनुवाद किया जा रहा है और गलत बातें फैलाई जा रही हैं। दावा किया जा रहा है कि मैंने कहा था कि रानी पद्मावती और जौहर करने वाली अन्य महिलाएं कायर थीं। उन्होंने कहा,मैंने कहा था जब मैं 'क्लाइमैक्स' देख रही थी, मुझे लगा, भगवान न करे अगर मैं बलात्कार पीड़िता होती तो मैं कायर महसूस करती।

'हनुमान अंश' ने 26वें दिन कमाए 8.50 करोड़

नीम करौली बाबा के जीवन पर बनी छोटे बजट की फिल्म हनुमान अंश बाक्स आफिस पर इतिहास रच रही है। महज 2 करोड़ रुपए के बजट में बनी इस फिल्म ने यश की बहुचर्चित और 500 करोड़ के बजट की फिल्म टाक्सिक को 7वें दिन की कमाई में पछाड़ दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत में रिलीज के 26वें दिन जहां हनुमान अंश ने 8.50 करोड़ रुपए की कमाई की, वहीं टाक्सिक ने 7वें दिन केवल 7.85 करोड़ रुपए ही जुटा सकी। विशाल चतुर्वेदी के निर्देशन में बनी फिल्म हनुमान अंश 7 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई थी। पहले दिन फिल्म ने महज 10 लाख रुपए का कारोबार किया था और पहले दो हफ्तों में यह केवल 1.48 करोड़ रुपए ही कमा सकी थी। फिल्म का भारत में कुल कारोबार 63.82 करोड़ रुपए हो चुका है।

काम पर लौटने को तैयार हूं

बालीवुड अभिनेत्री रश्मिका मंदाना कूल्हे की चोट से उबरने के बाद काम पर लौटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पोस्ट साझा करते हुए कहा कि वह जल्द ही अपना काम फिर से शुरू करेंगी। उन्होंने लिखा, मैं जल्द ही काम पर वापस लौट रही हूं। अभिनेत्री ने इस महीने की शुरुआत में एक पोस्ट के जरिए अपनी चोट की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि आगामी फिल्म मायसा की शूटिंग के दौरान उन्हें चोट आई थी।

लास्ट मैन इन टावर 11 को आएगी

चर्चित उपन्यास लास्ट मैन इन टावर पर आधारित फिल्म 11 सितंबर को भारतीय सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। यह जानकारी अभिनेता मनोज वाजपेयी ने दी। बेन रेखी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में मनोज वाजपेयी, बोमन ईरानी और दिव्या दत्ता मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म की पटकथा सलाम बाम्बे!, और द नेमसेक जैसी फिल्मों में मीरा नायर के साथ काम कर चुकीं सोनी तारापोरवाला ने लिखी है। फिल्म की कहानी सेवानिवृत्त शिक्षक मास्टरजी (वाजपेयी) के इर्द-गिर्द घूमती है।

भारत ने इंडोनेशिया को 14-0 से रौंदकर जूनियर एशिया कप में किया आगाज

मोस्की । मौजूदा चैंपियन भारत ने एफआईएच जूनियर एशिया कप 2026 में अपने खिताब के बचाव का शानदार आगाज करते हुए शनिवार को पूल ए के मुकाबले में इंडोनेशिया को 14-0 से करारी शिकस्त दी। भारतीय टीम की ओर से कप्तान अनमोल एक्का, प्रभदीप सिंह और अजीत यादव ने शानदार प्रदर्शन किया। तीनों ने मिलकर 12 गोल दागे। प्रभदीप सबसे सफल रहे और उन्होंने पांच गोल करते हुए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार हासिल किया। कप्तान अनमोल ने चार, जबकि अजीत यादव ने तीन गोल किए। हरपाल और आशु मौर्य ने एक-एक गोल किया।

भारत ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। भारतीय खिलाड़ी लगातार इंडोनेशिया के सर्कल में प्रवेश करते रहे और गोल के मौके बनाते रहे। पांचवें मिनट में प्रभदीप ने गोल कर भारत का खाता खोला। इसके तीन मिनट बाद हरपाल ने बढ़त दोगुनी कर दी। भारतीय आक्रमण की गति और लगातार हो रहे मूवमेंट के सामने इंडोनेशियाई रक्षापंक्ति पूरी तरह दबाव में नजर आई। पहले क्वार्टर के अंत तक भारत 2-0 से आगे था।

दूसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा कायम रहा। 16वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक मिलने पर अनमोल ने उसे गोल में बदल दिया। इसके चार मिनट बाद अजीत यादव ने गोल कर स्कोर 4-0 कर दिया। प्रभदीप ने 26वें और 30वें मिनट में लगातार गोल दागकर अपनी हैट्रिक पूरी की और भारत को मध्यांतर तक 6-0 की मजबूत बढ़त दिला दी। तीसरे क्वार्टर में भी इंडोनेशिया को राहत नहीं मिली। अनमोल ने 35वें और 42वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपने खाते में दो और गोल जोड़े। क्वार्टर समाप्त होने से ठीक पहले प्रभदीप ने एक और गोल कर भारत की बढ़त 9-0 कर दी। अंतिम क्वार्टर में भारतीय टीम ने पांच और गोल दागे। अनमोल ने 51वें मिनट में अपना चौथा गोल किया, जबकि एक मिनट बाद प्रभदीप ने मैच का पांचवां गोल कर दिया। अजीत यादव ने 53वें मिनट में दो गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की और भारत को 13-0 से आगे कर दिया। आशु मौर्य ने 59वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 14-0 कर दिया। भारत ने नौ फील्ड गोल, चार पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक से कुल 14 गोल किए। इंडोनेशिया की यह लगातार दूसरी हार है। उसे इससे पहले दक्षिण कोरिया ने 9-0 से हराया था। भारत तीन अंक के साथ पूल ए में गोल अंतर के आधार पर शीर्ष पर है और जापान तथा दक्षिण कोरिया के भी तीन-तीन अंक हैं।

दलीप ट्रॉफी फाइनल में वैभव, पडिक्कल और तिलक पर नजरें

नई दिल्ली। पूर्वी क्षेत्र और दक्षिणी क्षेत्र के बीच रविवार से शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी 2026 के फाइनल में कई खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर निगाहें रहेंगी। वैभव सूर्यवंशी, देवदत्त पडिक्कल और तिलक वर्मा लाल गेंद के क्रिकेट में हालिया प्रदर्शन को और बेहतर करने के इरादे से मैदान में उतरेंगे, जबकि अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज अपनी खोई हुई लय हासिल करने की कोशिश करेंगे। देवदत्त पडिक्कल के लिए यह मुकाबला खास महत्व रखता है। साई सुदर्शन के चोटिल होने के बाद उन्हें भारतीय टेस्ट टीम में अवसर मिला और उन्होंने इसका भरपूर फायदा उठाया।

श्रीलंका सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम का ऐलान, हैरी ब्रूक संभालेंगे कप्तानी

नई दिल्ली। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को श्रीलंका के खिलाफ इस महीने होने वाली टी20 और वनडे सीरीज के लिए टीमों का ऐलान कर दिया। दोनों प्रारूपों के लिए 16-16 सदस्यीय टीम चुनी गई है। स्क्वाड में कुछ अहम बदलाव किए गए हैं। बल्लेबाज फिल सॉल्ट दाहिने पैर की चोट के कारण दोनों सीरीज से बाहर हैं, जबकि ऑलराउंडर जैकब बेथल घुटने की सफल सर्जरी के बाद फिलहाल रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं। टी20 टीम में सलामी बल्लेबाज एन्यूरिन डोनाल्ड को पहली बार शामिल किया गया है। वहीं वनडे टीम में अनकैप्ड तेज गेंदबाज हेनरी क्रोकोम्बे को मौका मिला है।

प्रभसिमरन की तूफानी बल्लेबाजी से जालंधर वारियर्स की जीत

नई दिल्ली। शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में जालंधर वारियर्स के स्टार बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह का बल्ला लगातार आग उगल रहा है। टूर्नामेंट के 11वें मुकाबले में उन्होंने लुधियाना लायंस के खिलाफ महज 39 गेंदों में 90 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर टीम को शानदार जीत दिलाई। इस दौरान प्रभसिमरन ने 7 चौके और 6 छक्के जमाए। प्रभसिमरन ने लगातार तीसरे मैच में 50 से अधिक रन बनाते हुए अपनी शानदार फॉर्म को बरकरार रखा। मौजूदा सीजन में वह अब तक दो शतक और दो अर्धशतक लगा चुके हैं।

शेल्टन ने शापोवालोव को हराया, यूएस ओपन के चौथे दौर में पहुंचे

न्यूयॉर्क। अमेरिका के बेन शेल्टन ने तीन घंटे 22 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में कनाडा के डेनिस शापोवालोव को 7-6(3), 6-7(5), 6-2, 6-4 से हराकर यूएस ओपन 2026 के पुरुष एकल के चौथे दौर में प्रवेश कर लिया। इस जीत के साथ शेल्टन ने लेकसस एटीपी हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में शापोवालोव के खिलाफ अपना दबदबा 5-0 कर लिया।

हर सीरीज में रोहित शर्मा के संन्यास पर सवाल यों? अब फैसला बल्ले को करने दें

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर हर सीरीज के दौरान चर्चा शुरू होना उचित नहीं माना जा सकता। किसी खिलाड़ी के कुछ मैचों के प्रदर्शन या उम्र को आधार बनाकर बार-बार उसके संन्यास का सवाल उठाना उसके साथ नाइंसाफी हो सकती है। रोहित जैसे अनुभवी खिलाड़ी ने अपने प्रदर्शन और भारतीय क्रिकेट में लंबे योगदान के दम पर यह अधिकार हासिल किया है कि उन्हें बिना अनावश्यक दबाव के अपना क्रिकेट खेलने का मौका मिले। जब भी रोहित शर्मा बल्लेबाजी के लिए उतरते हैं, सोशल मीडिया और क्रिकेट जगत में उनके संन्यास को लेकर बहस शुरू हो जाती है। यह सिलसिला अब एक तरह से नियमित चर्चा बनता जा रहा है। हालांकि, किसी खिलाड़ी के भविष्य का आकलन केवल इस आधार पर नहीं किया जाना चाहिए कि वह कितने साल का हो चुका है या किसी एक मुकाबले में उसका प्रदर्शन कैसा रहा। क्रिकेट में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक हैं और हर खिलाड़ी को खराब दौर से उबरने का अवसर मिलना चाहिए।

रोहित अगर लगातार कई मैचों में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं, तब निश्चित रूप से उनके भविष्य और टीम में भूमिका पर चर्चा की जा सकती है। लेकिन हर सीरीज के साथ संन्यास का सवाल खड़ा करना उनकी उपलब्धियों और भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान को नजरअंदाज करने जैसा होगा। उन्हें भी दूसरे खिलाड़ियों की तरह प्रदर्शन के आधार पर आंका जाना चाहिए। रोहित शर्मा ने भारतीय टीम के लिए लंबे समय तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व में टीम ने कई अहम मुकाबले खेले और उन्होंने बल्लेबाज के तौर पर भी कई यादगार पारियां खेली हैं। ऐसे में उनके भविष्य का फैसला बाहरी चर्चाओं या सोशल मीडिया की हलचल से नहीं, बल्कि मैदान पर उनका प्रदर्शन देखकर होना चाहिए। रोहित के संन्यास की चर्चा से सोशल मीडिया पर जरूर बहस और व्यूज बढ़ सकते हैं, लेकिन ऐसी अटकलें भारतीय क्रिकेट के लिए किसी ठोस उद्देश्य की पूर्ति नहीं करतीं।

गौतम गंभीर के फेवरेट खिलाडी टीम में लौटे, एस बद्रीनाथ ने साधा निशाना

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच 13 सितंबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज से पहले पूर्व क्रिकेटर एस बद्रीनाथ ने मुख्य कोच गौतम गंभीर पर निशाना साधा है। अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए वाशिंगटन सुंदर और नीतीश कुमार रेड्डी की भारतीय टीम में वापसी हुई है। दोनों खिलाड़ी चोट से उबरने के बाद टीम में लौटे हैं। बद्रीनाथ ने तंज कसते हुए कहा कि कोच गौतम गंभीर के पसंदीदा खिलाड़ी फिर से टीम इंडिया में आ गए हैं। वाशिंगटन सुंदर पिछले पांच टी20 मुकाबलों में एक भी विकेट नहीं ले सके हैं और बल्लेबाजी में भी खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं। दूसरी ओर, नीतीश कुमार रेड्डी ने अब तक केवल चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिनमें उनके नाम तीन विकेट हैं। बद्रीनाथ का मानना है कि खासतौर पर सुंदर को टीम प्रबंधन का लगातार समर्थन मिल रहा है और उन्हें इसका पूरा फायदा उठाना चाहिए। अपने यूट्यूब चैनल पर बद्रीनाथ ने कहा कि कोच के पसंदीदा खिलाड़ी वापस आ गए हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय क्रिकेट में सुंदर को जबरदस्त समर्थन मिल रहा है और उन्हें इसका पूरा लाभ उठाना चाहिए। सुंदर को एक समय रविचंद्रन अश्विन के संभावित उत्तराधिकारी के तौर पर देखा जा रहा था, लेकिन अब तक के प्रदर्शन के आधार पर वह इस भूमिका में अपेक्षाओं के मुताबिक सफल नहीं रहे हैं। नीतीश कुमार रेड्डी को लेकर भी बद्रीनाथ ने अपनी राय स्पष्ट की।

37 की उम्र में फिर टीम इंडिया का दरवाजा खटखटा रहे भुवनेश्वर कुमार

- 4 ओवर में 10 रन देकर झटके 4 विकेट; वनडे विश्व कप पर नजर

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार भले ही 37 साल की उम्र के करीब पहुंच चुके हों, लेकिन उनकी गेंदबाजी में धार अब भी बरकरार है। आईपीएल में प्रभावी प्रदर्शन के बाद अब यूपी टी-20 लीग में भी वह अपनी स्विंग और सटीक लाइन-लेंथ से बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर रहे हैं। तीन सितंबर को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में मेरठ मावेरिक्स के खिलाफ क्वालीफायर-1 में उन्होंने महज 10 रन देकर चार विकेट हासिल किए और लखनऊ फाल्कन्स को 47 रन से जीत दिलाकर फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ फाल्कन्स ने 19.4 ओवर में 145 रन बनाए। टीम के लिए सलामी बल्लेबाज हिमांशु सिंह ने सर्वाधिक 61 रन की पारी खेली। मेरठ की ओर से जीशान अंसारी ने 14 रन देकर तीन विकेट लिए। 146 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेरठ मावेरिक्स की शुरुआत बेहद खराब रही और भुवनेश्वर कुमार की गेंदबाजी ने उसकी कमर तोड़ दी। भुवनेश्वर ने अपने चार ओवर के स्पेल में 24 गेंदों में 18 डॉट गेंदें फेंकी और सिर्फ 10 रन खर्च किए। उन्होंने अक्षय दुबे को चार रन, रितुराज शर्मा को बिना खाता खोले, दिव्यांश राजपूत को एक रन और दिव्यांश जोशी को छह रन के निजी स्कोर पर आउट किया। उनके शुरुआती झटकों के कारण मेरठ का स्कोर एक समय सात विकेट पर 36 रन हो गया था। कप्तान रिंकू सिंह ने 34 रन बनाकर कुछ संघर्ष किया, लेकिन टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी। इस जीत के साथ लखनऊ फाल्कन्स यूपी टी-20 लीग के चार साल के इतिहास में पहली बार फाइनल में पहुंची है। खिताबी मुकाबला छह सितंबर को खेला जाएगा, जिसमें लखनऊ का सामना क्वालीफायर-2 की विजेता टीम से होगा। भुवनेश्वर कुमार के लिए यह प्रदर्शन इसलिए भी खास है, क्योंकि उन्होंने भारत के लिए अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ नेपियर में खेला था। इसके बाद वह टीम इंडिया में जगह नहीं बना सके।

हालांकि आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में लगातार प्रभावी प्रदर्शन के बाद उनके प्रशंसक एक बार फिर उन्हें भारतीय टीम की जर्सी में देखना चाहते हैं। खासकर 2027 के वनडे विश्व कप को देखते हुए भुवनेश्वर का मौजूदा प्रदर्शन चयनकर्ताओं के लिए भी चर्चा का विषय बन सकता है।

वैभव सूर्यवंशी ने फिर जगाई क्रिकेट में दिलचस्पी, क्रिस श्रीकांत बोले- टेस्ट क्रिकेट का गौरव लौटाएंगे

नई दिल्ली। महज 15 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी ने क्रिकेट जगत में अपनी अलग पहचान बना ली है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया भी कह चुके हैं कि बोर्ड की नजर इस युवा प्रतिभा पर रहेगी और उसे सचिन तेंदुलकर जैसा खिलाड़ी बनाने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर क्रिस श्रीकांत ने वैभव की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि यह युवा बल्लेबाज एक बार फिर क्रिकेट को दिलचस्प बना रहा है।

उन्होंने बताया कि वैभव का प्रभाव इतना बढ़ गया है कि उनकी पत्नी भी उसके कारण क्रिकेट मैच देख रही हैं। वैभव के लिए 2026 अब तक शानदार रहा है। उन्होंने आईपीएल 2026 में 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप हासिल की। इसके बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में दो अर्धशतक लगाए और दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में 92 तथा 40 रन की पारियां खेलकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अब उनकी नजर एशियन गेम्स और अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज पर है।

अपने यूट्यूब चैनल पर क्रिस श्रीकांत ने कहा कि वैभव को लगातार प्रोत्साहित करने की जरूरत है और उन्हें किसी भी स्थिति में हतोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए। उनके मुताबिक यदि वैभव को सही तरीके से तैयार किया गया तो वह बहुत बड़े सुपरस्टार बन सकते हैं। श्रीकांत ने कहा कि वैभव टेस्ट क्रिकेट का गौरव वापस दिलाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दलीप ट्रॉफी को लोगों ने वैभव की वजह से देखा और उनकी पत्नी भी सिर्फ इसी युवा खिलाड़ी को देखने के लिए मैच देख रही थीं। दलीप ट्रॉफी के क्वार्टरफाइनल में वैभव केवल आठ रन बना पाए थे, लेकिन सेंट्रल जोन के खिलाफ सेमीफाइनल में उन्होंने शानदार वापसी की। पहली पारी में 92 रन बनाने के साथ उन्होंने दूसरी पारी में भी 40 रन की उपयोगी पारी खेली। इसके साथ ही वह दलीप ट्रॉफी के इतिहास में सबसे कम उम्र, 15 साल 157 दिन में अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बने।

काफू ने मुंबई की जरूरतमंद बच्चियों संग खेला फुटबॉल, कहा- सपनों के लिए कभी हार न मानें

मुंबई। ब्राजील के महान फुटबॉलर और दो बार विश्व कप विजेता टीम के अहम सदस्य रहे काफू ने शनिवार को मुंबई की जरूरतमंद युवा लड़कियों के साथ फुटबॉल मैदान पर समय बिताया। उन्होंने खिलाड़ियों को फुटबॉल की बारीकियां सिखाने के साथ खेल और शिक्षा के जरिए अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। काफू ने 'ड्रीमिंग इन स्लम्स फाउंडेशन' से जुड़ी लड़कियों के साथ मैत्री मैच में भी हिस्सा लिया। यह फाउंडेशन जरूरतमंद शहरी समुदायों की छह से 16 वर्ष की लड़कियों के साथ काम करता है। इसके कार्यक्रम में फुटबॉल को जीवन कौशल, आत्मविश्वास बढ़ाने और नए अवसर तलाशने के माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

काफू ने कहा कि बच्चों के बेहतर भविष्य के निर्माण में फुटबॉल महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। जो बच्चे फुटबॉल खेलते और सीखते हैं, उन्हें इस राह पर आगे बढ़ते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल दुनिया में सामाजिक जुड़ाव के सबसे बड़े माध्यमों में से एक है। खेल के साथ शिक्षा का मेल बच्चों को भविष्य के लिए तैयार करने और समाज से जोड़ने में मदद करता है। युवा खिलाड़ियों के साथ समय बिताने के बाद काफू उनके उत्साह और सम्मान से काफी प्रभावित नजर आए। उन्होंने कहा कि भारत आकर उन्हें बहुत खुशी हुई है और बच्चों से मिले प्यार को शब्दों में व्यक्त करना मुश्किल है। उन्होंने फाउंडेशन के काम की भी सराहना की। भारत में फुटबॉल के विकास पर काफू ने कहा कि देश खेलों, खासकर फुटबॉल में हर साल अधिक निवेश कर रहा है। उनके मुताबिक यदि निवेश जारी रहा और पेशेवर खिलाड़ियों को तैयार करने पर जोर दिया गया, तो भारत में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल टीमों में शामिल होने की क्षमता है।काफू के साथ मैदान पर खेलने का अनुभव लड़कियों के लिए यादगार रहा। सोनाली यादव ने कहा कि वह मध्यमवर्गीय परिवार से आती हैं। उनके पिता ऑटो चालक हैं और मां गृहिणी हैं। एनजीओ के माध्यम से उन्हें फुटबॉल खेलने का अवसर मिला। उन्होंने अपने कोच गुलाब शाह और प्रजोधी का आभार जताते हुए कहा कि काफू के संदेश और प्रेरणा ने उन पर गहरी छाप छोड़ी। सोनाली ने बताया कि काफू ने उन्हें कभी हार न मानने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि काफू के करियर में भी कई बार असफलताएं आईं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और 1994 तथा 2002 में ब्राजील को विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाई। सोनाली का सपना राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करना है।

और भी भारतीय खिलाड़ियों को इस सूचि में देखना चाहती हूं: स्मृति मंधाना

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। वह चाहती हैं कि और भी भारतीय महिला खिलाड़ी इस सूची में नजर आएं। हांगकांग के खिलाफ भारत की 137 रन की जीत के दौरान मंधाना ने पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज के 10,868 अंतरराष्ट्रीय रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इसके साथ ही वह तीनों प्रारूपों को मिलाकर अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गईं। उनके नाम अब कुल 10,880 अंतरराष्ट्रीय रन हैं। मंधाना ने भारतीय महिला क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने में भी अहम भूमिका निभाई है। तीनों प्रारूपों में उनकी प्रभावी बल्लेबाजी ने दर्शकों का ध्यान महिला क्रिकेट की ओर खींचा है और युवा लड़कियों में क्रिकेट के प्रति रुचि बढ़ाने में मदद की है। मंधाना ने कहा कि उन्होंने कभी रिकॉर्ड और आंकड़ों को लक्ष्य बनाकर क्रिकेट नहीं खेला। उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण भारत के लिए मैच जीतना रहा है।

बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए वीडियो में मंधाना ने कहा कि अगर उनकी वजह से 10 प्रतिशत लड़कियां भी बल्ला और गेंद उठाकर क्रिकेट खेलना शुरू करती हैं, तो यह उनके लिए ऐसी उपलब्धि होगी जिस पर उन्हें हमेशा गर्व और खुशी होगी। उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड और बनाए गए रनों से ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि खिलाड़ी अपने पीछे कैसी विरासत छोड़कर जाता है। 10,000 अंतरराष्ट्रीय रन के आंकड़े को पार करने और मिताली राज से आगे निकलने पर मंधाना ने कहा कि वह मिताली को देखते हुए बड़ी हुई हैं। मिताली उनके लिए ही नहीं, बल्कि हर भारतीय महिला क्रिकेटर के लिए आदर्श रही हैं। उन्होंने कहा कि कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि वह 10,000 रन तक पहुंचेंगी और मिताली से आगे निकल जाएंगी।

शिवसांगरी से हारकर क्वार्टर फाइनल में बाहर हुईं अनाहत सिंह

लंदन। भारत की युवा स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह का लंदन स्क्वैश क्लासिक में अभियान क्वार्टर फाइनल में हार के साथ समाप्त हो गया। तीसरी वरीयता प्राप्त मलेशिया की शिवसांगरी सुब्रमण्यम ने मौजूदा विश्व जूनियर चैंपियन अनाहत को सीधे गेम में 11-4, 11-4 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। 1,44,000 अमेरिकी डॉलर इनामी पीएसए गोल्ड प्रतियोगिता का यह मुकाबला महज 17 मिनट चला। अनाहत शुरुआत से ही अपनी लय हासिल करने के लिए संघर्ष करती नजर आईं। शिवसांगरी ने रैलियों पर नियंत्रण बनाए रखा और लगातार भारतीय खिलाड़ी को कोर्ट के पिछले हिस्से में खेलने के लिए मजबूर किया। मलेशियाई खिलाड़ी की तेज गति और सटीक शॉट्स के सामने अनाहत को वापसी का कोई खास मौका नहीं मिला। अनाहत ने इससे पहले आठवीं वरीयता प्राप्त बेल्जियम की नेले गिलिस को कड़े मुकाबले में तीन गेम में हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था। हालांकि, अंतिम आठ में वह शिवसांगरी की रणनीति का सामना नहीं कर सकीं।

लंदन स्क्वैश क्लासिक की पूर्व चैंपियन शिवसांगरी अब सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त मिस्र की अमीना ओरफी से भिड़ेंगी। मौजूदा विश्व चैंपियन ओरफी टूर्नामेंट में मजबूत दावेदार मानी जा रही हैं। शिवसांगरी ने अपनी जीत का श्रेय बेहतर रणनीति और पूरे मुकाबले में तीव्रता बनाए रखने को दिया। उन्होंने स्क्वैशटीवी से कहा कि वह अपने प्रदर्शन से खुश हैं। उन्होंने अनाहत को बेहद प्रतिभावान खिलाड़ी बताते हुए कहा कि भारतीय खिलाड़ी ने कई शीर्ष खिलाड़ियों को हराया है।

भारत-जापान के बीच होगा ऐतिहासिक टी20 मुकाबला

भारत-जापान राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के जश्न की शुरुआत के लिए तोचिगी प्रांत में खेला जाएगा मुकाबला

नई दिल्ली । भारत और जापान के बीच क्रिकेट इतिहास का एक नया अध्याय लिखे जाने जा रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार, 4 सितंबर को जापान के खिलाफ होने वाले ऐतिहासिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के कार्यक्रम की घोषणा की।

दोनों देशों की पुरुष क्रिकेट टीमें 22 सितंबर 2026 को जापान के तोचिगी प्रांत स्थित सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड में आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला भारत और जापान के राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के समारोह की शुरुआत के अवसर पर आयोजित किया जाएगा। बीसीसीआई और जापान क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को खेल के माध्यम से और मजबूत करने के उद्देश्य से यह विशेष टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच आयोजित किया जा रहा है।

भारत और जापान के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी भी प्रारूप में यह पहला क्रिकेट मुकाबला होगा। एक ओर विश्व क्रिकेट की मजबूत टीमों में शामिल भारतीय टीम होगी, जबकि दूसरी ओर जापान की टीम अपने क्रिकेट सफर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने की कोशिश करेगी। यह मुकाबला 'स्पोर्ट 75' पहल का पहला कदम भी बताया गया है। इस पहल का उद्देश्य खेल के क्षेत्र में भारत और जापान के बीच आपसी सहयोग और खिलाड़ियों तथा लोगों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। यह पहल दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच हुई सहमति के बाद शुरू की गई है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इस अवसर को क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम का जापान में खेलना खेल के विस्तार की दिशा में एक बड़ा कदम है।

विकास कार्यों का लाभ जेनजी और जेन अल्फा को मिलेगा - उप मुख्यमंत्री

रीवा (कीर्तिप्रभा) अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में पंचकोष समग्र व्यक्तित्व विकास की भारतीय दृष्टि विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि संस्कारों के बिना सुगंध के फूल जैसी है। शिक्षित होने के साथ-साथ संस्कारवान होना आवश्यक है। आज जो विकास के प्रयास हो रहे हैं उनका पूरा लाभ जेनजी और जेन अल्फा को मिलेगा। भारत को 2047 तक विश्वगुरू और आर्थिक महाशक्ति बनाने का संकल्प देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने लिया है। इस संकल्प को पूरा करने की जिम्मेदारी युवाओं पर है। युवा शिक्षित होने के साथ-साथ संस्कारवान बने इसके लिए पंचकोष समग्र व्यक्तित्व विकास की भारतीय दृष्टि को अपनाना आवश्यक है। अच्छे संस्कार सांस्कृतिक मूल्य और सकारात्मक दृष्टिकोण युवाओं को सही लक्ष्यों की पूर्ति में सहायक होगा। कार्यशाला में जो गुरू ज्ञान दिया जा रहा है उसे विद्यार्थी अपने जीवन में उतारे तभी जीवन सफल होगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन के उच्च लक्ष्य तय करने के साथ हमे जो प्राप्त है वहीं पर्याप्त है कि आत्मसंतुष्टि होनी चाहिए। जीवन को सही दिशा न मिलने पर युवा भटकर गलत रास्ते में चल पड़ते हैं। देश तेजी से विकास कर रहा है। देश विरोधीतत्व युवाओं को शाफ्टकॉर्नर बनाकर उनको पथ से विमुख करने का प्रयास कर रहे हैं। युवा इनसे सावधान रहें। देश का युवा सही राह पर चल पड़ा तो दुनिया में राज करने से उसे कोई नहीं रोक सकता है। अच्छे संस्कार और जीवन की सही दिशा ही हमे सफलता देगी। कार्यशाला में सांसद श्री जनार्दन मिश्रा ने कहा कि सनातन परंपरा के मूल्य और वैदिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान ने भी प्रमाणित किया है। शरीर और मन को संतुलित रखने पर पूरा जीवन संतुलित हो जाता है। इसके लिए योग, ध्यान और प्राणायाम आवश्यक है। पूरी दुनिया तनाव प्रबंधन के लिए इसका उपयोग कर रही है। युवा पीढ़ी प्राचीन ज्ञान के अच्छे मूल्यों को अपनाये। प्राचीन ग्रंथों में भी भ्रमित करने के लिए भी मिलावट कर दी गई है। सही ज्ञान को अपनाने पर ही आत्मबोध और आत्मचिंतन से आत्मसंतुष्टि होगी।

कार्यशाला में श्री शर्मा ने कहा कि समाज को बदलना है तो शिक्षा को बदलना होगा। आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लिए शिक्षा, संस्कृति का उत्थान आवश्यक है। कार्यशाला में विवेकानंद विश्वविद्यालय सागर के कुलगुरू डॉ. अजय तिवारी ने कहा कि गुरू ही शिष्य को सही मार्ग दिखलाते हैं। कबीरदास जी ने कहा है कि समुद्र की स्याही, धरती के सभी पेड़ों की कलम बनाकर धरती को किताब मानकर यदि गुरू का महात्म लिखा जाय वह भी कम होगा। जब शिष्य गुरू से श्रेष्ठ बन जाता है तभी गुरू को सच्चा सुख मिलता है। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुल गुरू श्री राजेन्द्र कुड़रिया ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला के उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने यह कार्यशाला विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के विकास के लिए नये द्वार खोलेगी। कार्यशाला के सहयोजक श्री रामभूषण मिश्र ने कार्यशाला के संबंध में जानकारी दी। कार्यशाला में गणमान्य नागरिक, प्राध्यापकगण तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

धान उपार्जन के लिए पंजीयन 15 सितम्बर से 10 अक्टूबर तक

फार्मर रजिस्ट्री कराने पर ही मिलेगा समर्थन मूल्य में उपार्जन का मौका - कलेक्टर

रीवा (कीर्तिप्रभा) किसानों को उनकी उपज का अधिकतम मूल्य देने के लिए शासन द्वारा किसानों से निर्धारित समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन किया जाएगा। उपार्जन के लिए किसानों का ऑनलाइन पंजीयन होना आवश्यक है। ऑनलाइन पंजीयन 15 सितम्बर से 10 अक्टूबर तक किया जायेगा। इस संबंध में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि किसान ग्राम पंचायत कार्यालय के सुविधा केन्द्र, जनपद पंचायत, तहसील कार्यालय, सहकारी समितियों एवं खरीदी केन्द्रों में निशुल्क पंजीयन करा सकते हैं। एमपी किसान एप अपने एन्ड्रायड मोबाइल पर डाउनलोड करके किसान स्वयं पंजीयन कर सकते हैं। इसके अलावा किसान एमपी ऑनलाइन कियोस्क सेंटर, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केन्द्र एवं निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे में 50 रुपए का शुल्क तथा आवश्यक दस्तावेज देकर 10 अक्टूबर तक उपार्जन के लिए पंजीयन करा सकते हैं। कलेक्टर ने कहा कि समर्थन मूल्य पर धान के उपार्जन का लाभ लेने के लिए किसानों को फार्मर रजिस्ट्री कराना अनिवार्य है। फार्मर रजिस्ट्री कराने पर ही धान उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन होगा। सभी पंजीयन केन्द्रों में भी फार्मर रजिस्ट्री बनाने की सुविधा दी जाएगी। कलेक्टर ने किसानों से अपील करते हुए कहा है कि ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी तथा पटवारी से संपर्क करके सभी किसान फार्मर रजिस्ट्री अवश्य बनवा लें। उपार्जन सहित शासन की अन्य योजनाओं का लाभ लेने के लिए भी फार्मर रजिस्ट्री होना आवश्यक है।

कलेक्टर ने बताया कि धान के उपार्जन का पंजीयन कराने के लिए किसानों को अपने आधार कार्ड, बोये गए अनाज के रकबे की जानकारी के लिए ऋण पुस्तिका की प्रति, आधार सीडेड बैंक खाते तथा बैंक खाते से जुड़े मोबाइल नम्बर की जानकारी देना आवश्यक होगा। बैंक खाते के साथ-साथ बैंक का आईएफएस कोड भी किसान अवश्य प्रस्तुत करें। उपार्जन से भुगतान के लिए जनधन खाते, अक्रिय बैंक खाते, संयुक्त बैंक खाते एवं फिनो, एयरटेल, पेटीएम बैंक खाते पंजीयन में मान्य नहीं होंगे। उपार्जन का भुगतान आधार संख्या तथा फोन नम्बर से जुड़े बैंक खाते से किया जाएगा। किसानों का पंजीयन गिरदावरी के आधार पर किया जाएगा। पूर्व से पंजीकृत किसानों एवं नवीन किसानों की भूमि का रकबा, फसल एवं फसल की किस्म की जानकारी गिरदावरी से ली जायेगी। पंजीयन ओटीपी आधारित व्यवस्था से होगा।

उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों और कर्मचारियों को किया सम्मानित

रीवा (कीर्तिप्रभा) उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कृष्णाराजा कपूर आडिटोरियम में आयोजित समारोह में विभिन्न क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया। निजी संस्था द्वारा आयोजित समारोह में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छे कार्य करने वाले लोक सेवकों को सम्मानित करने पर उन्हें अच्छे कार्य करने का प्रोत्साहन मिलता है। प्रशासनिक व्यवस्था में कई अधिकारी और कर्मचारी अच्छा कार्य कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने समारोह में महिला एवं बाल विकास विभाग, मध्यप्रदेश विद्युत मंडल, स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। समारोह में सांसद श्री जनार्दन मिश्र, पूर्व मंत्री श्री जय सिंह मरावी, श्री राजेन्द्र शर्मा तथा बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जिले में अब तक 721.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

रीवा (कीर्तिप्रभा) जिले में पिछले चार दिनों से वर्षा का जोर बना हुआ था। जिले में 4 सितम्बर को वर्षा का दौर थम गया है। लगभग दस दिनों के बाद सूर्य भगवान के दर्शन हुए। बादलों और धूप की आवाजाही के बीच आम जनजीवन सामान्य हो रहा है। पिछले 24 घंटे से केवल छिटपुट वर्षा से नदियों का जल स्तर लगातार घट रहा है। रीवा में विक्रम पुल पर बीहर नदी खतरे के निशान से 1.5 मीटर नीचे बह रही है। जल स्तर बढ़ने से कुछ बस्तियों में चढ़ा हुआ पानी उतर गया है। त्योंथर में टमस नदी का जल स्तर घटने से त्योंथर-पचामा सड़क खुल गई है। डीह पुल से भी पानी तेजी से उतर रहा है। जिले में 4 सितम्बर को केवल 7.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दिन जवा में 18 मिमी और त्योंथर में 14 मिमी वर्षा दर्ज की गई। जिले में एक जून से अब तक 721.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। इस अवधि में तहसील हुजूर में 872.5 मिमी, रायपुर कर्चुलियान में 761.3 मिमी, गुढ़ में 1015 मिमी, सिरमौर में 674.4 मिमी, त्योंथर में 559 मिमी, सेमरिया में 591 मिमी, मनगवा में 497 मिमी और जवा में 799 मिमी वर्षा दर्ज की गई। गत वर्ष इसी अवधि में जिले में 754.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई थी। रीवा जिले की सामान्य औसत वर्षा 1044.6 मिमी है। जिले के सिंचाई के प्रमुख स्रोत बाणसागर बांध का जल स्तर अधिकतम जल स्तर के नजदीक पहुंच गया है।

रिटर्निंग आफिसर एवं सहायक रिटर्निंग आफिसर नियुक्त

रीवा (कीर्तिप्रभा) कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रीवा ने मध्यप्रदेश नगरीय निकाय के उप निर्वाचन 2026 (पूर्वार्द्ध) हेतु मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1956 की धारा 14 (1) एवं 1961 की धारा 32 (1) मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1956 की धारा 20 (2) (क) नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 36 (2) (क) एवं मध्यप्रदेश नगर पालिका निर्वाचन नियम 1994 के नियम 21 द्वारा प्रदत्त शक्तिओं का प्रयोग करते हुए रिटर्निंग आफिसर श्री पारसनाथ मिश्रा प्रभारी तहसीलदार एवं सहायक रिटर्निंग आफिसर श्री राजेश तिवारी नायब तहसीलदार को नियुक्त करने के आदेश जारी किये हैं। जारी आदेश के अनुसार अधिकार क्षेत्र वार्ड क्रमांक 2 मंगल पाण्डेय वार्ड के लिए कार्यालय नगर परिषद चाकघाट में नाम निर्देशन पत्र प्राप्त किये जायेंगे।

जिले में अब तक 1091.6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज

मऊगंज मऊगंज जिले में एक जून से अब तक 1091.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। इस संबंध में अधीक्षक भू अभिलेख ने बताया कि एक जून से अब तक तहसील मऊगंज में 990.9 मिलीमीटर, हनुमना में 1235.0 मिलीमीटर तथा नईगढ़ी में 1049.0 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। जिले में गत वर्ष इसी अवधि में 1361.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले में पिछले 24 घण्टों के दौरान 18.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। पिछले 24 घण्टों के दौरान तहसील मऊगंज में 16.4 मिलीमीटर,हनुमना में तथा नईगढ़ी में 22.0 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। जिले में गत वर्ष इसी अवधि में 1361.3 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गयी।

परीक्षाओं के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण प्रारंभ

रीवा (कीर्तिप्रभा) प्राचार्य शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र रीवा संभाग ने बताया कि मध्यप्रदेश सिविल सेवा परीक्षा, बैंकिंग, रेलवे, एसएससी एवं कर्मचारी चयन मंडल द्वारा संचालित परीक्षाओं का निःशुल्क प्रशिक्षण अनुसुचित जाति एवं जनजाति के प्रशिक्षार्थियों के लिए प्रारंभ किया गया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में कर्मचारी चयन मंडल भोपाल द्वारा विज्ञापित उप निरीक्षक/सूबेदार के पदों हेतु परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र में संचालित किया जा रहा है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के पात्र/इच्छुक प्रशिक्षार्थी उपस्थित होकर या दूरभाष नंबर 07662-299221 पर जानकारी प्राप्त कर प्रशिक्षण का लाभ ले सकते हैं।

डिजिटल लेबर चौक मोबाइल एप्लिकेशन में श्रमिकों/नियोक्ताओं के पंजीकरण हेतु विशेष अभियान

रीवा (कीर्तिप्रभा) श्रम पदाधिकारी रीवा ने बताया कि भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा भवन एवं संनिर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के तहत डिजिटल लेबर चौक मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किया गया है। इस एप्लिकेशन का मुख्य उद्देश्य दैनिक वेतन भोगी और निर्माण श्रमिकों को बिना किसी एजेंट के माध्यम से सीधे नियोक्ताओं और रोजगार के अवसरों से जोड़ना है। इस ऐप के माध्यम से श्रमिक डिजिटल तरीके से दैनिक कार्य के अवसर खोज सकते हैं, जिससे उन्हें भौतिक लेबर चौकों पर असुरक्षित खड़े रहने की आवश्यकता नहीं होगी। मध्यप्रदेश के समग्र पंजीकृत नागरिक अपनी योग्यता और कौशल के अनुसार उपलब्ध नौकरियाँ खोज सकेंगे, वहीं दूसरी ओर नियोक्ता अपनी आवश्यकता, स्थान और दैनिक मजदूरी ऐप पर स्पष्ट दर्ज कर सकेंगे। पूरी प्रक्रिया को सुरक्षित बनाने के लिए नियोक्ता अपनी फैक्ट्री आईडी, दूकान लायसेंस या ठेकेदार लायसेंस के माध्यम से सत्यापित प्रोफाइल बनाकर जाब पोस्ट करेंगे।

गरीबों के आर्थिक विकास को बैंकर्स सर्वोच्च प्राथमिकता दें - सांसद

स्वरोजगार योजनाओं के सभी प्रकरण 31 अक्टूबर तक स्वीकृत और वितरित करें - कलेक्टर

रीवा (कीर्तिप्रभा) कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्तरीय बैंकर्स सलाहकार समिति की बैठक में सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि स्वरोजगार योजनाओं के प्रकरणों की स्वीकृति में बैंकों का रवैया ठीक नहीं है। सभी बैंकर्स सकारात्मक दृष्टिकोण से गरीबों के आर्थिक विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ऋण प्रकरण स्वीकृत और वितरित करें। प्राथमिकता के क्षेत्र कृषि और आवास में निवेश करके जिले के सीडी रेशियो में सुधार कराएं। जिले की आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि से ही बैंकों के कारोबार में वृद्धि होगी। गरीबों के छोटे-छोटे ऋण प्रकरणों को अमान्य करके बैंक अपना नुकसान कर रहे हैं। गरीबों को स्वरोजगार योजनाओं से आर्थिक विकास का अवसर दें। गरीबों के हितों पर कुठाराघात को सहन नहीं किया जाएगा। बैंकर्स कार्रवाई के लिए बाध्य न करें। बैठक में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा कि जिले के आर्थिक विकास को गति देने के लिए लगातार बैंकर्स के साथ बैठक की जा रही है। सभी स्वरोजगार योजनाओं से जुड़े अधिकारी 15 सितम्बर तक लक्ष्य से 25 प्रतिशत अधिक प्रकरण बैंकों में दर्ज कर दें। बैंकर्स के साथ नियमित संवाद रखें। सभी बैंकर्स स्वरोजगार योजनाओं के निर्धारित लक्ष्य के अनुसार शत-प्रतिशत प्रकरण 31 अक्टूबर तक स्वीकृत और वितरित करें। मछलीपालन, पशुपालन, पिछड़ावर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, ग्रामोद्योग, ग्रामीण आजीविका मिशन तथा मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना में बड़ी संख्या में प्रकरण बैंकों में लंबित हैं। निर्धारित प्रोटोकाल के अनुसार प्रकरणों का 15 दिन में अनिवार्य रूप से बैंकर्स निराकरण करें। स्वरोजगार प्रकरणों के निरस्त करने में मनमानी नहीं चलेगी। उचित बैंकिंग कारण होने पर ही प्रकरण अमान्य करें। प्रकरण में किसी भी प्रकार की कमी है तो संबंधित विभाग के अधिकारी से संपर्क कर कमी दूर कराएं और प्रकरण स्वीकृत करें। कलेक्टर ने कहा कि स्वरोजगार योजनाओं के संबंध में अधिकांश बैंकर्स ने नकारात्मक धारणा बना ली है। जिस रीवा जिले में बैंकर्स पदस्थ हैं और बैंकिंग व्यवसाय कर रहे हैं उस रीवा के आर्थिक विकास में सहयोग देना आपकी नैतिक जिम्मेदारी है। गरीबों के हित संवर्धन की उपेक्षा सहन नहीं की जाएगी। डीएलसीसी की महत्वपूर्ण बैठक में भी बैंकर्स मनमानी तरीके से आंकड़े प्रस्तुत कर रहे हैं। सभी बैंकर्स पूरी तैयारी और सही डेटा के साथ बैठक में आएं। स्वरोजगार प्रकरणों की स्वीकृति में रूचि न दिखाने वाले तथा लापरवाह बैंकर्स के विरूद्ध कार्रवाई वरिष्ठ कार्यालयों को प्रस्तावित की जाएगी। अगली बैठक से प्रमुख बैंकों के रीजनल मैनेजर भी बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। लीड बैंक मैनेजर सभी बैंकों में शिविर लगाकर लंबित प्रकरणों का निराकरण कराएं। बैंकर्स द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड बनाने और प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के प्रकरणों की स्वीकृति में लगातार लापरवाही बरती जा रही है। स्वनिधि योजना और प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के सैकड़ों प्रकरण बिना किसी कारण के अमान्य किए गए हैं। इन सभी प्रकरणों को पुनः मान्य करते हुए स्वीकृति जारी करें।

बैठक में नवागत जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सृष्टि देशमुख ने कहा कि जिले के वार्षिक प्लान के अनुसार ऋण-जमा अनुपात बढ़ाएं। कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी, आवास, लघु उद्यम तथा शिक्षा के क्षेत्र में बड़े ऋण प्रस्तावों को मंजूरी देकर प्राथमिकता के क्षेत्र में निवेश बढ़ाएं। शासन द्वारा प्राथमिकता क्षेत्र को सर्वोच्च महत्व दिया

रतनगवां में में गूंजे श्रीकृष्ण के भजन, भक्तिमय हुआ माहौल

राधाकृष्ण मंदिर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

मऊगंज (कीर्तिप्रभा)श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर संस्कृति विभाग ने सजाया भक्ति और संस्कृति का रंगमंच, शहडोल की भजन मंडली ने बांधा समां श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर ग्राम पंचायत रतनगवां स्थित श्री धाकृष्ण मंदिर में आस्था, उल्लास और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और ग्रामीणों ने सहभागिता कर भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाया। शहडोल से विशेष रूप से पहुंची भजन मंडली ने भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति से सराबोर मनमोहक भजनों की प्रस्तुतियां दीं। जैसे-जैसे भजनों की स्वर लहरियां मंदिर परिसर में गूंजती गईं, वैसे-वैसे श्रद्धालु भक्ति के रंग में रंगते चले गए। पूरा राधाकृष्ण मंदिर परिसर ञराधे-राधेञ् और ञ्जय श्रीकृष्णञ् के जयघोष से गूंज उठा। देर रात तक चले कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने भक्ति संगीत का आनंद लेते हुए भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का उत्साहपूर्वक स्वागत किया।

जन्माष्टमी के अवसर पर रतनगवां में ग्रामीणों का उत्साह देखते ही बन रहा था। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति ने आयोजन को भव्य स्वरूप प्रदान किया। धार्मिक वातावरण के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को और भी आकर्षक बना दिया। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर पी.के. पांडेय, डिप्टी कलेक्टर अजीत मिश्र, जनपद सीईओ परमानंद तिवारी, तहसीलदार सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, ग्रामीण एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। अधिकारियों एवं ग्रामीणों ने भी भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में सहभागिता की।

सर्पदंश से घबराएं नहीं - एक घंटे के भीतर एंटीवेनम इंजेक्शन लगवाएं

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने दी सर्पदंश से बचाव एवं उपचार की सलाह

मऊगंज (कीर्तिप्रभा) वर्तमान में बारिश होने के साथ वातावरण में लगातार तापमान अधिक रहता है। साँप तथा अन्य जीव-जंतुओं के छिपने के स्थानों में पानी भर जाने के कारण उनका सतह पर विचरण शुरू हो जाता है। इसलिए बारिश में साँप एवं अन्य जहरीले जंतुओं के काटने की घटनाएं होती हैं। कलेक्टर संजय कुमार जैन के निर्देशन पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुधाकर पाण्डेय ने आमजनता को सर्पदंश से बचाव तथा उपचार की सलाह दी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा है कि विन्ध्य क्षेत्र में प्रमुख रूप से तीन जहरीले सांपों, करैत, रसेल वाइपर तथा कोबरा के काटने के कारण मौत की घटनाएं होती हैं। साँप काटने के बाद एक घण्टे की अवधि में सही उपचार होने पर पीड़ित की जान आसानी से बचाई जा सकती है। साँप काटने के तत्काल बाद निकट के अस्पताल जाकर एक घण्टे के भीतर एंटीवेनम इंजेक्शन लगवाएं। यह इंजेक्शन रीवा जिले के सभी विकासखण्डों तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं जिला अस्पताल में उपलब्ध है। समय पर इंजेक्शन लगने पर जान का खतरा समाप्त हो जाता है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा है कि साँप काटने के स्थान पर तीखी जलन होती है। पीड़ित को अवसाद, उल्टी आना, लकवा तथा आँख की पुतलियों के फैल जाने के लक्षण दिखाई देते हैं। विष का प्रकोप होने के बाद पीड़ित में माँसपेसियों में ऐंठन और चेतनाहीनता हो जाती है। इसके बाद साँस रूकने से मौत हो जाती है। विष का सर्वाधिक असर तंत्रिका तंत्र और साँस लेने में होता है। कई बार साँप के काटने के स्थान पर सूजन आ जाती है तथा काटा हुआ स्थान काला पड़ जाता है। साँप काटने के बाद हाथ पैरों में झनझनाहट, चक्कर आना, पसीना छूटना, दम घुटना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

गौ सेवा ही धर्म की सबसे बड़ी सेवा है - उप मुख्यमंत्री

रीवा (कीर्तिप्रभा) उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने बसामन मामा गौ अभ्यारण्य में आयोजित श्रीकृष्ण जन्मोत्सव कार्यक्रम में शामिल होकर भगवान कृष्ण और गौमाता का पूजन किया। उप मुख्यमंत्री ने बड़ी संख्या में उपस्थित गौ सेवकों के साथ श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया। उप मुख्यमंत्री ने कृष्ण मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण की विधिवत पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गौ माता की सेवा ही सच्ची धर्म सेवा है। जब हम गौ माता से विमुख होते हैं तभी मानवता पर संकट आता है। बसामन मामा गौ अभ्यारण्य हजारों बेसहारा गायों को आश्रय देने के साथ प्राकृतिक खेती के रूप में विकसित हो रहा है। यहां प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षण की भी व्यवस्था है। गौ अभ्यारण्य के आसपास के किसानों को लगातार प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कुछ दिनों पहले गौ अभ्यारण्य में मलूक पीठाधीश्वर श्री राजेन्द्रदास जी महाराज ने तीन दिनों तक गौ भागवत सुनाई थी। महाराज जी ने गौ अभ्यारण्य में की जा रही गौ सेवा की प्रशंसा की। उप मुख्यमंत्री ने सभी को कृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बसामन मामा गौ अभ्यारण्य अब आश्रम का रूप ले चुका है। इसमें 9 हजार से अधिक गौवंश की सेवा की जा रही है। रीवा में लक्ष्मणबाग गौशाला में एक हजार गौवंश को आश्रय दिया गया है। हिनौती गौधाम में 20 हजार से अधिक गौवंश को आश्रय देने की व्यवस्था की जा रही है। हमें स्वयं को स्वस्थ रखने तथा भावी पीढ़ी का जीवन बचाने के लिए प्राकृतिक खेती को अपनाना होगा। प्राकृतिक खेती का आधार गौपालन और गौ सेवा है। गौ माता के शरीर में देवी-देवताओं का वास होता है। इसके गोबर और गौमूत्र भी इतना पवित्र होता है कि उसका पूजा में उपयोग होता है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का संकल्प लिया है। प्राकृतिक खेती प्रधानमंत्री जी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी किसान अपने जमीन के 10 से 20 प्रतिशत भाग पर प्राकृतिक खेती के माध्यम से अनाज पैदा करके अपने परिवार के लिए पौष्टिक और निर्मल अनाज की व्यवस्था करें। प्राकृतिक खेती को अपनाने का जन्माष्टमी सबसे शुभ दिन है। समारोह में पूर्व विधायक श्री केपी त्रिपाठी ने कहा कि जिस स्थान पर पथरीली और बंजर जमीन थी वहाँ आज 52 एकड़ में हरा-भरा बसामन मामा गौ अभ्यारण्य सुशोभित हो रहा है। यह गौ माता का प्रताप है। इसके निर्माण में कई बाधाएं आईं लेकिन उप मुख्यमंत्री जी के प्रयासों और गौ माता की कृपा से इसका निरंतर विकास हो रहा है। इसके साथ बनाए गए तीन स्टाप डैमो से आसपास के गांवों की पेयजल की समस्या दूर हुई है। समारोह में जिला पंचायत की नवागत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सृष्टि देशमुख ने कहा कि यह अभ्यारण्य गौ सेवा का आदर्श केन्द्र है। इसमें 9 हजार से अधिक गौ माता को आश्रय देना बड़ी उपलब्धि है।

इसे और बेहतर बनाने के प्रयास किए जाएंगे।

समारोह में गौ अभ्यारण्य प्रबंधन समिति के अध्यक्ष तथा एसडीएम सिरमौर श्रीमती दृष्टि जायसवाल ने कहा कि गौ सेवकों की निस्वार्थ सेवा और हम सबके प्रयासों से बसामन मामा गौ अभ्यारण्य का निरंतर विकास हो रहा है। गौ माता की कृपा से यह अभ्यारण्य प्राकृतिक खेती के माडल के रूप में भी तेजी से विकसित हो रहा है। भगवान कृष्ण के निष्काम भाव से कर्म करने की सीख को अपनाकर हम सब अपने कर्तव्य का पालन करें। समारोह में उप संचालक पशुपालन डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरूणेन्द्र शुक्ला, प्रभारी सीईओ जनपद पंचायत सिरमौर प्राची चौबे तथा अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में गौसेवक उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक संतोष कुमार मिश्र द्वारा अदिति प्रिंटर्स, वि. वि. मार्ग खुटेही रीवा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक-* संतोष कुमार मिश्र , * स्थानीय संपादक-योगराज तिवारी, आर.एन.आई. नं. 69841/98
प्रधान कार्यालय रीवा- फोन एवं फैक्स नं. 07662-292777,9425330073,9229876961 Email- samacharrewa@gmail.com * पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।